भारत में सोने की मांग अप्रैल जून तिमाही में 10 प्रतिशत घटी - 12

राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, बैठक दिनभर के लिए स्थगित- 3

तमिलनाडु में मां-बेटी ने एक साथ पास की नीट - 13

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप : क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित- 14

आज का मौसम

31.6⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.31

सूर्यास्त 06.54

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी 04:58 विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 1 अगस्त 2025, वर्ष 35, अंक 186, पृष्ठ 14 मूल्य 6 रुपये

लखनऊ महानगर की खबरों का पुलआउट अंदर के पन्नों पर... ।

यूपी के नए मुख्य सचिव बने शशि प्रकाश गोयल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मनोज कुमार सिंह से संभाला पद का दायित्व

अमृत विचार : यूपी कैडर के 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस अफसर शशि प्रकाश गोयल को प्रदेश का मुख्य सचिव बनाया गया है। गोयल ने दोपहर बाद मुख्य सचिव कार्यालय जाकर कार्यभार संभाला। उन्होंने मनोज कुमार सिंह से कार्यभार ग्रहण किया।

30 जून 2024 से मुख्य सचिव रहे मनोज कुमार सिंह को सेवा विस्तार की उम्मीद थी, लेकिन केंद्र सरकार से आदेश नहीं आया। केंद्र ने योगी आदित्यनाथ के पहली बार

मुख्यमंत्री बनने के साथ 19 मई 2017 से उनके कार्यालय प्रमुख का दायित्व संभाल रहे शशि प्रकाश गोयल को मुख्य सचिव बनाने के आदेश जारी किए। गोयल जनवरी 2027 तक पद पर रहेंगे।

ट्रंप ने कहा-भारत व रूस की अर्थव्यवस्था मृत

वाशिंगटन, एजेंसी

- बोले-दोनों अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे परवाह नहीं
- अमेरिका आज से लागू करेगा भारत पर 25 फीसदी टैरिफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और रूस के करीबी संबंधों को लेकर उन पर तीखा प्रहार किया और कहा कि दोनों देश अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने नई दिल्ली और मॉस्को की आलोचना करते हुए यह टिप्पणी तब की है जब कुछ घंटों पहले उन्होंने भारत के खिलाफ 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और रूस के साथ उसके व्यापार के लिए जुर्माना लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मुझे परवाह नहीं है कि भारत, रूस के

साथ क्या करता है। वे एक साथ अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को गर्त में ले जा सकते हैं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमने भारत के साथ बहुत कम व्यापार किया है, उनके शुल्क बहुत अधिक हैं। ट्रंप ने एक अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत से अधिक शुल्क लगाने की बुधवार को घोषणा की थी। उन्होंने रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने के लिए भी भारत पर जुर्माना लगाने की घोषणा की। यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय में की गई है जब इससे एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि एक अमेरिकी व्यापार दल व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए 25 अगस्त से भारत का दौरा करेगा। इस घोषणा को दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसने हाल ही में जापान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ अनुकूल व्यापार समझौते किए हैं। ट्रंप ने भारत की व्यापार नीतियों को अप्रिय बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से खरीद को लेकर 'जुर्माना' भी देना होगा।

भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ाया

यह जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि भारत ने रूस से तेल और सैन्य उपकरणों की बड़ी खरीद की है। भारत रूसी आयात के लिए जुर्माने का सामना करने वाला पहला देश है। रूस से भारत का कच्चा तेल आयात रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले कुल खरीद का 0 .2 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 35-40 प्रतिशत हो गया है। चीन के बाद, रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार भारत है। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारत हमारा मित्र है कि लेकिन हमने पिछले कई वर्षों में उनके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके शुल्क बहुत अधिक हैं, जो दुनिया में 'सबसे अधिक' हैं। उनके पास सबसे कठोर और अप्रिय गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भारत ने रूस से अपने सैन्य उपकरण और ऊर्जा उत्पाद तब खरीदे हैं जब हर कोई चाहता है कि रूस, यूक्रेन में हत्याएं बंद करे।

ब्रीफ न्यूज

प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी बने बीएचयू के कुलपति

कानपुर। आईआईटी कानपुर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय(बीएचयू) का कुलपति नियुक्त किया गया है। वे

तीन वर्ष की अवधि के लिए या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, बीएचयू के कुलपति रहेंगे। आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र रहे प्रो. चतुर्वेदी ने वर्ष 2017 से 2022 तक आईआईटी रुड़की के निदेशक के रूप में भी कार्य किया है। इसके अलावा जनवरी 2017 से अगस्त 2018 तक भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला के निदेशक रह चुके हैं।

बालटाल मार्ग से फिर अमरनाथ यात्रा शुरू

श्रीनगर/जम्मू। कश्मीर घाटी में बालटाल मार्ग से गुरुवार को अमरनाथ यात्रा फिर से शुरू हो गई लेकिन खराब मौसम के कारण इसे जम्मू से स्थगित कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह जम्मू से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर तक तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को जाने की अनुमति नहीं दी गई। बारिश के बाद अमरनाथ यात्रा मार्ग के पहलगाम मार्ग पर रखरखाव कार्यों के मद्देनजर, यात्रा केवल बालटाल मार्ग से ही जारी रहेगी। कश्मीर में मूसलाधार बारिश के कारण सड़कों पर आवाजाही असुरक्षित हो गई थी, जिसके बाद बुधवार को बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। आज सुबह बालटाल मार्ग से यात्रा फिर से शुरू हो गई।

साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित समेत सभी सातों आरोपी बरी

मालेगांव विस्फोट मामला : 17 साल बाद विशेष अदालत ने सुनाया निर्णय

मुंबई, एजेंसी

मालेगांव विस्फोट में छह लोगों की मौत होने के करीब 17 साल बाद एक विशेष अदालत ने भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को गुरुवार को बरी करते हुए कहा कि उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं हैं। अदालत ने कहा कि कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता है। उसने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन अदालत सिर्फ धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहरा सकती। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के मामलों की सुनवाई के लिए यहां नियुक्त विशेष न्यायाधीश ए के लाहोटी ने अभियोजन पक्ष के मामले और जांच में कई खामियों को उजागर किया और कहा कि आरोपी व्यक्ति संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में 29 सितंबर 2008 को एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल में लगाए गए विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 101 अन्य लोग घायल हो गए थे। इस मामले के आरोपियों में ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। अदालत ने जैसे ही सातों आरोपियों को बरी करने का फैसला सुनाया तो उन सभी के चेहरों पर मुस्कान छा गई और उन्होंने राहत की सांस ली।

समीर कुलकर्णी

रमेश उपाध्याय

पुरोहित

प्रज्ञा सिंह ठाकुर

अजय राहिरकर

सुधाकर चतुर्वेदी

सुधाकर द्विवेदी

- ठोस सबूत नहीं, धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहरा सकते : कोर्ट

न्यायाधीश ने कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मात्र संदेह वास्तविक सबूत की जगह नहीं ले सकता। किसी भी सबूत के अभाव में आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए।

न्यायाधीश ने कहा कि कुल मिलाकर सभी साक्ष्य अभियुक्तों को दोषी ठहराने के लिए विश्वसनीय नहीं हैं। अदालत ने कहा कि इस मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। अदालत ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया था। उसने कहा कि यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर मोटरसाइकिल पर लगाए गए बम से हुआ था। अभियोजन पक्ष का दावा था कि विस्फोट दक्षिणपंथी चरमपंथियों द्वारा स्थानीय मुस्लिम समुदाय को आतंकित करने के इरादे से किया गया था।

आतंकवाद न कभी भगवा था और न होगा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फैसले की सराहना करते हुए कहा कि आतंकवाद न कभी भगवा था और न कभी होगा। वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस फैसले ने हिंदू समुदाय पर लगे कलंक को मिटा दिया है। शिंदे ने दावा किया कि हिंदू कभी भी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त नहीं हो सकते।

50 से ज्यादा छात्र संख्या वाले प्राइमरी स्कूलों का विलय नहीं

पेयरिंग स्कूल की दूरी भी एक किलोमीटर से ज्यादा नहीं होगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कोई स्कूल बंद नहीं होगा और न ही समाप्त किए जाएंगे पद

अमृत विचार : प्रदेश में अब एक किलोमीटर से अधिक दूरी और 50 से ज्यादा छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों का विलय (पेयरिंग) नहीं होगा। साथ ही, जहां इन मानकों के विपरीत विलय हो गया है, उसे फिर से बहाल किया जाएगा। परिषदीय विद्यालयों के विलय को लेकर विपक्षी दलों और शिक्षकों-अभिभावकों के भारी विरोध के बीच राज्य सरकार ने गुरुवार को यह फैसला लिया। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने गुरुवार को लोक भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार के फैसले की जानकारी दी।

राज्यमंत्री ने कहा कि इस फैसले के तहत अब विलय होने वाले परिषदीय विद्यालयों की दूरी एक किलोमीटर के अंदर होगी। उन्हीं विद्यालयों का विलय होगा जिनमें छात्रों की संख्या से 50 से बहुत कम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विलय के बाद न तो कोई स्कूल बंद होगा और न ही पद समाप्त किए जाएंगे। छात्रों की संख्या बढ़ने पर पुराने विद्यालयों को फिर शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विलय प्रक्रिया शुरू

होने के बाद जिलों से कई शिकायतें आईं हैं, जिसके बाद कुछ स्कूलों को पूर्ववत संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अन्य भवनों में बाल वाटिकाएं और आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जाएंगे। साथ ही बताया कि स्कूलों का विलय होने के बाद यदि कहीं बैठने की असुविधा होगी या बच्चों की संख्या बढ़ेगी तो पुराने भवन में फिर से स्कूल शुरू किया जाएगा। राज्य सरकार का प्रयास है कि 15 अगस्त तक कोई भी स्कूल खाली न रहे। सभी विद्यालयों में प्री प्राइमरी और बाल वाटिका संचालित हो जाएं। उन्होंने कहा कि विलय प्रक्रिया के बाद प्रत्येक कक्षा के लिए शिक्षक उपलब्ध होंगे। शिक्षक-छात्र अनुपात बेहतर होगा और शिक्षण गुणवत्ता बढ़ेगी। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि यूपी कोई पहला राज्य नहीं है जहां पर स्कूलों की पेयरिंग (विलय) की जा रही है। इसके पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान और उड़ीसा जैसे राज्यों में यह प्रक्रिया अपनाई जा चुकी है। राजस्थान में वर्ष 2014 में इस प्रक्रिया के तहत 20 हजार स्कूलों का विलय किया गया। मध्य प्रदेश में वर्ष 2018 में पहले चरण में 36 हजार विद्यालयों को और लगभग 16 हजार समेकित परिसरों को निर्मित किया गया।

कोर्ट के फैसले का करेंगे अनुपालन

69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण के मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का जो भी निर्णय होगा सरकार उसका पालन करेगी। सरकार कोर्ट की किसी भी प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर सकती है। पहले शिक्षक अपनी जगह दूसरों को पढ़ाने को नियुक्त कर देते थे, अब ऐसा नहीं है।

अंदर देखें ... यूरेका

निर्वाचन आयोग ने निर्वाचक मंडल को दिया अंतिम रूप

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल को अंतिम रूप दे दिया है। यह चुनाव जगदीप धनखड़ के पद से इस्तीफे के कारण आवश्यक हो गया है। आयोग ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के सदस्य, मनोनीत सदस्य और लोकसभा

उपराष्ट्रपति चुनाव

के सदस्य शामिल होते हैं। चुनाव प्राधिकरण ने कहा कि उसने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। निर्वाचक मंडल की सूची अधिसूचना की तारीख से आयोग कार्यालय में एक काउंटर पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगी।

खास राशि जमा करने के आश्वासन पर न दें बेल

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और अधीनस्थ अदालतों को दिए निर्देश
- पीठ ने कहा-अदालतों को गुमराह कर जमानत ले रहे हैं वादी

उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों को निर्देश दिया है कि वे किसी आरोपी या उसके परिवार के सदस्यों की ओर से निर्धारित रकम जमा करने के लिए दिए गए शपथपत्र के आधार पर जमानत (बेल) आदेश पारित न करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस प्रथा को रोकना होगा।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि वादी अदालतों को गुमराह कर रहे हैं और उच्च न्यायालय तथा निचली अदालतें नियमित या अग्रिम जमानत के अनुरोध वाली याचिका पर मामले के गुण-दोष के आधार पर फैसला लेंगी। पीठ ने कहा कि इस आदेश के जरिए हम यह स्पष्ट करते हैं और वह भी निर्देशों के रूप में कि अब से कोई भी निचली अदालत या उच्च न्यायालय किसी भी ऐसे शपथपत्र पर नियमित जमानत या अग्रिम जमानत देने का आदेश पारित नहीं करेगा, जिसे आरोपी उचित राहत पाने के मकसद से पेश करने के लिए तैयार हो।

शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई को बंबई उच्च न्यायालय के एक फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई के दौरान यह आदेश पारित किया। उच्च न्यायालय ने धोखाधड़ी के एक मामले में जमानत पर रिहा आरोपी को चार हफ्ते के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। आरोपी को जमानत तब दी गई थी, जब उसने उच्च न्यायालय में एक शपथपत्र दायर कर कहा था कि वह 25 लाख रुपये जमा करने को तैयार है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि आरोपी ने जमानत पर रिहाई तो हासिल कर ली, लेकिन वह उच्च न्यायालय के समक्ष दायर शपथपत्र में दिए गए आश्वासन के अनुसार तय राशि जमा कराने में विफल रहा।

आईएमडी का अनुमान

दूसरे चरण में होगी अधिक बारिश

नई दिल्ली। भारत में मानसून ऋतु के दूसरे चरण (अगस्त और सितंबर) में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के आसपास के इलाकों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अगस्त में सामान्य और सितंबर में अधिक बारिश होने का अनुमान है।

आपराधिक मामला लंबित होने पर भी अनुकंपा नियुक्ति संभव

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- हाईकोर्ट ने कहा-विवेकाधिकार का इस्तेमाल करें नियोक्ता

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि केवल आपराधिक मामले का लंबित होना अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति से इनकार करने का आधार नहीं हो सकता। नियुक्ति देने के लिए नियोक्ता के विवेकाधिकार का उपयोग निष्पक्ष रूप से किया जाना चाहिए। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अजीत कुमार की एकल पीठ ने महेश कुमार चौहान द्वारा दाखिल याचिका को अनुमति देते हुए की।

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि यद्यपि आपराधिक मामले में फंसे होने पर उम्मीदवार को नियुक्ति मांगने का कोई अधिकार नहीं है। फिर भी केवल आपराधिक मामले का लंबित होना ही किसी उम्मीदवार को नियुक्ति देने से इनकार करने का ठोस आधार नहीं हो सकता है, विशेषकर अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में। मामले के अनुसार याची के पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति की मांग की थी। लेकिन प्रशासन ने इस आधार पर उनका आवेदन खारिज कर दिया कि उनके खिलाफ एक आपराधिक मामला लंबित है और उनकी नियुक्ति पर विचार केवल बरी होने के बाद ही किया जाएगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नियुक्ति तिथि पर मान्य चरित्र प्रमाण पत्र को कुछ महत्व दिया जाना चाहिए था। कोर्ट ने कहा कि जहां परिवार पूरी तरह मृतक पर निर्भर रहा हो और कोई अन्य कमाऊ सदस्य न हो, वहां सरकार को मानवीय व व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। कोर्ट ने माना कि अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य परिवार की तत्काल आर्थिक सहायता है और उसमें नियमित नियुक्तियों की तरह कठोर मापदंड नहीं अपनाए जाने चाहिए।

कैबिनेट का फैसला | महाराष्ट्र, मप्र, प. बंगाल, ओडिशा, बिहार और झारखंड के 13 जिले होंगे कवर

छह राज्यों के लिए चार रेल परियोजनाओं को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- लाइन क्षमता के विस्तार पर खर्च किए जाएंगे 11,169 करोड़ रुपये
- मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट से लगभग 2,309 गांवों तक कनेक्टिविटी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की लगभग 11,169 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। गुरुवार को यह जानकारी दी गई।

सरकार ने इन परियोजनाओं के जरिए रेल नेटवर्क के विस्तार के बारे में बात करते हुए कहा कि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड के 13 जिलों को कवर करने वाली ये चार परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 574 किलोमीटर तक बढ़ा

देंगी। नई परियोजनाओं में इटारसी और नागपुर के बीच चौथी लाइन का निर्माण, औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) और परभणी के बीच रेलवे लाइन का दोहरीकरण तथा अलुआबाड़ी रोड और न्यू जलपाईगुड़ी एवं डांगोआपोसी और जरोली के बीच तीसरी व चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। कहा गया कि लाइन क्षमता के विस्तार से गतिशीलता में वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये 'मल्टी-ट्रैकिंग' प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए हैं। इन परियोजनाओं की योजना 'पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के तहत बनाई गई है, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारक परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और रसद संबंधी दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सरकार ने कहा कि ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं के लिहाज से निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

प्रस्तावित 'मल्टी-ट्रैकिंग' परियोजना से लगभग 2,309 गांवों तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

खाद्य प्रसंस्करण के लिए 6,520 करोड़ स्वीकृत

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के लिए बजटीय परिव्यय 1,920 करोड़ रुपये बढ़ाकर 6,520 करोड़ रुपये करने की मंजूरी दे दी। चालू वित्त वर्ष (2025-26) में प्रदान की जाने वाली बढ़ी हुई धनराशि का उपयोग 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों और 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पीएमकेएसवाई का परिव्यय बढ़ाकर 6,520 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

फार्मासिस्ट व लैब टेक्नीशियनों को मिलेगी पदोन्नति

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से कार्यरत फार्मासिस्ट व लैब टेक्नीशियन, जिन्हें ससमय पदोन्नति नहीं मिली है, उन्हें पदोन्नति मिलेगी। इसके लिए स्वास्थ्य महानिदेशालय ने सभी सरकारी अस्पताल प्रशासन, मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य, सभी मुख्य चिकित्साधिकारी व मंडलीय अपर निदेशकों से पात्र कर्मियों की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टियां(एसीआर) एवं अन्य अभिलेख 15 अगस्त 2025 तक मांगे गए हैं। स्वास्थ्य विभाग में निदेशक पैरामेडिकल डॉ .रंजना खरे ने 491 फार्मासिस्टों की सूची जारी करते हुए, सभी एसीआर मांगी हैं। पुनः अधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि प्रपत्र उपलब्ध करा दिए जाए ताकि चीफ फार्मासिस्ट के पद पर पदोन्नति मिल सके।

बीबीए में दाखिले के लिए अंतिम तिथि 31 अगस्त

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग द्वारा संचालित मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम) लखनऊ में तीन वर्षीय बीबीए (टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी) कोर्स में दाखिला लेने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी गयी है। पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में करियर बनाने के इच्छुक छात्र अब बढ़ाई गई समयसीमा तक लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

पुरानी पेंशन योजना लाभ लेने के लिए अंतिम तिथि 31 सितंबर

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने उन राज्य कर्मियों को जो नियमानुसार पुरानी पेंशन के हकदार हैं, निर्धारित तिथियों में लाभ प्राप्त करने के लिए विकल्प प्रस्तुत नहीं कर सके हैं, उन्हें पुनः मौका दिया गया है। यह मौका राज्य कर्मियों के साथ पेंशन की संस्तुति संबन्धी आदेश पारित करने वाले अधिकारियों को भी दिया गया है, निर्धारित तिथि में पात्र कर्मियों को पुरानी पेंशन लाभ से संबद्ध कर दिया जाए। वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने गुरुवार को जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि 28 मार्च 2005 के पूर्व विज्ञापित पदों के सापेक्ष हुआ है, उन्हें पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा, इसके लिए पूर्व में ओपीएस का विकल्प देने के लिए 31 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गयी थी, जिसके बढ़ाकर अब 30 सितंबर 2025 कर दिया गया है, उन्होंने स्पष्ट किया है कि उक्त तिथियों में विकल्प प्रस्तुत कर, पुरानी पेंशन का लाभ प्राप्त करें।

जीरो टॉलरेंस व जीरो करप्शन होगा मूल मंत्र : गोयल

लोकभवन में कार्यभार संभालने के बाद बोले यूपी के 56वें मुख्य सचिव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : यूपी के 56वें मुख्य सचिव बनाए गए एसपी गोयल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस, जीरो करप्शन, औद्योगिक विकास एवं आर्थिक विकास की नीतियों को धरातल पर उतारने का पूरा जोर रहेगा।

वे गुरुवार को लोकभवन में कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने व प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के पूरे प्रयास किए जाएंगे। प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों को समयबद्धता एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कराना सुनिश्चित किया जायेगा। प्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के लिये ठोस कदम उठाए जाएंगे, जिससे प्रदेशवासियों को एक खुशहाल प्रदेश एवं युवाओं को एक बेहतर भविष्य मिल सके।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक श्री एम देवराज, प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश कुमार मेश्राम, प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार, जिलाधिकारी लखनऊ विशाख जी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी आदि उपस्थित थे।

लोकभवन में कार्यभार संभालते नवनिर्वाचित मुख्य सचिव एसपी गोयल, साथ में मनोज कुमार सिंह व अन्य।

गोयल व संजय प्रसाद को मिलीं नई जिम्मेदारियां

मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव के रूप में कार्य करते समय एसपी गोयल के पास नागरिक उड्डयन, राज्य संपत्ति एवं प्रोटोकॉल विभाग की जिम्मेदारी भी थी। अब इसे मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह एवं सूचना के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को दे दी गई है। जबकि एसपी गोयल को मुख्य सचिव के साथ अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अपर मुख्य सचिव समन्वय विभाग, अध्यक्ष पिकप, यूपीडा एवं उपशा का मुख्य कार्यपालक अधिकारी व यूपीडास्प के निदेशक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मोदी-योगी सरकार में काम का अच्छा अनुभव : मुख्य सचिव बने शशि प्रकाश गोयल को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के साथ भी अच्छा अनुभव है। वे बीते आठ वर्ष से अधिक के समय से प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री के पद पर तैनात रहे। प्रदेश के एक-एक जिले पर उनकी गहरी पकड़ के साथ दिल्ली की ब्यूरोक्रेसी और राजनीतिक समझ में भी उनकी गहरी पकड़ मानी जाती है।

आईएएस टॉपर गोयल की पहली नियुक्ति थी इटावा : लखनऊ जन्मे व पले-बढ़े एसपी गोयल 1989 बैच के आईएएस टॉपर रहे हैं। उन्होंने बीएससी (ऑनर्स), एमसीए, ईएमआईबी (आईआईएफटी) किया है। उनकी पहली नियुक्ति असिस्टेंट मजिस्ट्रेट इटावा के रूप में हुई थी। इसके बाद अलीगढ़, बहराइच व मेरठ में मुख्य विकास अधिकारी रहे। गोयल इस बाद मथुरा, इटावा, प्रयागराज व देवरिया जिले के डीएम भी रहे। बसपा सरकार में वह कैबिनेट सेक्रेटरी रहे शशांक शेखर सिंह स्टाफ अफसर थे और अखिलेश यादव सरकार में सचिव नियोजन और कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग रहे। केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद वह मानव संसाधन एवं उच्च शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव रहे।

मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण करने के बाद सीएम आवासा पर मुख्यमंत्री योगी को गुलदस्ता भेंट कर मुलाकात करते एसपी गोयल।

एक मतदान केंद्र पर होंगे तीन हजार मतदाता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव

- **14 अगस्त से घर-घर जाकर मतदाताओं का पुनरीक्षण करेंगे बूथ लेवल अफसर**

अमृत विचार : अगले वर्ष होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में एक मतदान केंद्र पर तीन हजार मतदाता मतदान करेंगे। मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत पात्र लोगों को मतदाता बनाने के लिए 14 अगस्त से बूथ लेवल अफसर बीएलओ घर-घर जाएंगे। मतदान केंद्र पर ज्यादा मतदाता होने पर एक से अधिक बीएलओ की नियुक्ति की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को इस सिलसिले में निर्देश जारी किया है।

पंचायतीराज विभाग व नगर विकास विभाग के बीच क्षेत्रों के परिसीमन को लेकर विवाद की स्थिति के बीच निर्वाचन आयोग ने समय पर चुनाव कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किया है। जारी निर्देश में कहा गया है कि वर्ष 2026 में होने वाले चुनाव को स्वतंत्र व निष्पक्ष कराने के लिए समुचित उपाय सुनिश्चित किये जायं। 18 से अधिक आयु वाले अर्ह व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किये जायं। आयोग के अधिकारियों के अनुसार निर्देश के तहत 14 अगस्त से बीएलओ घर-घर जाकर सभी अर्ह लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल करना सुनिश्चित करेंगे। 29 सितंबर तक यह कार्य पूरा किया जाएगा। 14 अगस्त से 22 सितंबर तक लोग ऑनलाइन तरीके से मतदाता सूची में नाम शामिल करा सकेंगे। 23 सितंबर से 29 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदनों को घर-घर जाकर जांच की जाएगी। 5 दिसंबर को अनंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक दावे व आपत्तियां ली जाएंगी। 15 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

केवल विवादित क्षेत्रों में टल सकते हैं चुनाव

आयोग के अधिकारियों के अनुसार परिसीमन को लेकर नगर निकाय व पंचायतीराज विभाग के बीच विवाद की स्थिति में संबंधित क्षेत्र में चुनाव टाले जाने की संभावना है। विवाद का निपटारा होने पर संबंधित क्षेत्रों में चुनाव कराए जाएंगे।

15 अपर पुलिस अधीक्षक का हुआ तबादला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **अभय मिश्रा एएसपी सतर्कता अधिष्ठान व डॉ. अर्चना सिंह एडीसीपी कानपुर बने**

अमृत विचार : शासन ने गुरुवार 15 अपर पुलिस अधीक्षक का तबादला किया। दोपहर में जारी आदेश के अनुसार उपसेनानायक 6वीं वाहिनी एसएसएफ अयोध्या अभय मिश्रा को अपर पुलिस अधीक्षक सतर्कता अधिष्ठान और एएसपी पीएसी डॉ. अर्चना सिंह को अपर पुलिस उपायुक्त कानपुर नगर बनाया गया। इसी तरह मऊ के एएसपी महेश सिंह अत्रि को पीटीएस मुरादाबाद भेजा गया है।

इसी तरह धर्मेंद सचान को मुख्य सुरक्षा अधिकारी नागरिक उड्डयन एयरपोर्ट से पुलिस मुख्यालय, प्रमोद कुमार यादव उपसेनानायक 33वीं वाहिनी पीएसी झांसी से 36वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी, राजेंद्र प्रसाद यादव को सीआईडी मुख्यालय से सतर्कता अधिष्ठान, मोहिनी पाठक को यूपी-112 लखनऊ से पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, अनूप कुमार को यातायात निदेशालय से एएसपी मऊ, रंजन सिंह को एडीसीपी वाराणसी से आईजी स्थापना स्टाफ ऑफिसर , अशोक कुमार यादव को ईओडब्ल्यू (एसआईटी) से ईओडब्ल्यू मुख्यालय, कृष्णकांत सरोज को एएसपी ग्रामीण बदायूं से अभिसूचना मुख्यालय मेरठ, डॉ. राजीव कुमार सिंह को एएसपी अभिसूचना मुख्यालय मेरठ से सतर्कता अधिष्ठान, डॉ. ह्रदेश कठेरिया को एडीसीपी नोएडा से एएसपी ग्रामीण बदायूं, राहुल मिश्रा पुलिस मुख्यालय से एएसपी उत्तरी देवरिया और अरविंद कुमार वर्मा-1 को एएसपी देवरिया उत्तरी से पुलिस मुख्यालय स्थानांतरित कर दिया गया है।

चार माह से बिना वेतन 350 कर्मचारी

अमृत विचार लखनऊ : प्रदेश में सूडा की तरफ से दीनदयाल राष्ट्रीय आजीविका मिशन (डेएनयूएलएम) में तैनात 350 कर्मचारियों को चार माह से वेतन नहीं मिला है। योजना का विस्तार न होने की वजह से कर्मचारी अधर में हैं और कार्यालयों पर हाजिरी लगा रहे हैं। मुख्यालय और जिलों डेएनयूएलएम योजना के तहत आउटसोर्स पर स्टेट मिशन मैनेजर, सिटी मिशन मैनेजर, सामुदायिक आयोजक, सहायक स्टाफ और कंप्यूटर ऑपरेटर समेत 350 कर्मचारी तैनात हैं।

13,093 एमबीबीएस सीटों पर मिलेगा दाखिला

अमृत विचार, लखनऊ : नीट यूजी 2025 की प्रथम चरण की काउंसिलिंग में प्रदेश के 44 सरकारी मेडिकल कॉलेज समेत कुल 110 मेडिकल कॉलेजों की 13 हजार 93 एमबीबीएस सीटें शामिल होंगी। कॉलेजों की सीटों का व्यौरा चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने गुरुवार को बताया कि प्रथम चरण की काउंसिलिंग में पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट सूची सार्वजनिक कर दी गयी है। मेरिट क्रम में अभ्यर्थियों को 4 अगस्त तक तीन –तीन कॉलेजों की च्वाइस देनी होंगी। रिक्त सीट की उपलब्धता पर 5 अगस्त को सीट आवंटित कर परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कॉलेजों में राज्य कोटे की 85 प्रतिशत सीटों पर यूपी नीट यूजी काउंसिलिंग से दाखिले होंगे।

बिजली समस्याओं की अनदेखी पर दंडित होंगे अधिकारी : एके शर्मा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **ऊर्जा मंत्री ने जिलों में तैनात अफसरों को दी चेतावनी**

अमृत विचार : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने जिलों में तैनात अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि बिजली समस्याओं से अनदेखी व टालमटोल पर दंडित होंगे। उन्होंने कहा कि आम लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ऊर्जा मंत्री गुरुवार को बिजली आपूर्ति को लेकर जिलों में तैनात अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक कर रहे थे।

ऊर्जा मंत्री ने निर्देशित किया कि प्रत्येक अधिकारी अपने-अपने जिलों में जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर संवाद बनाएं रखें और स्थानीय समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित रूप से हल करें। लापरवाही, टालमटोल या जन समस्याओं की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि हर उपभोक्ता को 24 घंटे बेहतर बिजली सेवा मिले और किसी भी तरह की शिकायत का समाधान तय समय में हो। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि जिले स्तर पर टोल फ्री नंबर, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल व अन्य जनसंपर्क माध्यमों के जरिए आने वाली सभी शिकायतों पर सतत निगरानी रखी जाए।

दो डॉक्टर, तीन नर्स निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज में ऑपरेशन टेबल पर गलत मरीज लिटाए जाने के मामले में सहायक आचार्य डॉ. सुधांशु शर्मा, सीनियर रेजिडेंट डॉ. विशाल त्यागी व तीन नर्सों ऊषा देवी, अमरपाली एस लाल एवं स्नेहप्रभा को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई गुरुवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर हुई। साथ ही दो सदस्यीय कमेटी गठित कर घटना की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने घटना को बेहद लापरवाही पूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी एवं विभागाध्यक्ष, फॉरेंसिक मेडिसिन डॉ. पुनीत अवस्थी की एक संयुक्त कमेटी गठित कर की दी गयी है।

मानक के अनुरूप होंगे विद्यालय में शिक्षक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कम्पोजिट विद्यालय हो रहे विकसित : संदीप सिंह

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों के विलय के बाद भी शिक्षकों और रसोइयों की भूमिका यथावत रहेगी। किसी भी पद को समाप्त नहीं किया जा रहा है, बल्कि इस योजना के अंतर्गत जहां 50 छात्र पंजीकृत हैं, वहां तीन शिक्षकों की अनिवार्य तैनाती की जाएगी। 50 से अधिक छात्र वाले विद्यालयों में निर्धारित मानकों के अनुरूप शिक्षकों की व्यवस्था की जा रही है। राज्यमंत्री लोकभवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अब तक 1.26 लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है। ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत 96 प्रतिशत परिषदीय विद्यालयों को मूलभूत सुविधाओं से लैस किया गया है। राज्यमंत्री ने कहा कि समायोजित करते समय विद्यालय तक बच्चों की पहुंच सरल, सुगम और सुरक्षित हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया है। विद्यालयों के विलय होने के बाद अधिक नामांकन वाले विद्यालयों को स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, अतिरिक्त कक्ष, कम्पोजिट ग्रांट, टीएलएम और खेल सामग्री जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

लोकभवन स्थित मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता करते बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह।

मालेगांव विस्फोट : हिंदू आतंकवाद की साजिश ध्वस्त, माफी मांगे कांग्रेस

कोर्ट का फैसला आने के बाद भाजपा हुई हमलावर, कहा- ये ऐतिहासिक दिन

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने मालेगांव विस्फोट मामले में सात आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को आगे बढ़ने से रोकने और मुस्लिम मतदाताओं को खुश करने के वास्ते हिन्दू आतंकवाद का विमर्श गढ़ा था।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने मांग की कि भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित बरी किए गए आरोपियों को मुआवजा दिया जाना चाहिए और अभियोजन पक्ष को उन्हें फंसाने के लिए कथित तौर पर यातना देने और सबूत गढ़ने के वास्ते माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने इसे ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा, कांग्रेस अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। यह मामला विशुद्ध वोट बैंक की राजनीति के लिए पार्टी की एक सोची-समझी साजिश थी। प्रसाद ने कहा कि भगवा आतंकवाद की संभावना को बल देने संबंधी कांग्रेस की साजिश विफल हो गई है।

ये मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मालेगांव विस्फोट मामले में अदालत के फैसले से संबंधित सवालों को खारिज करते हुए कहा कि यह वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारतीय अर्थव्यवस्था पर आलोचनात्मक टिप्पणियों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। कहा, प्रधानमंत्री किसी भी मुद्दे पर सीधा जवाब देने को तैयार नहीं हैं।

मालेगांव विस्फोट: 6 की मौत, सौ घायल

मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए बम ब्लास्ट में छह की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे। एटीएस ने साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित समेत सात लोगों को इसमें आरोपी बनाया था।

एनआईए ने मुकर गए गवाहों के खिलाफ नहीं की कार्रवाई

- पीड़ितों के वकील ने कहा- बंबई हाईकोर्ट में करेंगे अपील

मुंबई, एजेंसी

मालेगांव विस्फोट मामले में सभी सात आरोपियों को बरी किया जाना एनआईए की एक महत्वपूर्ण विफलता है, जिसने अपने बयान से पलटने वाले गवाहों के खिलाफ झूठी गवाही का आरोप नहीं लगाया। पीड़ितों के वकील ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। अधिवक्ता शाहिद नदीम ने कहा कि पीड़ितों के रिश्तेदार विशेष एनआईए अदालत के फैसले के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय में अपील दायर करेंगे।

कुछ पीड़ित परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले नदीम ने कहा, यह मामला एनआईए की ओर से महत्वपूर्ण विफलताओं को उजागर करता है, प्रभावी रणनीति का अभाव रहा है। मुकदमे के दौरान गवाह अपने बयान से पलट गए, फिर भी पीड़ितों के अनुरोध के बावजूद एनआईए ने उनमें से किसी के खिलाफ झूठी गवाही का आरोप नहीं लगाया। उन्होंने कहा कि पीड़ित अब भी उस सदमे से नहीं उबर पाए हैं।

एनआईए अदालत के फैसले के बाद साध्वी प्रज्ञा। ● एजेंसी

उन्होंने कहा, वे न्याय पाने के लिए दृढ़ हैं और फैसले की समीक्षा के बाद बंबई उच्च न्यायालय में एक स्वतंत्र अपील दायर करके कानूनी उपाय अपनाएंगे। वकील ने दावा किया कि मालेगांव कस्बे का कोई भी गवाह या पिछली जांच एजेंसी एटीएस द्वारा पेश किया गया कोई भी गवाह अपने बयान से नहीं पलटा।

संदेह वास्तविक साक्ष्य का स्थान नहीं ले सकता : अदालत

मुंबई। मुंबई की विशेष एनआईए अदालत ने 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में सात आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि महज संदेह वास्तविक साक्ष्य की जगह नहीं ले सकता और दोषसिद्धि के लिए कोई ठोस या विश्वसनीय सबूत नहीं है। अदालत ने कहा कि कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता। उसने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, और अदालत सिर्फ धारणा के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहरा सकती।

संघ ने किया फैसले का स्वागत

नागपुर। आरएसएस ने गुरुवार को मुंबई की एनआईए अदालत के मालेगांव विस्फोट मामले के सभी सात आरोपियों को बरी करने के फैसले का स्वागत किया है। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने इस फैसले को 'सत्य की जीत' बताया और कहा कि इस फैसले ने हिंदू समुदाय को आतंकवाद से जोड़ने के निराधार प्रयासों को उजागर कर दिया है।

सीएम योगी बोले- सत्यमेव जयते

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मालेगांव विस्फोट मामले में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना 'सत्यमेव जयते' की उद्घोषणा है। यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को उजागर करता है। कांग्रेस ने 'भगवा आतंकवाद' जैसा शब्द गढ़कर करोड़ों सनातन आस्थावानों, साधु-संतों की छवि को कलंकित करने का अपराध किया है।

आरोपियों के छूटने के लिए जानबूझकर की गई घटिया जांच जिम्मेदार: ओवैसी

हैदराबाद। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मालेगांव विस्फोट में छह नमाजी मारे गए थे और लगभग 100 घायल हुए थे। आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के मालेगांव विस्फोट मामले के आरोपियों को जानबूझकर की गई घटिया जांच के कारण बरी कर दिया गया। ओवैसी ने क्या मोदी और फडणवीस सरकार इस फैसले के खिलाफ उसी तरह अपील करेंगी, जिस तरह उन्होंने मुंबई ट्रेन धमाकों में सभी दोषियों को बरी करने के फैसले को चुनौती दी।

महाराष्ट्र एटीएस को 10 दिन के अंदर दूसरा बड़ा झटका

मुंबई। महाराष्ट्र में 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में बृहस्पतिवार को निचली अदालत द्वारा सभी सात आरोपियों को बरी किये जाने का फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए पिछले 10 दिनों में दूसरा झटका साबित हुआ। इससे पहले बम्बई हाईकोर्ट ने 2006 के मुंबई सिलसिलेवार ट्रेन विस्फोट मामले में 22 जुलाई को 11 आरोपियों को बरी कर दिया था। इस मामले की जांच भी एटीएस ने ही की थी।

एटीएस ने मालेगांव विस्फोट मामले की भी शुरुआती जांच की थी और मुख्य आरोपी प्रज्ञा सिंह ठाकुर एवं लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित विभिन्न आरोपियों को गिरफ्तार किया था। बाद में इस मामले की जांच एनआईए ने अपने हाथ में ले ली थी।

एटीएस ने 21 अक्टूबर, 2008 को जांच अपने हाथ में लेने के दो दिन के भीतर प्रज्ञा सिंह ठाकुर, शिवनारायण कलसांगरा और श्याम भवरलाल साहू को गिरफ्तार कर लिया था और दावा किया था कि विस्फोट दक्षिणपंथी चरमपंथियों द्वारा किया गया था। एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे के नेतृत्व में इस मामले का खुलासा हुआ था, लेकिन दुर्भाग्यवश वह 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान आतंकवादियों की गोलियों का शिकार हो गए थे एटीएस ने कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जबकि रामजी कलसांगरा और संदीप डांगे को भगोड़ा घोषित कर दिया गया। उनका कोई पता नहीं चला।

नेशनल ब्रीफ

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक सेवानिवृत्त

मुंबई। महाराष्ट्र में 80 से ज्यादा गैंगस्टरों को ढेर करने वाले 'मुठभेड़ विशेषज्ञ' के नाम से मशहूर सहायक पुलिस आयुक्त दया नायक 30 साल की सेवा के बाद बृहस्पतिवार को पुलिस बल से सेवानिवृत्त हो गए। वर्ष 1995 बैच के उपनिरीक्षक नायक को मुंबई अपराध शाखा की बांद्रा इकाई में वरिष्ठ निरीक्षक के रूप में सेवा देने के बाद दो दिन पहले ही सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर पदोन्नत किया गया था। नायक, महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने 2021 में उद्योगपति मुकेश अंबानी के मालाबार हिल स्थित घर एंटीलिया के पास खड़ी विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी और उसके बाद गाड़ी के मालिक मनसुख हिरेन की हत्या के मामले को सुलझाया था।

इंडिया गठबंधन चुनाव आयोग तक करेगा मार्च

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को विपक्षी इंडिया गठबंधन संसद के मानसून सत्र के पहले दिन से उठा रहा है और विरोध प्रदर्शन कर रहा है। अब इंडिया गठबंधन चुनाव आयोग के खिलाफ मार्च एवं जनजागरूकता अभियान चलाकर इसे राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है। सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि इंडिया गठबंधन ने आठ अगस्त को चुनाव आयोग के मुख्यालय तक मार्च निकालने की योजना बनाई गई है और संसद के भीतर और बाहर एसआईआर के मुद्दे पर अपना विरोध जारी रखने का निर्णय लिया है। सुबह इंडिया गठबंधन की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई और सभी दलों ने एकमत से तय किया है कि बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया पर संसद के मानसून सत्र में चर्चा होनी चाहिए।

जुलाई में दिल्ली की हवा 7 साल में सबसे स्वच्छ

नई दिल्ली। दिल्ली में जुलाई में सात साल में सबसे साफ हवा दर्ज की गई, जहां एक्यूआई घटकर संतोषजनक श्रेणी में 78 पर आ गया। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस जुलाई का एक्यूआई 2020 से भी बेहतर रहा, जब कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान आवाजाही और औद्योगिक गतिविधियों पर लगे प्रतिबंधों के कारण प्रदूषण के स्तर में काफी कमी आई थी। सीएक्यूएम के अनुसार, बीते वर्षों में जुलाई का औसत एक्यूआई 2018 में 104, 2019 में 134, 2020 में 84, 2021 में 110, 2022 में 87, 2023 में 84 और 2024 में 96 रहा।

दुर्गा पूजा समितियों का अनुदान 1.10 लाख रुपये

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की कि उनकी सरकार राज्य भर में लगभग 40 हजार दुर्गा पूजा समितियों में से प्रत्येक को 1.10 लाख रुपये का अनुदान देगी, कर माफ करेगी तथा 80 प्रतिशत बिजली रियायत देगी। इस घोषणा से आयोजकों में खुशी है जबकि विपक्ष ने इसकी आलोचना करते हुए इसे 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले चुनावी उपहार करार दिया।

एसआईटी को कर्नाटक के धर्मस्थल में मिले कई कंकाल

मंगलुरु। कर्नाटक के धर्मस्थल कस्बे में कथित सामूहिक कब्रों की जांच कर रही एसआईटी ने छठे चिह्नित स्थान पर कंकाल बरामद होने के बाद वहां सुरक्षा बढ़ाते हुए फॉरेंसिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस स्थान की पहचान मामले में मुख्य शिकायतकर्ता ने की थी और क्षेत्र में सैकड़ों कब्र होने का आरोप लगाया था।

एसआईटी सूत्रों के अनुसार, छठे चिह्नित स्थान पर हालिया खुदाई में महत्वपूर्ण मानव अवशेष मिले हैं। अधिकारियों ने इस स्थान की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए हैं और छेड़छाड़ या पर्यावरणीय क्षति, विशेष रूप से जल जमाव से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए चारों तरफ सुरक्षात्मक 'शीट' लगाई हैं क्योंकि जल जमाव से साक्ष्य की विश्वसनीयता खतरे में पड़ सकती है। अवशेषों को विश्लेषण के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजे जाने की उम्मीद है।

राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, दिनभर के लिए स्थगित हुई बैठक

बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर सहित कई मुद्दों पर विरोध

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा की बैठक गुरुवार को तीन बार के स्थगन के बाद अपराह्न चार बज कर 45 मिनट पर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। पूर्वाह्न 11 बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने आवश्यक दस्तावेज पटल पर रखवाए।

इसके बाद उपसभापति ने इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की साझेदारी के तहत बुधवार को जीएसएलवी रॉकेट से निसार उपग्रह को कक्षा में स्थापित किये जाने का जिक्र किया। उपसभापति ने इसरो से संबद्ध वैज्ञानिकों, अधिकारियों और अन्य सभी लोगों तथा नासा की समन्वय टीम को सदन और पूरे देश की ओर से बधाई दी। इसके बाद हरिवंश ने सदस्यों ने शून्यकाल तथा प्रश्नकाल चलने देने का अनुरोध करते हुए कहा कि सत्र की शुरूआत से गतिरोध के कारण करीब 30 घंटे का समय बर्बाद हो चुका है।

उन्होंने बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत 28 नोटिस मिले हैं जिनमें बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, ओडिशा में महिलाओं और बच्चों के कथित उत्पीड़न, बंगाली कामगारों के साथ दूसरे राज्यों में कथित दुर्व्यवहार, छत्तीसगढ़ में दो ननों की गिरफ्तारी, अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 25 फीसदी कर के दुष्प्रभाव तथा उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के मुद्दे पर नियत कामकाज स्थगित कर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग की गई है।

उपसभापति ने कहा कि ये नोटिस आसन द्वारा पूर्व में दी गई व्यवस्था के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए इन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। नोटिस स्वीकार नहीं किए जाने पर विपक्षी सदस्यों ने विरोध जताया और हंगामा करने लगे। हरिवंश ने हंगामे को देखते हुए 11 बजकर 15 मिनट पर बैठक को दोपहर बारह बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही पुनः शुरू होते ही विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा की अपनी मांग दोहराई और हंगामा करने लगे। इसी दौरान सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि बुधवार को सदन में जब गृह मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा का जवाब देना शुरू किया, तो कुछ विपक्षी दलों के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए।

संसद परिसर में प्रदर्शन करते कांग्रेस व अन्य नेता। ● एजेंसी

ट्रंप का बयान पूरी तरह सही, प्रधानमंत्री मोदी ने खत्म कर दी भारत अर्थव्यवस्था: राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को सही ठहराते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सिवाय सब जानते हैं कि भारत एक 'डेड इकोनॉमी' (बर्बाद अर्थव्यवस्था) है तथा प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता ट्रंप की शर्तों पर होगा और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कहेंगे। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा करने के कुछ घंटों बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और रूस अपनी बर्बाद अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं और उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अमेरिकी राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, वह सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के सिवाय हर कोई जानता है कि भारत की अर्थव्यवस्था बर्बाद अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने तथ्य सामने रखा है। उन्होंने कहा, क्या आपको मालूम नहीं है कि भारत की अर्थव्यवस्था एक बर्बाद अर्थव्यवस्था है।

बच्चे की मौत के मामले में समझौता माना तो ये ब्लड मनी उचित ठहराने जैसा होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक कार दुर्घटना में पांच वर्षीय बच्चे की मौत के मामले में दो पक्षों के बीच समझौते को स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा है कि इस तरह के समझौते को मंजूरी देना 'ब्लड मनी' को उचित ठहराने के समान होगा, क्योंकि कोई भी सभ्य समाज 'ब्लड मनी' को स्वीकार नहीं करेगा।

'ब्लड मनी' से आशय हत्या के अपराध को माफ करने के बदले पैसा लेना है। न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने अपने आदेश में कहा कि मृतक बच्चे के विधिक प्रतिनिधियों को पैसे के बदले में बच्चे की जान का सौदा करने का कोई नैतिक या कानूनी अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे विचार से, इस तरह के समझौते को मंजूरी देने के बाद प्राथमिकी को रद्द करना, 'ब्लड मनी' को उचित ठहराने के समान होगा, जिसे हमारी कानूनी व्यवस्था मान्यता नहीं देती। अभियोजन के अनुसार, याचिकाकर्ता विपिन गुप्ता ने अपनी कार तेज और लापरवाही से चलाते हुए एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे कार पलट गई और पांच साल का बच्चा उसके नीचे दब गया। बच्चे को आरएमएल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी ने कार को लापरवाही से चलाया था या नहीं, यह परीक्षण का विषय होगा।

● दिल्ली हाईकोर्ट ने प्राथमिकी रद्द करने से किया इन्कार

पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम ने राजग से नाता तोड़ा

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम के नेतृत्व वाली 'एआईएडीएमके कैडर राइट्स रिट्रीवल कमेटी' ने बृहस्पतिवार को भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़ लिया। पनीरसेल्वम ने दिन में दो बार द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से मुलाकात की। बाद में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि राजग में उनका अपमान नहीं हुआ। समिति के सलाहकार और वरिष्ठ नेता पी एस रामचंद्रन ने इस फैसले की घोषणा की।

राधे-राधे कहने पर नर्सरी छात्रा के मुंह पर टेप चिपकाया, प्राचार्य गिरफ्तार

दुर्ग, एजेंसी

- छत्तीसगढ़ के दुर्ग में इंग्लिश मीडियम स्कूल की घटना

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में कथित रूप से राधे-राधे कहने पर नर्सरी कक्षा में पढ़ने वाली साढ़े तीन वर्षीय छात्रा को पीटने और उसके मुंह पर टेप चिपकाने के लिए पुलिस ने स्कूल की प्राचार्य को गिरफ्तार किया।

अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि बच्ची के पिता प्रवीण यादव की शिकायत पर पुलिस ने नंदिनी नगर थानाक्षेत्र के बागडुमर इलाके स्थित 'मदर टेरेसा इंग्लिश मीडियम स्कूल' की प्राचार्य ईला ईवन कौलविन को गिरफ्तार कर लिया। यादव ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत में आरोप लगाया कि बुधवार को जब उनकी बच्ची स्कूल से वापस आई तब उसने बताया कि प्राचार्य ईला ईवन कौलविन ने राधे-राधे कहने पर उसकी पिटाई की और मुंह पर टेप लगा दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने शिकायत पर स्कूल की प्राचार्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया।

विधान परिषद में फोन पर रमी खेल रहे मंत्री से कृषि विभाग छिना

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद में मोबाइल फोन पर ऑनलाइन 'रमी गेम' खेलते देखे जाने के बाद विवाद में फंसे महाराष्ट्र के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता माणिकराव कोकाटे से बृहस्पतिवार को कृषि विभाग छीन लिया गया।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, खेल मंत्री और राकांपा नेता दत्तात्रेय भरणे नए कृषि मंत्री होंगे, जबकि कोकाटे नए खेल एवं युवा कल्याण मंत्री होंगे। अधिसूचना में कहा गया कि कोकाटे अल्पसंख्यक विकास और औकाफ विभागों का भी प्रभार संभालेंगे।

'योगी आदित्यनाथ' पर बनी फिल्म को प्रमाणपत्र न देने पर निर्माता कोर्ट पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

- बंबई हाईकोर्ट ने सीबीएफसी को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

फिल्म निर्माताओं ने उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित अपनी एक फिल्म को लेकर बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है और अनुमति प्रमाणपत्र नहीं देने के केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के फैसले को चुनौती दी है।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने कहा कि वह शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई करेगी, लेकिन साथ ही यह भी पूछा कि सीबीएफसी ने आवेदन क्यों खारिज कर दिए जबकि जिस उपन्यास से फिल्म प्रेरित है, वह आठ साल से सार्वजनिक रूप से मौजूद है। अगर पुस्तक पर कोई आपत्ति नहीं जताई गई, तो उससे प्रेरित फिल्म सार्वजनिक व्यवस्था को कैसे बिगाड़ सकती है। अदालत ने सीबीएफसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगते हुए यह सवाल पूछा। फिल्म निर्माता 'सम्राट सिनेमैटिक्स' का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता असीम नफड़े, सत्य आनंद और निखिल अराधे ने तर्क दिया कि सीबीएफसी ने फिल्म देखे बिना ही फिल्म, ट्रेलर और उसके गानों के लिए प्रमाणपत्र देने से जुड़े आवेदन को खारिज कर दिए।

राष्ट्रपति की नसीहत कहा- मरीज डॉक्टरों में भगवान का रूप देखते हैं, इसलिए उनके जीवन के अंधकार दूर करें

चिकित्सक इलाज में पेशेवर रहें मगर व्यवहार में संवेदनशील

देवघर, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को चिकित्सा जगत से आग्रह किया कि वे उपचार और निदान में तो पेशेवर रवैया अपनाएं, लेकिन व्यवहार में नहीं। व्यवहार के मामले में उन्होंने चिकित्सकों से उन लोगों के प्रति संवेदनशील होने का भी आग्रह किया जो डॉक्टर को ईश्वर मानते हैं।

मुर्मू ने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), देवघर के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। राष्ट्रपति ने कहा, निदान और शल्य चिकित्सा में पेशेवर रवैया अपनाएं, लेकिन व्यवहार में नहीं। लोगों के प्रति संवेदनशील रहें क्योंकि वे आपको भगवान मानते हैं। नैतिक मूल्यों, करुणा और दान का पालन करके डॉक्टर लोगों के जीवन से अंधकार को दूर कर सकते हैं।

● देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

उन्होंने कहा, आदिवासियों के स्वास्थ्य के लिए सक्षमता केंद्र के रूप में, एम्स देवघर को मौजूदा पांच गांवों के अलावा और अधिक गांवों को गोद लेना चाहिए और खुद को एक आदर्श के रूप में पेश करने का प्रयास करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि इन परिस्थितियों में डॉक्टरों को समाज की सेवा के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए। उन्होंने ड्रोन के माध्यम से दूर-दराज के आदिवासी क्षेत्रों में विष-रोधी दवाएं भेजने के लिए एम्स देवघर की सराहना की।

राष्ट्रपति ने कहा कि उनका इस संस्थान से विशेष जुड़ाव है, क्योंकि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में इसकी आधारशिला रखी थी, तब वह झारखंड की राज्यपाल थीं। इस समारोह में मुर्मू मुख्य अतिथि रहीं और राज्यपाल संतोष गंगवार, सांसद निशिकांत दुबे और मंत्री दीपिका पांडे सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर मुर्मू यहां पहुंचीं। संस्थान में एमबीबीएस के पहले बैच की पढ़ाई पूरी हो गई है, जिन्हें 2019 में प्रवेश दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 मई 2018 को 1,103 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से इस संस्थान की आधारशिला रखी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने 12 जुलाई 2022 को शहर के दौरे के दौरान एम्स-देवघर में अंतः रोगी विभाग और ऑपरेशन थियेटर को देश को समर्पित किया था। राष्ट्रपति मुर्मू अब शुक्रवार को आईआईटी (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस) धनबाद के 45वें दीक्षांत समारोह में भी शिरकत करेंगी।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

बस ने वृद्धा को रौंदा

अमृत विचार, लखनऊ : सिंगारनगर में गुरुवार को बेकाबू रोडवेज बस ने गुरुद्वारा से लौट रही सुदेश तलवार (80) को रौंद दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सुदेश के परिवार में दो बेटे और एक बेटी है।

विभिन्न पदकों के लिए लविवि में शुरु हुए आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में विभिन्न श्रेणी के पदकों के लिए आवेदन की प्रक्रिया आरंभ होनपे जा रही है। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी किए गए पत्र में कहा गया है कि गोल्ड मेडल, चांसलर मेडल, वीसी मेडल आदि के लिए योग्य छात्रों से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे।

बस से टकराया कंटेनर, बचे 12 यात्री

अमृत विचार, मलिहाबाद : थाना क्षेत्र के मुजासा गांव के पास गुरुवार को बेकाबू कंटेनर दुबग्गा डिपो की बस में पीछे से टकरा गया। हादसे के दौरान बस में 12 यात्री सवार थे। गनीमत रही किसी को चोट नहीं आई। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे रोडवेज बस हरदोई से लखनऊ की ओर जा रही थी। तभी हादसा हुआ। घटना में बस का पिछला शीशा चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद बस और कंटेनर चालक वहां से निकल गए।

भाजपा निगोहां मंडल की बैठक हुई

अमृत विचार, निगोहां : भाजपा निगोहा मंडल की परिचय बैठक गुरुवार को मंडल कार्यालय पर हुई। इसमें जिलाध्यक्ष विजय कुमार वर्मा एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष धीरेन्द्र पांडेय 'धीरू' उपस्थित रहे। मंडल अध्यक्ष ललित सिंह के नेतृत्व में मंडल कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी शामिल हुए। मंडल महामंत्री नवीन मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता रामलाल वर्मा, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष आदि मौजूद रहे।

चिड़ियाघर के झूला पार्क में लगने लगे नए झूले

अमृत विचार, लखनऊ : चिड़ियाघर के पार्क में नए झूले लगाने का काम शुरू हो गया है। तीन दर्जन से अधिक नए झूले लगाए जा रहे हैं। इन झूलों का लुत्फ बच्चे बिल्कुल नि: शुल्क उठा सकेंगे। अमृत विचार ने पार्क में झूले टूटे होने की समस्या प्रमुखता से उठाई थी। झूला पार्क में नट बोल्ट के सहारे टिके और टूटे झूलों को बदलकर नया रूप दिया जा रहा है। बच्चों को उछलकूद करने वाले रिंग, लकड़ी के घोड़े और विभिन्न जानवरों से खेलने वाले नए रिंग लगाए जा रहे हैं। निदेशक अदिति शर्मा ने बताया कि झूले काफी जर्जर हालत में थे, । इसको लेकर कई बार अभिभावकों ने शिकायत भी की थी। इस पहल से बच्चों को खुशी मिलेगी और अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं रहेगी।

लखनऊ-चेन्नई का मुकाबला हुआ ड्रॉ

अमृत विचार, लखनऊ : पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, गोमती नगर में चल रही 54वीं राष्ट्रीय खेलकूद हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन गुरुवार को दर्शकों को कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। अंडर-17 वर्ग में मेजबान लखनऊ और चेन्नई के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 की बराबरी पर जहां रहा, वहीं अंडर-14 वर्ग में जयपुर ने दिल्ली को एकतरफा हुए मुकाबले में 7-0 से करारी शिकस्त दी। मो. शाहिद स्टेडियम में अंडर-14 और स्पोर्ट्स कॉलेज में अंडर-17 के मुकाबले खेले गये। अंडर-17 मुकाबले में लखनऊ और चेन्नई की टीमें शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में दिखी। पहले हाफ में चेन्नई ने तेज अटैक के साथ बढ़त बनाने की कोशिश की। चेन्नई की टीम ने भी शानदार खेल दिखाया। अंत में यह मुकाबला 1-1 की बराबरी पर छूटा।

करंट से युवक की मौत के बाद रहमानखेड़ा में हरदोई रोड जाम कर प्रदर्शन करती भीड़ को समझाने की कोशिश करते अधिकारी। अमृत विचार

मुआवजे के लिए जाम कर दिया हरदोई रोड

करंट से मजदूर की मौत पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, एसडीएम ने कार्रवाई का आश्वासन दे कराया शांत

संवाददाता, माल/काकोरी

अमृत विचार: काकराबाद में पोल लगाने के दौरान करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत हो गई। ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने रहमानखेड़ा में हरदोई रोड जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। जानकारी मिलने पर काकोरी पुलिस समेत दुबग्गा, मलिहाबाद, माल थाने की पुलिस पहुंची। मौके पर एसीपी काकोरी शकील अहमद ने आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराने की कोशिश की लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद उपजिलाधिकारी पहुंचे।उनसे ग्रामीणों ने मृतक के आश्रितों को 30 लाख रुपये मुआवजा और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। एसडीएम ने कार्रवाई का आश्वासन देकर ग्रामीणों को शांत कराया।

मृतक सुरेन्द्र।

- बिना सप्लाई बंद कराए ठेकेदार करवा रहा था काम, माल थाने में रिपोर्ट दर्ज

काकोरी निवासी शीलू यादव ने बताया कि भाई सुरेन्द्र यादव उर्फ पुष्पेंद्र (25) टिकरिया भटआऊ जमालपुर निवासी ठेकेदार मोनू मौर्य उर्फ राजनारायन मौर्य के पास मजदूरी करता था। बुधवार शाम 5 बजे काकराबाद गांव खंभे लगाने गया था। ठेकेदार ने बिना बिजली आपूर्ति बंद करवाए खंभे लगवाने शुरू करा दिया।

इस दौरान करंट की चपेट में आने से सुरेन्द्र की मौत हो गई। आरोप है कि घटना के बाद ठेकेदार मोनू मौर्य, हाइड्रा चालक शमीम के साथ भाग गया। करीब 8 बजे सूचना मिलते पर परिजन पहुंचे और सुरेंद्र को ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। सुरेंद्र की शादी करीब एक साल पहले हुई थी। पत्नी निशा सात माह की गर्भवती है। परिवार में बूढ़ी मां भी है।

एसडीएम को ज्ञापन देते मृतक के परिवार के लोग। अमृत विचार

सर्पदंश से महिला की मौत

अमृत विचार, नगराम : थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में बुधवार को सर्पदंश से महिला की मौत हो गयी। समेसी मजरा रसूलपुर गांव निवासी गोविंद मौर्य ने बताया कि पत्नी संजू मौर्य बुधवार रात 11 बजे खाना खाने के बाद कमरे में सोने गई थी। कमरे में पहुंचते ही बेड के नीचे बैठे सांप ने डंस लिया। चींख सुनकर परिजन दौड़े। आनन-फानन में संजू को नगराम सीएचसी लेकर गये, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। गुरुवार सुबह परिजन ने सपेरा बुलवाकर घर के कमरे में मौजूद सांप को पकड़वाया। मृतका के एक साल का बेटा है।

उलझ गई राजकुमार की मौत की गुत्थी

परिजन बोले, आत्महत्या नहीं हत्या की गई

संवाददाता, गोसाईंगंज

अमृत विचार: सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में चकबंदी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष व बाबू राजकुमार सिंह (52) की गोली लगने से मौत की गुत्थी हत्या और आत्महत्या के बीच उलझ गई है। घरवाले जहां हत्या किए जाने की बात कह रहे हैं। परिजन से सुसाइड नोट पर सवाल खड़े किए हैं। साथ ही जल्द ही मामले में हत्या की तहरीर देने की बात कही है। वहीं, पुलिस सुसाइड नोट को आधार बताकर राजकुमार सिंह की मौत को आत्महत्या मान कर जांच कर रही है।

जांच में पता चला कि राजकुमार सिंह को जिस असलहे से गोली लगी थी, वह चार दिन पहले किसी से लेकर आए थे। पुलिस असलहा से संबंधित व्यक्ति की तलाश में कॉल डिटेल खंगाल रही है। राजकुमार बड़े ज्योतिष भी थे इसलिए पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों और राजनेताओं में खासी पैठ थी। राजकुमार पूर्वांचल के पूर्व सांसद धनंजय सिंह के बेहद करीबी थी। गुरुवार को बैकुंठ धाम में हुए अंतिम संस्कार में भी धनंजय सिंह शामिल हुए। आशियाना में रहने वाले राजकुमार सिंह के परिवार में बेटा शशांक सिंह, भाई पंकज, बेटी अंजली और पत्नी किरन हैं।

पुलिस की जांच राजकुमार के करीबी रायबरेली के व्यवसायी पर टिकी है। परिचित ने बताया कि व्यवसायी ने उनके नाम से कई लोगों से मोटी रकम ले रखी थी। कुछ समय से उससे मनमुटाव चल रहा था। 25 जुलाई को वह राजकुमार से मिला था। राजकुमार की मौत के बाद भी उसने परिजन से न ही संपर्क किया न ही अंतिम संस्कार में शामिल होने आया। पूछताछ में चालक केशवराम ने पुलिस को बताया कि उसे गोली चलने की आवाज नहीं सुनाई दी, जबकि चालक चंद कदम दूर प्लाट की बाउंड्रीवाल के पास खड़ा था।

मौसेरे भाई पंकज सिंह ने बताया कि राजकुमार सिंह आत्महत्या नहीं कर सकते थे। आत्महत्या के पीछे कोई वजह भी नहीं थी।

मार्च में खरीदा था प्लॉट चल रहा था विवाद

परिचित ने बताया कि दयालबाग के पास जिस 7000 स्क्वायर फीट के प्लॉट में राजकुमार का शव मिला, वह मार्च में खरीदा था। उसमें एक कमरा भी बनवाया था। गुरुवार दोपहर भी वहां चालक केशव राम यादव के साथ पहुंचे थे। राजकुमार के भाई ने बताया कि कुछ समय पहले उन्होंने अर्जुनगंज में एक प्लाट खरीदा था। उसे लेकर कुछ विवाद चल रहा है।

खुली मिली थी जिप

बुधवार को घटना की सूचना पर पुलिस जब मौके पर पहुंची तो राजकुमार की जींस की जिप खुली थी। शव खून से लथपथ हालत में कमरे में पड़ा था। फर्श पर खून फैला था। इसके अलावा दाहिने हाथ के नीचे रिवाल्वर पड़ी थी। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया। गोली दायीं कनपटी से अंदर जाकर पार हो गई।

साइबर ठगों ने तीन महिलाओं के खाते से उड़ाए 4.04 लाख रुपये

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: साइबर जालसाजों ने तीन महिलाओं के खातों से 4.04 लाख रुपये उड़ा लिए। कहीं जालसाज ने पार्ट टाइम जॉब का झांसा दिया तो कहीं मोबाइल हैक कर ठगी की। साइबर ठगी के यह मामले सुशांत गोल्फ सिटी, गोमतीनगर और पारा के हैं। पुलिस तीनों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है।

अंसल स्थित सेलेब्रिटी ग्रीन अपार्टमेंट निवासी कनिका राय ने बताया कि 25 जुलाई को इंस्टाग्राम पर वर्क फ्रॉम होम का मैसेज आया। संपर्क करने पर मिशो के वीडियो पर रिव्यू लिखने का टॉस्क दिया गया।

- सुशांत गोल्फ सिटी, गोमतीनगर और पारा थाने में रिपोर्ट दर्ज

कनिका ने काम किया तो पहले दिन नौ सौ रुपये मिले। उसके बाद पैड टॉस्क का झांसा देकर कई बार में 3.40 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। मांग बढ़ती देख पीड़िता ने छानबीन की तो ठगी का पता चला। कनिका ने साइबर सेल में शिकायत करने के बाद सुशांत गोल्फ सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। वहीं, विशाल खंड-2 निवासी रोली सिंह ने बताया कि 28 जुलाई की सुबह महिला मित्र के मोबाइल से मैसेज आया। मैसेज में परेशानी देख पीड़िता ने 55 हजार रुपये भेज दिए।

उसके बाद जब सहेली को कॉल की तो पता चला कि मोबाइल हैक कर ठगी की गयी है। रोली ने गोमतीनगर थाने में आईटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज करायी है।उधर, पारा के बुद्धेश्वर स्थित सलेमपुर पतौरा निवासी आशीष कुमार ने बताया कि पत्नी निधि के पास एक कॉल आयी। फोनकर्ता ने बातों में फंसाकर जानकारी हासिल की। फिर खाते से चार बार में 9200 रुपये पार कर दिए। आशीष ने पारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

संस्कृत संवाद का अभियान चलाएगा संस्कृत विवि

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। 4 अगस्त से 12 अगस्त तक संस्कृत सप्ताह मनाया जायेगा। परिसर निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने बताया कि संस्कृत भाषा के संरक्षण व संवर्धन के लिए इस अभियान को आरंभ किया जा रहा है। जिसके तहत विभिन्न प्रकार की संस्कृत भाषा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। लखनऊ परिसर के सहनिदेशक प्रो. गुरुचरण सिंह नेगी ने बताया कि संस्कृत सप्ताह परिसर के बाहर मनाया जायेगा। समापन समारोह परिसर में होगा। यह सप्ताह संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार एवं संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये एक महत्वपूर्ण अवसर है।

10 प्लाटिंग पर एलडीए ने चलाया बुलडोजर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। प्रवर्तन टीम ने जोन-2 और 3 में बिना लेआउट के 10 अवैध प्लाटिंग बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दी।

जोन-2 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि प्रदीप चौधरी, आदिल खान व अन्य द्वारा मोहनलालगंज के खुजौली में नगराम रोड पर 40 बीघा में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग करके कालोनी विकसित की जा रही थी। इसी तरह खुजौली में अरविंद कुमार द्वारा दो बीघा में, मुकेश यादव, आदर्श द्वारा दो बीघा, अतीक अली व मोहम्मद अहमद द्वारा चार बीघा, जितेन्द्र सिंह, दीपक यादव, अभिषेक यादव द्वारा चार बीघा में बिना लेआउट स्वीकृति के प्लाटिंग करने पर टीम ने ध्वस्त कर दी।

प्रवर्तन जोन-3 के जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि हनीफ अहमद, प्रधान व इब्राहिम खान द्वारा काकोरी के ग्राम सकरा में पांच बीघा में अवैध तरीके से प्लाटिंग करते पाया। इसी तरह सकरा गांव में सुनील कुमार द्वारा तीन बीघा, जन सहारा ड्रीम सिटी के प्रबंधक द्वारा दो बीघा व पंचवटी ग्रुप के प्रबंधक द्वारा लगभग पांच बीघा में अवैध प्लाटिंग करने पर ध्वस्त की गई। इसके अलावा ग्राम मौंदा में बेसिक स्कूल के पास तीन बीघा में वेद प्रकाश, फहीम व अन्य द्वारा की गई प्लाटिंग ध्वस्त की।

पारा में तीन कार बाजार व एक कॉम्पलेक्स सील

प्रवर्तन जोन-3 अंतर्गत पारा के पुर्वीदीन खेड़ा में बालाजी कार बाजार एंड सर्विस सेंटर, टू फोर व्हील्स व रुद्रा कार सेल एंड सर्विस सेंटर अवैध रूप से संचालित करने पर सील किए गए। इसके अलावा पारा में पुरानी पुलिस चौकी के पास सर्वेश कुमार, जगरू प्रसाद व अन्य द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के व्यावसायिक कॉम्पलेक्स बनाने पर सील किया गया।

स्कूल देखने विशुनपुर पहुंचे सीडीओ

ग्रामीणों ने विलय के विरोध में दिया था ज्ञापन

संवाददाता, माल

अमृत विचार: प्राथमिक विद्यालय विशुनपुर का विलय जानकीनगर गांव के विद्यालय में कर दिया गया है। स्कूल पहुंचने का रास्ता जंगल होकर जाता है, इससे चिंतित अभिभावकों ने खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देकर विलय का विरोध किया था।

ग्रामीणों की समस्या को अमृत विचार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर को संज्ञान में लेकर गुरुवार को मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन स्कूल का निरीक्षण करने गांव पहुंचे और ग्रामीणों से जानकारी ली। सीडीओ ने केडौरा व पतौना गांव में आंगनबाड़ी, अटारी गांव में जल जीवन मिशन, एक रुपये स्वच्छता, रुदान खेड़ा में सोसाइटी,जामोलिया में वृहद गोशाला का भी निरीक्षण किया। बीडीओ सर्जना श्रीवास्तव, एडीओ पंचायत सुनील सिंह,सहित ग्राम प्रधान व सचिव मौजूद रहे।

विशुनपुर प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण करते सीडीओ।

जिम ट्रेनर पर तलवार से हमला, स्कूटी फूंकी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नाका इलाके में लॉज मालिक ने साथियों के साथ मिलकर जिम ट्रेनर पर तलवार से हमला कर दिया। सीने पर तलवार रखकर जान से मारने की धमकी दी। यही नहीं आरोपियों ने घर के गेट पर खड़ी स्कूटी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। सीसीटीवी कैमरे में आरोपियों की करतूत कैद हो गयी। पीड़ित ने नाका कोतवाली में संस्कार लॉज के मालिक समेत तीन नामजद समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जय नारायण मिश्रा बिल्डिंग निवासी सुरेंद्र रस्तोगी के घर के पास में संस्कार लॉज है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले जिम ट्रेनर भाई आलोक रस्तोगी अपने सेंटर जा रहा था। संस्कार लॉज के पास पहुंचा ही था तभी लॉज के मालिक संस्कार सोनकर ने रोककर गाली-गलौज की। विरोध करने पर संस्कार का साथी अनिकेत जायसवाल लॉज से तलवार लेकर निकला और उसपर हमला कर दिया। वह जान बचाने के लिए भागा तो संस्कार ने दौड़ाकर आलोक को पकड़ लिया। संस्कार ने तलवार लेकर आलोक के सीने पर रख दी और जान से मारने की धमकी देने लगा। दिव्यांग मां ने बीच-बचाव की कोशिश की तो धमकाते हुए आरोपी भाग निकले।

आरोप है कि 30 जुलाई को तड़के संस्कार सोनकर ने आलोक कुमार, सर्वेश व अज्ञात व्यक्ति के साथ मिलकर घर के गेट के पास खड़ी स्कूटी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। धुएं से नींद खुली तो आरोपी धमकाते हुए भाग निकले। किसी तरह पीड़ित ने आग बुझाई। सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो चार लोग कैद मिले। नाका पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

- सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए चार लोग
- लॉज मालिक समेत तीन नामजद व एक अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज

सफाई कर्मियों को किया सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ: शहीद भूप सिंह की पुण्यस्मृति में 31 जुलाई को आदि अम्बेडकर विद्यार्थी फाउंडेशन के तत्वावधान में घंटा घर में सफाई कर्मचारियों का बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा देकर व फूलों की माला पहनाकर सम्मान किया गया। स्वच्छ सर्वेक्षण में लखनऊ को देश में तीसरा स्थान मिलने पर टीम ने सफाईकर्मियों को बधाई दी। फाउंडेशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष अमित नायब ने प्रत्येक वर्ष सफाई कर्मचारियों का मेडिकल चेकअप कराने, हेल्थ इंश्योरेंस कराने और उनके बच्चों की शिक्षा दिलाने की मांग की।

पुण्य स्मरण | सरोजनीनगर इलाके के स्काई पब्लिक स्कूल में किया गया कार्यक्रम

पुण्यतिथि पर शिवपाल ने हीरालाल को किया नमन

संवाददाता सरोजनीनगर

अमृत विचार: विधान परिषद सदस्य रहे सपा के संस्थापक सदस्य हीरालाल यादव की पुण्यतिथि गुरुवार को स्काई पब्लिक स्कूल में मनाई गई। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने उनकी प्रतिमा पर मल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिवपाल ने हीरालाल को याद करते हुए समाज में उनके द्वारा किए गए कामों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हीरालाल किसानों, श्रमिकों और छात्रों के हितों के लिए हमेशा प्रयासरत रहते थे। वह हमेशा कहा करते थे कि जब तक किसान खुशहाल नहीं होगा, तब तक देश तरक्की नहीं कर पाएगा और जब तक छात्रों को अच्छी शिक्षा नहीं मिलेगी, तब तक देश की नींव मजबूत नहीं होगी। हीरालाल यादव सेवा संस्थान के अध्यक्ष व पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव, सचिव सहदेव सिंह, हीरालाल यादव ग्रुप आफ कॉलेज के अध्यक्ष राम सिंह यादव, सपा जिलाध्यक्ष जय सिंह जयन्त, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष मनोज पाल, मजदूर सभा जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र कुमार ज्ञानू, सयुस जिलाध्यक्ष शिवकुमार टाइगर, पूर्व विधायक उदय राज यादव, काकोरी पूर्व ब्लाक प्रमुख रामगोपाल यादव, सरोजनी नगर पूर्व ब्लाक प्रमुख रामगोपाल सिंह, जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र कुमार गुड्डू व कैप्टन यादव मौजूद रहे।

हीरालाल की प्रतिमा पर माल्यापर्ण करते शिवपाल सिंह यादव।

दबंगों ने युवक को पीटा किए बंदूक से दो फायर

अमृत विचार, लखनऊ: गुडंबा इलाके में खेत में धान की फसल चर रही गायों को बांधने के लिए बोलने पर गाय मालिक ने परिवार संग मिलकर युवक को डंडों से पीटा। किसी तरह जान बचाकर पीड़ित भागा तो एक आरोपी ने बंदूक से दो राउंड फायरिंग भी की। पुलिस ने पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर प्रभातेष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।सेमरा गांव स्थित पैकरामऊ निवासी आलोक कुमार यादव ने बताया कि 30 जुलाई की देर शाम वे अपने खेत पर गए थे। खेत में लगे धान की फसल को कई गाय चर रही थी। गायों को हांकने और फिर उनका पीछा करते हुए राम प्रकाश के घर पहुंचा।

शास्त्र ही करते हैं अज्ञानता का नाश

शिवमहापुराण कथा में बताया शास्त्रों के ज्ञान का महत्व

संवाददाता, निगोहां

अमृत विचार: दखिना गांव में चल रही शिवपुराण कथा के चौथे दिन कथा व्यास जय शंकर शुक्ला ने मनुष्य के जीवन में धर्म शास्त्रों के ज्ञान के महत्व का वर्णन किया।

उन्होंने कहा कि जैसे सूर्य और चंद्रमा के बिना संसार अंधकारमय हो जाता है, वैसे ही बिना शास्त्र व पुराणों के ज्ञान के मनुष्य का जीवन अज्ञानता से भर जाता है। पुराणों के अध्ययन से जीवन के उद्देश्य, धर्म और कर्तव्यों की स्पष्टता मिलती है। शास्त्र ही अज्ञान का नाश करते हैं और मनुष्य को पतन से बचाकर जीवन के मार्ग पर अग्रसर करते हैं। शिवपुराण के प्रसिद्ध प्रसंगों की व्याख्या करते हुए भगवान शिव एवं माता पार्वती के विवाह की दिव्य कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि कैसे यह विवाह ब्रह्मांडीय संतुलन का प्रतीक बना और शिवजी के जीवन में गृहस्थ धर्म का शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही तारकासुर वध का उल्लेख करते हुए बताया गया कि कैसे शिव-पार्वती के पुत्र कार्तिकेय ने अधर्म के प्रतीक तारकासुर का अंत कर धर्म की पुनः स्थापना की। कथा के दौरान आसपास के गांवों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ कथा का श्रवण किया। भजन-कीर्तन, मंत्रोच्चार और संतवाणी के बीच भक्तगण पूरी तरह भक्ति भाव में डूबे रहे।

दखिना गांव में कथा सुनते श्रद्धालु।

अमृत विचार

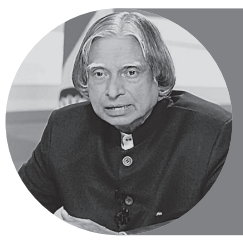

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

सुविचार

"गलतियां आपके अनुभव को बढ़ाती हैं और अनुभव आपकी गलतियों को कम करता है। अगर आप अपनी गलतियों से सीखते हैं तो दूसरे लोग आपकी सफलता से सीखते हैं।
– ए पी जे अब्दुल कलाम

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- समाज कल्याण मंत्री का निजी सचिव छेड़छाड़ में गिरफ्तार -II
- गोस्वामी की जयंती पर बांटे गए तुलसी के पौधे -III
- सुपर लीग के लिए आठ टीमों ने किया क्वालीफाई -IV

शहर में आज

- राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के महर्षि चरक सभागार में अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक– 9:00 बजे।
- प्रेस क्लब में ऑल आशा एवं आशा संगिनी कार्यकत्री सेवा समिति की बैठक– 12:00 बजे।
- अमेरिका द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के खिलाफ भाकपा माले का परिवर्तन चौक से जिलाधिकारी कार्यालय तक मार्च– 1:00 बजे।

सिटी ब्रीफ

चिड़ियाघर खुलने, बंद होने का समय बदला

अमृत विचार, लखनऊ : नवाब वाजिद अली प्राणि उद्यान में दर्शकों के प्रवेश और बंद होने के समय को एक अगस्त से बदल दिया गया है। प्राणि उद्यान अब सुबह 8 बजे के बजाय सुबह 8:30 आठ बजे खुलेगा। शाम छह बजे बंद होने वाला चिड़ियाघर अब शाम साढ़े पांच बजे बंद हो जाएगा। यह जानकारी गुरुवार को जू प्रशासन की ओर से दी गई।

तीन अधिकारियों को कार्य आवंटित

अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम में आए तीन पीसीएस अधिकारियों को नगर आयुक्त गौरव कुमार ने गुरुवार को कार्य आवंटित कर दिए हैं। सहायक नगर आयुक्त विनीत कुमार सिंह को प्रभारी अधिकारी प्रवर्तन, ईटीएफ, प्रचार, पार्किंग, यातायात और फेरी नीति का प्रभार दिया है। सहायक नगर आयुक्त रामेश्वर प्रसाद को प्रभारी अधिकारी संपत्ति, विकास सिंह को प्रभारी अधिकारी अधिष्ठान, उद्यान, आईजीआरएस, 311ऐप, डीसीसीसी, कंट्रोल रूम, समिति विभाग की जिम्मेदारी दी है।

दो एडीसीपी के कार्यक्षेत्र में बदलाव

अमृत विचार, लखनऊ : पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने गुरुवार को दो एडीसीपी और तीन इंस्पेक्टरों का तबादला किया। जारी आदेश के अनुसार एडीसीपी अपराध रल्लापल्ली बसंथ कुमार को एडीसीपी दक्षिणी और एडीसीपी दक्षिणी अमित कुमावत को एडीसीपी अपराध की जिम्मेदारी सौंपी है। कैसरबाग में तैनात अतिरिक्त निरीक्षक शिवशंकर महादेवन को बिजनौर का इंस्पेक्टर बनाया है। बिजनौर के इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राणा को पश्चिमी जोन में भेजा गया है।

एक करोड़ की जमीन कराई अतिक्रमण मुक्त

अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम ने गुरुवार को सदर तहसील के तेराखास ग्राम में अभियान चलाकर एक करोड़ की सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई। अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह के नेतृत्व में प्रभारी अधिकारी संपत्ति संजय यादव के आदेश पर तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव में यह कार्रवाई की गई। ग्राम तेराखास की खसरा संख्या–168 (क्षेत्रफल 0.087 हेक्टेयर) एवं खसरा संख्या–169 (क्षेत्रफल 0.063 हेक्टेयर) की बंजर भूमि पर कुछ लोगों ने प्लॉटिंग व बाउंड्री करके कब्जा कर लिया था। नगर निगम टीम ने पुलिस के सहयोग से जेसीबी से निर्माण ध्वस्त कर दिए।

नगर निगम के हर जोन में बनेंगी आठ-आठ पार्किंग

पार्किंग प्रबंधन समिति की बैठक में लगी मोहर, स्थल भी चिह्नित

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

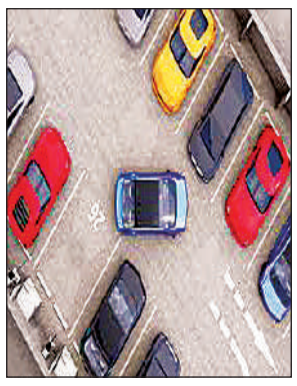

- आपत्तियों की सुनवाई के बाद निकाला जाएगा टेंडर
- 20 परंपरागत पार्किंग पहले की तरह होती रहेंगी संचालित

अमृत विचार : नगर निगम लगभग दो वर्ष से निरस्त चल रहीं पार्किंग दोबारा शुरू करने जा रहा है। इससे आम जनता को जाम की समस्या से राहत मिलेगी। जोनवार आठ-आठ पार्किंग स्थल चिन्हित कर पार्किंग किए जाने वाले वाहनों की संख्या भी तय कर दी गई है। अभी पार्किंग शुल्क निर्धारित नहीं किया गया है। नगर निगम की ट्रांसपोर्ट नगर की पार्किंग समेत 20 परंपरागत पार्किंग पहले की तरह संचालित रहेंगी।

ये निर्णय बुधवार को नगर निगम मुख्यालय में अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह की उपस्थिति में हुई पार्किंग प्रबंधन समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में पुलिस विभाग और यातायात विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। जोन-6 में अभी पार्किंग के लिए स्थल चिन्हित नहीं हो पाया है।सभी जोन में पार्किंग के लिए चिन्हित स्थलों पर तीन दिन के भीतर पार्किंग प्रभारी ओपी सिंह के कार्यालय में आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। आपत्तियों पर सुनवाई के बाद कमेटी की संस्तुति पर नगर निगम पार्किंग के लिए टेंडर निकालेगा।

जोनवार चिन्हित पार्किंग स्थल और वाहन क्षमता

जोन एक
- मदन मोहन मालवीय मार्ग – 160
- मीराबाई रोड, एजिस कॉल सेंटर–144
- त्रिलोकनाथ मार्ग नियर तेज कुमार प्लाजा–76
- अमीनाबाद मंदिर रोड–52
- कृषि भवन मुख्यालय के पास–44
- चिड़ियाघर–40
- इंद्रकरण प्लाजा, लालबाग–36
- नेशनल पीजी कॉलेज–34

जोन दो
- शाहमीना रोड ट्रामा सेंटर के पास 119
- टंडन मार्ग चरक हॉस्पिटल के पास 62
- मैरी गोल्ड टावर 56
- क्यून मेमोरियल हॉस्पिटल 54
- राजेंद्र नगर सीएमएस के पास 52
- ई ब्लॉक मार्केट 51
- सी ब्लॉक मार्केट 32
- डी ब्लॉक पंजाब नेशनल बैंक 18

जोन तीन
- प्रगति बाजार, कपूरथला 112
- विवेकानंद हॉस्पिटल 68
- रामकृष्ण मठ के पास, निराला नगर 48
- मिडलैंड हॉस्पिटल के पास 40
- महानगर फातिमा हॉस्पिटल रोड 34
- विशाल मेगा मार्ट, अलीगंज 36
- सिटी कार्ट, टेढ़ी पुलिया 24
- कोटक महिंद्रा बैंक 12

जोन चार
- सिनेपोलिस मॉल 240
- चंदन हास्पिटल के पास 136
- फन मॉल गोमती नगर 85
- एसआरएस मॉल 72
- मेयो हास्पिटल के पास 54
- प्लासियो मॉल के बाहर 66
- साइबर हाइट के बाहर 40
- बैंक ऑफ इंडिया, विभूतिखंड 45

जोन पांच
- बरिगवां, एलडीए कॉलोनी 30
- चंदर नगर, एसबीआई के पास 28
- बैंक ऑफ बड़ौदा के पास कानपुर रोड 26
- आलमबाग में विशाल मेगा मार्ट के पास 16
- आलमबाग, होम स्टाइल शो रूम के पास 16

जोन सात
- लेखराज डॉलर बिल्डिंग 98
- शेरवुड स्कूल के पास 96
- शेखर हॉस्पिटल के पास 41
- बंधन गेस्ट हाउस के सामने 40
- अयोध्या रोड, हिरल कॉम्प्लेक्स के पास 38
- सीएनएस हॉस्पिटल 25
- अयोध्या रोड, मॉडर्न फर्नीचर के पास 18
- रेस कोचिंग से लेकर एसीएल तक 20

जोन आठ
- आरटीओ ऑफिस की इंटरनल रोड बी 304
- आरटीओ ऑफिस की इंटरनल रोड ए 172
- ट्रांसपोर्ट नगर गेट छह मौरंग पार्किंग 164
- ट्रांसपोर्ट नगर गेट आठ मौरंग पार्किंग 148
- लोक बंधु अस्पताल के पास 100
- विशाल मेगा मार्ट, आशियाना 32
- एक्सिस बैंक, स्पेंसर आशियाना 28
- कानपुर रोड, बरिगवां के पास एसबीआई 32

तैयारियों की पटरी पर आगे बढ़ी ब्लू लाइन मेट्रो

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पांच सदस्यीय टीम ने शुरू किया पार्किंग और कॉमर्शियल स्थलों के लिए सर्वे
- रूट घनी आबादी से गुजरने के कारण अंडर ग्राउंड स्टेशनों की संख्या अधिक

अमृत विचार: लखनऊ मेट्रो फेज-2 यानी ब्लू लाइन मेट्रो तैयारियां की पटरी पर आगे बढ़ने लगी है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की विशेष पांच सदस्यीय टीम ने मेट्रो के प्रस्तावित मार्ग का सर्वे शुरू कर दिया है। इसमें ये देखा जाएगा कि किन स्थानों पर पार्किंग और कॉमर्शियल स्थल विकसित किए जा सकते हैं। चिह्नित स्थल पर रहने वाले लोगों को अस्थायी रूप से शिफ्ट किया जाएगा, जिसका खर्च मेट्रो प्रशासन उठाएगा। टीम अमीनाबाद से चौक तक प्रस्तावित अंडरग्राउंड स्टेशनों के लिए सर्वे कर रही है।

मेट्रो के अधिकारियों को कहना है कि केंद्र सरकार से वित्तीय मंजूरी मिलने के बाद लखनऊ मेट्रो फेज-2 (ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर) का कार्य तेजी से शुरू कर दिया जाएगा। पहले आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है, ताकि बजट स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू करने में कोई देरी न हो। लखनऊ मेट्रो के फेज-2 को ब्लू लाइन नाम दिया गया है।

ब्लू लाइन मेट्रो चारबाग से वसंत कुंज तक 11 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक चलाई जाएगी। उसमें एलिवेटेड और अंडरग्राउंड दोनों तरह का रूट होगा। एलिवेटेड रूट की लंबाई 4.2 और अंडरग्राउंड रूट की 6.8 किमी होगी। चूंकि ये मेट्रो लाइन घनी आबादी वाले इलाकों से होकर गुजरेगी इसलिए अंडरग्राउंड रूट की लंबाई ज्यादा रहेगी।

निर्माण पर खर्च होंगे 5801 करोड़

यूपी मेट्रो के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने बताया कि पब्लिक इंवेस्टमेंट बोर्ड (पीआईबी) से मंजूरी मिलने के बाद बजट स्वीकृति के लिए केंद्रीय कैबिनेट को भेजा गया है। 11.165 किमी लंबे कॉरिडोर के निर्माण पर लगभग 5801 करोड़ रुपए खर्च होंगे। 23 जून 2026 तक प्रोजेक्ट को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। लखनऊ की शहरी आबादी के लिए यह प्रोजेक्ट बेहद अहम है।

चारबाग में बनेगा इंटरचेंज स्टेशन

लखनऊ मेट्रो की ब्लू लाइन चारबाग में फेज– 1 से जुड़ेगी। चारबाग में ही इंटरचेंज स्टेशन बनेगा। इस रूट पर 12 स्टेशन होंगे। इसमें चारबाग, गौतमबुद्ध मार्ग, अमीनाबाद, पांडेयगंज, सिटी रेलवे स्टेशन, मेडिकल कॉलेज चौराहा और चौक स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे। ठाकुरगंज, बालागंज, सरफराजगंज, मूसाबाग और वसंतकुंज स्टेशन एलिवेटेड होंगे।

उल्टे पांव से सीधा संदेश

जनसंख्या नियंत्रण के लिए जागरुकता अभियान पर निकले तलवार दंपति उल्टे पांव चलकर लोगों को संदेश दे रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने हजरतगंज पार्क के पास लोगों को जागरूक किया। दंपति के हाथों में जनसंख्या वृद्धि पर चिंता जताने वाला संदेश लिखे स्लोगन ने लोगों का ध्यान खींचा। अमृत विचार

भूमि समायोजन की जांच करेगी कमेटी

अमृत विचार, लखनऊः ग्राम मलेसेमऊ में गोमतीनदी किनारे भूमि समायोजन का मामला फिर से उठा है। लखनऊ विकास प्राधिकरण राज गंगा डेवलपर्स द्वारा समायोजन में दी गई भूमि की दोबारा जांच करेगा। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी बनाकर रिपोर्ट मांगी है।

वर्ष 2006 में संबंधित बिल्डर ने एलडीए को योजना के तहत ग्राम मलेसेमऊ में अर्जित भूमि दी थी। जमीन के बदले एलडीए ने बिल्डर को गोमती नगर विस्तार में व्यवसायिक भूखंड दिए थे। बिल्डर द्वारा समायोजन में दी गई जमीन गोमती नदी की बताई गई थी। इस मामले की ईडी व एलडीए ने पूर्व में जांच की थी और बंधा की जमीन निकलने पर समायोजन निरस्त कर दिया था। ऐसे में बिल्डर को दिए गए भूखंडों के वर्तमान रेट मांगे गए। इसमें सहमति नहीं बनी।

बारिश ने उड़ाए फ्यूज, घंटों गुल रही बिजली

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: शहर में हुई बारिश से गुरुवार को बिजली आपूर्ति लड़खड़ा गई। अंडरग्राउंड केबल फॉल्ट, ट्रांसफार्मर में खराबी और तार टूटने से कई क्षेत्रों में 4 घंटे से अधिक सप्लाई बाधित रही। इस दौरान लोगों ने उपकेंद्र अधिकारियों समेत 1912 पर सैकड़ों फोन किए बावजूद किसी भी जिम्मेदार को फोन रिसीव नहीं हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार सप्लाई के बाधित होने से सबसे अधिक पानी की समस्या से लोगों को जूझना पड़ता है। शिकायत करने पर भी घंटों सप्लाई के सामान्य न होने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

दुबग्गा उपकेंद्र की 33 केवी लाइन में ब्रेकडाउन से 4 घंटे से अधिक आपूर्ति बाधित रही। बारिश होने के कारण पेट्रोलिंग के काम धीमा रहा। ऐशबाग के खजुहा, शास्त्रीनगर, धोबीघाट, रामलीला मैदान सहित आसपास के इलाकों में बिजली की आंखमिचौली दिनभर चलती रही। इसके साथ ही अलीगंज के बड़ा चांदगंज, भिंडियाटोला, सेक्टर-के, पी, चांदगंज गार्डेन सहित चंद्रलोक कॉलोनी में दो घंटे तक सप्लाई बंद रही। अहिबरनपुर उपकेन्द्र से पोषित बड़ा दुर्गा मंदिर के इलाके में 5 बजे रात 9 बजे तक आपूर्ति बाधित रही। इसके अलावा मदेयगंज, बृहत्ममगर, तुलसीपुरम सहित आसपास के क्षेत्र में तीन घंटे से अधिक सप्लाई बंद रही।

बारिश के बीच छाता लगाकर निकलता साइकिल सवार। अमृत विचार

आज बारिश के लिए यलो अलर्ट

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ के कई इलाकों में गुरुवार को तेज बारिश हुई। इस दौरान करीब 25 किलोमीटर प्रति घंटे के रफ्तार से हवा चली। हवा और बारिश ने उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने रातभर बूंदाबांदी और 3–4 बार तेज बारिश की संभावना जताई है। दिन में सुबह से शाम तक कुल बारिश 9.6 मिमी दर्ज की गई। अधिकतम आर्द्रता 95 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 75 फीसदी रही। लखनऊ में मानसून के सीजन में अभी तक 230.8 मिमी बारिश हुई है, लेकिन ये सामान्य से 26 फीसदी कम है। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी लखनऊ में सामान्य से अधिक बरसात होगी। अगस्त के महीने में अच्छी बारिश के आसार हैं।मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश का कहना है कि फिलहाल आने वाले तीन दिनों तक लखनऊ में हल्की बारिश के आसार हैं। इसके बाद 4 अगस्त को फिर से तेज बारिश होने की संभावना है।

संपूर्ण समाधान दिवस में आज सही कराएं बढ़ा गृहकर

अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम के लालबाग स्थित मुख्यालय के त्रिलोकनाथ सभागर में माह के प्रथम शुक्रवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा। जिसमें नागरिकों की गृहकर, जलभराव, पेयजल, सीवर, स्ट्रीट लाइट आदि समस्याओं का समाधान किया जाएगा। जीआईएस सर्वे में बढ़े हुए गृहकर को सही कराने के लिए भवन स्वामी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए शिकायतकर्ताओं को अपने साथ संबंधित दस्तावेज लेकर आना होगा। समाधान दिवस में नगर आयुक्त, समस्त अपर नगर आयुक्त, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, समस्त जोनल अधिकारी और संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

गृहकर पर 10 प्रतिशत छूट 31 अगस्त तक बढ़ी

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- यूजर चार्ज के साथ ऑनलाइन गृहकर जमा करने पर मिलेगी छूट

अमृत विचार : आवासीय भवनों के गृहकर जमा करने पर चल रही 10 प्रतिशत की छूट महापौर सुषमा खर्कवाल ने 31 अगस्त तक बढ़ा दी है। एकमुश्त यूजर चार्ज के साथ ऑनलाइन गृहकर जमा करने पर यह छूट प्रदान की जाएगी। व्यावसायिक भवनों का गृहकर ऑनलाइन और ऑफलाइन जमा करने पर 31 अगस्त तक 5 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है।

जुलाई 2025 से यूजर चार्ज के साथ ऑनलाइन हाउस टैक्स का भुगतान करने पर 10 प्रतिशत छूट से राजस्व संग्रह में वृद्धि हुई है। महापौर ने लोगों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और 31 अगस्त तक यूजर चार्ज का एकमुश्त भुगतान कर गृहकर में छूट प्राप्त करें। यह पहल न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि स्वच्छ और सुंदर लखनऊ के निर्माण में एक बड़ा योगदान भी है।

भुगतान के बाद भी पैसा मांगे तो करें शिकायत

महापौर ने नागरिकों को आश्वस्त किया है कि यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन भुगतान के बाद भी कूड़ा उठाने के नाम पर अतिरिक्त पैसे की मांग करता है तो महापौर कार्यालय के हेल्पलाइन नंबर 6389200005 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि यूजर चार्ज जमा करने के बाद उसकी रसीद अपने मोबाइल पर सेव रखें और उसे सुपरवाइजर को भुगतान मांगने पर दिखाएं।

कार्यशाला | न्यू बिल्डिंग बायलॉज एंड जोनिंग रेग्यूलेशन–2025 पर की गई चर्चा

बूस्टर का काम करेगा नया बिल्डिंग बायलॉज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- रियल एस्टेट, होटल, स्वास्थ्य, शिक्षा व औद्योगिक क्षेत्र में होगा तेजी से विकास

अमृत विचार : शहरों में भवन निर्माण के लिए लागू नई नियमावली (नया बिल्डिंग बायलॉज) प्रदेश के आर्थिक विकास में बूस्टर डोज का काम करेगा। इससे रियल एस्टेट सेक्टर तो बूम करेगा ही होटल, स्वास्थ्य, शिक्षा व औद्योगिक क्षेत्र का भी अभूतपूर्व विकास होगा।

लखनऊ विकास प्राधिकरण और क्रेडाई ने गुरुवार को विभूति खंड स्थित होटल हिल्टन गार्डेन में न्यू बिल्डिंग बायलॉज एंड जोनिंग रेग्यूलेशन-2025 पर कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें प्रदेश भर से आए आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स व निवेशकों को भवन निर्माण नियमावली के प्रावधान बताए गए। इंटरैक्टिव सत्र की अध्यक्षता प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग पी. गुरु प्रसाद ने की। सचिव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग डॉ. बलकार सिंह, मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब, मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक अनिल कुमार मिश्रा, आवास बंधु के निदेशक रवि जैन एवं एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार समेत कई अधिकारी शामिल हुए। डेलॉयट इंडिया ने नई नियमावली की मुख्य विशेषताओं पर प्रस्तुति दी गई। इसके बाद संशोधित उपनियमों पर खुलेमंच से चर्चा की और आर्किटेक्ट्स व विकासकर्ताओं से नियमावली पर उनकी प्रतिक्रियाएं ली गईं। भवनों के एफएआर व सेटबैक में छूट को सराहना मिली।

विभूति खंड स्थित होटल हिल्टन गार्डेन में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित उच्च अधिकारी।

नए बायलॉज से आर्थिक विकास की नई कहानी लिखेंगे

प्रमुख सचिव ने कहा कि नई नियमावली में प्रदेश के आर्थिक विकास की नई कहानी लिखेंगे। उन्होंने सदस्यों से सीधा संवाद किया। आर्किटेक्ट्स के सवालों का पैनल ने तत्काल समाधान किया गया। कुछ प्रश्नों व सुझावों को परीक्षण व संभावित समावेश के लिए नोट किया गया। एबीएम से मानचित्र स्वीकृत कराने के संबंध में विकसित किये जा रहे फास्ट पास सिस्टम का प्रेजेन्टेशन दिया गया। इसमें नए उपनियमों के तहत मानचित्रों के अनुमोदन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने में इसकी भूमिका को उजागर किया गया। आर्किटेक्ट ने कहा कि बायलॉज में किए गए संशोधन विकास को गति देंगे और आम आदमी नियोजित विकास की ओर बढ़ेगा।

पांच सदस्यीय समिति करेगी रामनगर कॉलोनी का सर्वे

अमृत विचार, लखनऊः मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब के निर्देश पर एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने ऐशबाग स्थित रामनगर कॉलोनी का सर्वे करने के लिए अपर सचिव की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति बना दी है। ये समिति कॉलोनी में आवंटित भूखंडों पर भूमाफिया द्वारा कब्जा करके बसाई गई झुग्गी-झोपड़ियों की जांच करके कार्रवाई करेगी। एलडीए के नागरिक सुविधा दिवस में मंगलवार को मंडलायुक्त से व्यापारी हरीश चंद्र अग्रवाल रामनगर कॉलोनी के मूल आवंटियों के साथ मिले थे। उन्होंने शिकायत कि थी एलडीए ने वर्ष 2003-2004 में रामनगर कॉलोनी में 80 भूखंड आवंटित किए थे। उन भूखंडों पर भू-माफिया प्रकाश यादव व उसके साथियों ने कब्जा करके झुग्गी-झोपड़ियां बनवाकर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों को बसा दिया।

56 दिन तक बाधित रहेगा 62 ट्रेनों का संचालन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- चारबाग रेलवे स्टेशन पर कॉन्कोर्स की नींव के लिए ट्रैफिक ब्लॉक लिया गया

अमृत विचार: चारबाग रेलवे स्टेशन पर कॉन्कोर्स की नींव के लिए ट्रैफिक ब्लॉक लिया गया है। इसके चलते अलग-अलग तारीखों में गोमती, चंडीगढ़ एक्सप्रेस 56 दिनों तक 62 ट्रेनों का संचालन बाधित रहेगा। सात ट्रेनें चारबाग की जगह ट्रांसपोर्टनगर, ऐशबाग के रास्ते चलाई जाएंगी। 42 ट्रेनें बदले हुए प्लेटफॉर्म पर आएंगी। कई उतरेटिया तक लाई-ले जाई जाएंगी।

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि चारबाग स्टेशन पर कॉन्कोर्स की नींव के लिए प्लेटफॉर्म नंबर दो, तीन व चार की ट्रेनों को बदले हुए प्लेटफॉर्मो से संचालित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि 14208 दिल्ली मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़ एक्सप्रेस 24 सितंबर तक एवं 15120 देहरादून बनारस एक्सप्रेस तथा 15128 नई दिल्ली बनारस एक्सप्रेस पहली अगस्त से 25 सितंबर तक आलमनगर-ट्रांसपोर्टनगर-उतरेटिया के रास्ते चलाई जाएंगी। 22921 बांद्रा गोरखपुर तीन अगस्त से 21 सितंबर तक, 11123 ग्वालियर बरौनी मेल 24 सितंबर तक, 12555 गोरखपुर भटिंडा पहली अगस्त से 25 सितंबर तक, 15030 पुणे गोरखपुर दो अगस्त से 20 सितंबर तक परिवर्तित मार्ग मानकनगर-ऐशबाग-मल्हौर के रास्ते चलाई जाएंगी। इसके अलावा 22683 यशवंतपुर लखनऊ जंक्शन व 22684 लखनऊ जंक्शन यशवंतपुर चार अगस्त से 25 सितंबर तक उतरेटिया तक आएगी व यहीं से रवाना होगी। 14260 लखनऊ जंक्शन गया एक्सप्रेस व 14262 लखनऊ जंक्शन गया एक्सप्रेस रास्ते में रोककर चलाई जाएंगी।

ये ट्रेनें बदले प्लेटफॉर्मों से चलेंगी

दिल्ली छपरा एक्सप्रेस, लालकुंआ हावड़ा जंक्शन, दिल्ली अयोध्या कैंट, चंडीगढ़ लखनऊ जंक्शन छह नंबर प्लेटफॉर्म से, योगनगरी ऋषिकेश प्रयागराज संगम, आनंदविहार रक्सौल, आनंदविहार सुलतानपुर, आनंदविहार रक्सौल एक्सप्रेस, भोपाल मां बेल्हादेवी प्रतापगढ़, इंदौर पटना एक्सप्रेस, कामाख्या एक्सप्रेस, साबरमती, पनवेल गोरखपुर, एलटीटी गोरखपुर एक्सप्रेस, एलटीटी मां बेल्हादेवी एक्सप्रेस, लखनऊ जंक्शन चंडीगढ़ तीन नंबर से, अमृतसर टाटानगर एक्सप्रेस चार नंबर से, दिल्ली अयोध्या जंक्शन, उदयपुर सिटी पाटलिपुत्र एक्सप्रेस, लखनऊ जंक्शन गया एक्सप्रेस, गोमती एक्सप्रेस एक नंबर से तथा मालदाटाउन नई दिल्ली पांच नंबर से चलाई जाएंगी।

सिटी ब्रीफ

किशोरी को अगवा करने वाली महिला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: गोमतीनगर पुलिस ने किशोरी के अगवा करने के मामले में लक्ष्मी को गुरुवार को गिरफ्तार किया है। वह इस मामले में मुख्य आरोपी विष्णु की बहन है। इंस्पेक्टर ब्रजेश चंद तिवारी लक्ष्मी आलमबाग के आदर्श नगर में रहती है। भाई-बहन ने मिलकर किशोरी को अगवा किया था। किशोरी के पिता ने 14 फरवरी को बेटी के अपहरण की रिपोर्ट कराई थी। पुलिस ने विष्णु को पकड़ा और किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि लक्ष्मी कुमारी ने अपने भाई विष्णु व पीड़िता को कुछ दिन अपने घर पर आश्रय दिया था।

10 लाख ठगने वाले दो जालसाज गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने गुरुवार को जमीन के नाम पर 10 लाख रुपये ठगने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेंद्र सिंह के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी रायबरेली के नसीराबाद निवासी अमित कुमार व पीजीआई के वृंदावन सेक्टर आठ निवासी रवि प्रकाश तिवारी हैं। आरोपियों के खिलाफ निलमथा निवासी अनिल कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराया थ।

200 रुपये देने से इंकार करने पर पीटा

अमृत विचार, लखनऊ: चिनहट में दो सौ रुपये देने से इंकार करने पर पड़ोसी ने बीच राह रोककर पीटा। इसके बाद आरोपी के पिता ने फोन कर बेटे की तरफ से माफी मांगते हुए घर बुलाया। कंचनपुर मटियारी निवासी निखिल यादव ने बताया कि रात में वह जरूरी काम से घर से निकले थे। रास्ते में नेहा ढाबे के पास पड़ोसी अभिषेक ने उन्हें रोक लिया। अभिषेक ने दो सौ रुपये मांगे। इंकार करने पर मारपीट की। शोर होने पर राहगीरों को आता देख आरोपी भाग निकला। कुछ देर बाद अभिषेक के पिता रामलखन ने कॉल कर बेटे की गलती पर मॉफी मांगते हुए घर बुलाया। वह रामलखन के घर पहुंचे तो अभिषेक, उसके भाई गोलू ने उसपर ईंट से हमला कर दिया। जिससे उनका सिर फट गया। पुलिस ने रामलखन, अभिषेक और गोलू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

लापरवाही पर इंस्पेक्टर नाका लाइन हाजिर, चौकी प्रभारी निलंबित

गोरखपुर के कास्टमेटिक दुकानदार की लूट के बाद हत्या का मामला, गुमशुदगी दर्ज कर कमिश्नरेट के थानों में नहीं किया संपर्क, दो गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: चारबाग स्टेशन के सामने ऑटो चालकों ने गोरखपुर के रायगंज निवासी नवीन यादव उर्फ राजे (50) की लूट के बाद हत्या कर दी। घटना 24 जुलाई की रात को हुई। इस मामले में लापरवाही बरतने वाले इंस्पेक्टर नाका वीरेंद्र त्रिपाठी को लाइन हाजिर कर दिया गया है। वहीं चौकी प्रभारी चारबाग कमल कुमार को निलंबित कर दिया गया। उधर, श्रीकांत राय को नाका इंस्पेक्टर बनाया गया। पुलिस ने बुधवार देर रात को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी।

गोरखपुर के रायगंज निवासी सचिन यादव उर्फ राकू के मुताबिक उनके बड़े भाई नवीन यादव उर्फ राजे 24 जुलाई की शाम 8.20 बजे लखनऊ चारबाग स्टेशन पहुंचे। वह गोरखपुर में कास्मेटिक की दुकान चलाते थे। उनको मुंबई सामान खरीदने के लिए पुष्पक एक्सप्रेस से जाना था। रात करीब 9.30 बजे ट्रेन थी। रात करीब 8.33 बजे एक अंजान नंबर से उनके पास कॉल आई। कॉल उठाने पर पता चला कि उनके भाई से मारपीट हुई है। कॉल करने वाला ऑटो चालक था। उसने कहा ऑटो का शीशा तोड़ दिया है। उसका रुपया चाहिए। सचिन ने वीडियो कॉल कर बात कराने को कहा। वीडियो में सचिन ने देखा कि नवीन को ऑटो में एक युवक पकड़े बैठा है। नवीन चीख रहे है कि राकू हमे बचाओ ये लोग मार रहे है। इसके कुछ देर बाद कॉल कट गई। लगातार उस नंबर पर कॉल करते रहे, कुछ देर बाद बात हुई तो बताया कि कूदकर नवीन स्टेशन में चले गये है। स्टेशन में तलाश कराया लेकिन नहीं मिले। दूसरे दिन ट्रेन में उनके रिजर्वेशन वाली सीट पर तलाश कराई तो नहीं मिले। 25 की शाम वह लखनऊ पहुंचे। जहां चौकी प्रभारी कमल कुमार मिले। उन्होंने टालमटोल कर रवैया अख्तियार किया। देर रात को इंस्पेक्टर को कॉल कर घटना की सूचना तो कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया।

पुलिस कमिश्नर व डीजीपी कार्यालय में लगाई गुहार

गुमशुदगी दर्ज कराने के लिए पीड़ित को पुलिस कमिश्नर तक से गुहार लगानी पड़ी। डीसीपी की फटकार के बाद घटना के तीन बाद गुमशुदगी दर्ज की गई। इसके बाद भी पुलिस ने तलाश करने का प्रयास नहीं किया। पीड़ित ने डीजीपी कार्यालय में परिचित अधिकारी से इस लापरवाही के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद मामला डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव तक पहुंचा। उन्होंने टीम गठित कर तलाश शुरू कराई। एसीपी कैसरबाग रत्नेश सिंह के मुताबिक मंगलवार देर रात को दो आरोपियों सीतापुर तंबौर स्थित काशीपुर निवासी अमित त्रिवेदी और उसके साथी थानगांव शंकर पुर निवासी कन्हैया शुक्ला को पकड़ लिया। उनके पास से नवीन का बैग, 15 हजार रुपये व लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया गया। इसके बाद बुधवार देर रात गुमशुदगी के मामले में हत्या व लूट की धारा बढ़ाई गई। आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त ऑटो भी बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ कर गुरुवार को जेल भेज दिया।

छात्रा खुदकुशी मामले में दोस्त पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ: मूलरूप से सिद्धार्थनगर निवासी पूजा अग्रहरि जीएनएम द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। वह बीबीडी स्थित बालाजी गर्ल्स हॉस्टल में रहती थी। चिनहट में रहने वाली बड़ी बहन लक्ष्मी भी कुंवर कॉलेज से जीएनएम कर रही है। 5 जुलाई को पूजा का शव हॉस्टल में अपने कमरे में लटका मिला था। छानबीन के दौरान कोई सुसाइड नोट नहीं मिला था। बहन लक्ष्मी ने बताया कि कुंवर कॉलेज दयाल में पढ़ने वाले अभय चौबे ने पूजा से दोस्ती की थी। दोनों में बातचीत होने लगी थी। आरोप है कि अभय के उकसाने पर पूजा ने आत्महत्या की है। आरोपी अभय की किसी बात से पूजा आहत हो गई थी। इसलिए उसने यह कदम उठाया था।

समाज कल्याण मंत्री का निजी सचिव छेड़छाड़ में गिरफ्तार

मंत्री असीम अरुण ने गोमतीनगर पुलिस बुलाकर किया सुपुर्द

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: भागीदारी भवन के अभ्युदय सचिवालय में तैनात आउट सोर्सिंग महिला कर्मचारी ने विभागीय मंत्री के निजी सचिव पर छेड़छाड़ व धमकी देने का आरोप लगाया। इस संबंध में महिला ने प्रार्थना पत्र विभागीय मंत्री असीम अरुण को दी। जानकारी होते ही उन्होंने तत्काल गोमतीनगर इंस्पेक्टर को बुलाया और निजी सचिव को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता समाज कल्याण विभाग में आउट सोर्सिंग पर कई वर्षों से काम करती है। वर्तमान में उसकी तैनाती भागीदारी भवन स्थित अभ्युदय सचिवालय में है। इसी कार्यालय में विभागीय मंत्री असीम अरुण भी बैठते हैं। विभागीय मंत्री के निजी सचिव जय किशन सिंह हैं। पीड़िता का आरोप है कि निजी सचिव कई दिनों से उसके साथ अश्लील हरकतें करते थे। 28 जुलाई को जय किशन ने पीड़िता को अकेला पाकर छेड़छाड़ की, विरोध करने पर नौकरी से निकलवाने और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने डर के कारण इसकी शिकायत नहीं कर रही थी।

पुलिस की गिरफ्त में निजी सचिव जय किशन सिंह। अमृत विचार

- आउट सोर्सिंग महिला कर्मचारी ने की थी मंत्री से शिकायत

मंत्री से की शिकायत तो हुई कार्रवाई : गुरुवार को अभ्युदय सचिवालय विभागीय मंत्री असीम अरुण पहुंचे। किसी तरह हिम्मत कर पीड़िता ने लिखित शिकायती पत्र मंत्री से की। विभागीय मंत्री ने अपने स्तर से जांच कराई। तो मामला सही निकला। इसके बाद तत्काल गोमतीनगर इंस्पेक्टर को भागीदारी भवन बुलावाया। पीड़िता की शिकायती पत्र को सौंपकर रिपोर्ट दर्ज करने को कहा। वहीं, कार्यालय में मौजूद निजी सचिव जय किशन सिंह को पुलिस के हवाले कर दिया। इंस्पेक्टर गोमतीनगर बृजेश चंद्र तिवारी के मुताबिक पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

महिला व उसके पति पर हमला, तीन गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: गोमतीनगर विस्तार के शालीमार के पास झुग्गी बस्ती में रहने वाली रूचि व उसके पति पर हमला करने के मामले में पुलिस ने बुधवार देर शाम को 14 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। लखीमपुर के पनकी खुर्द की रहने वालीं रुचि के मुताबिक वह पति के साथ शालीमार के पास झुग्गी बस्ती में रहती है। पति ठेकेदार सुधाकर, अखिलेश, पप्पू, अहमद व दस अज्ञात मजदूरों के साथ काम करते हैं। सोमवार को काम के दौरान पति का ठेकेदार से विवाद हो गया था। इसी बात को लेकर रात करीब 10 बजे शराब के नशे में ठेकेदार साथियों को लेकर झोपड़ी के बाहर पहुंचा और पति पर हमला कर दिया। बीच बचाव करने गई तो उसे भी पीट दिया। वहीं प्रदीप के साथी राहुल व राधेश्याम भी चोटिल हो गए। आरोपी धमकाते हुए भाग निकले। रुचि ने किसी तरह से लोगों की मदद से पति को लोहिया अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें केजीएमयू रेफर कर दिया गया। यहां कुलदीप की हालत गंभीर बनी हुई है। इंस्पेक्टर सुधीर कुमार अवस्थी के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी ठेकेदार सुधाकर, अखिलेश व मनोज कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। अन्य की तलाश की जा रही है।

एनडीआरएफ के महानिदेशक पियूष आनंद का एसडीआरएफ मुख्यालय में स्वागत करते अधिकारी। अमृत विचार

एनडीआरएफ के महानिदेशक पियूष आनंद ने एसडीआरएफ मुख्यालय का किया निरीक्षण

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार : एनडीआरफ के महानिदेशक पियूष आनंद ने गुरुवार को बिजनौर के नूरनगर भदरसा स्थित राज्य आपदा मोचन बल उत्तर प्रदेश (एसडीआरएफ) के मुख्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीआरएफ द्वारा अपनी रेस्क्यू क्षमताओं, प्रशिक्षण स्तर एवं कार्यप्रणाली का प्रदर्शन करते हुए बोरवेल रेस्क्यू, रोप रेस्क्यू और कॉलेप्स्ड स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू जैसे जटिल आपदा प्रबंधन अभियानों का वास्तविक समय पर आधारित डेमो प्रस्तुत किया।

निरीक्षण के दौरान एसडीआरएफ के सेनानायक डॉ. सतीश कुमार ने एसडीआरएफ की स्थापना, उद्देश्यों, संरचना, तकनीकी दक्षताओं, उपकरणों और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया मानकों के अनुरूप एसडीआरएफ यूपी द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। जहां पियूष आनंद ने एसडीआरएफ के जवानों की सक्रियता, तकनीकी क्षमता, अनुशासन और तत्परता की प्रशंसा करते हुए एसडीआरएफ की संपूर्ण कार्य शैली को उत्कृष्ट बताया। इस मौके पर एसडीआरएफ सेनानायक डॉ. सतीश कुमार ने बल की भावी योजनाओं जैसे सामुदायिक आपदा प्रशिक्षण, स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम, सिविल डिफेंस सहयोग, महिला रेस्क्यू विंग की स्थापना आदि पर प्रकाश डालते हुए बल की ओर से हर परिस्थिति में प्रदेश की जनता की सेवा के लिए तैयार रहने का संकल्प दोहराया।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

सूचना
मेरा हाई स्कूल परीक्षा वर्ष 2011 अनुक्रमांक 4142072 व इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2014 अनुक्रमांक 1306816 के प्रमाण पत्र सह अंक पत्र वास्तव में कहीं खो गए हैं । **सुबोध कुमार पुत्र कुंवर बहादुर शाहूपुर रुरुगंज जनपद औरैया ।**

सूचना
मैने अपना नाम HASNAIN AKBAR से बदलकर SYED HASNAIN AKBER रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-SYED AKHTAR HUSAIN ADD-11-115 GWALTOLI, SUTARGANJ, KANPUR DIST-KANPUR NAGAR-208001 (U.P)

सूचना
कुछ कागजातों में मेरा नाम धनश्याम दर्ज हो गया है जोकि गलत है जबकि मेरा वास्तविक नाम घनश्याम है, अत: मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए। **घनश्याम पुत्र राम अधीन निवासी नारायनपुर थुम्हवा पचपेड़वा बलरामपुर।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री आशा चौधरी जिसने हाई स्कूल की परीक्षा सन 2025 में यू.पी. बोर्ड प्रयागराज से उत्तीर्ण किया है जिसका मूल अंकपत्र अनुक्रमांक 1251715903 कही खो गया है। यदि किसी भाई बहन को अकंपत्र मिले तो वह मो नंबर 9696 57 8804 पर सूचित करने का कष्ट करें महान दया होगी। **रामचंद्र पुत्र फुस्सन ग्राम किन्हौली थाना मसौली जिला बाराबंकी।**

सूचना
सूचित हो कि **मैं सावित्री पत्नी गया प्रसाद निवासिनी ग्राम– रामपुर देवराई, परगना महोना, तहसील– बख्शी का तालाब, जिला–लखनऊ।** सावित्री व अमिता उपरोक्त दोनों नाम एक ही महिला के हैं तथा मै दोनों नामों से जानी व पहचानी जाती हूँ।

सूचना
मेरी लड़की का बचपन में सोनू देवी नाम था, अब नाम बदलकर सपना गुप्ता रख दिया है, भविष्य में सपना गुप्ता के नाम से जाना जाएगा, **बसंत लाल उर्फ मूने विशेश्वरगंज बहराइच उ0प्र0**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम मिर्जा फरोग आलम (MIRZA FAROGH ALAM) है। लेकिन मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम MIRZA FAROG ALAM दर्ज हो गया है, गलती से FAROG में H अक्षर छूट गया है। उसे अब FAROGH ही सही माना जाय। **मिर्जा फरोग आलम ग्राम व पोस्ट– उमापुर, जनपद– अयोध्या**

सूचना
मैं **अंगनू रामउर्फ बाउर प्रजापति पुत्र श्रीराम निवासी ग्राम रामनगर सेमरा, थाना– नवाबगंज तहसील नानपारा जिला बहराइच** का मूल निवासी है। कुछ सरकारी अभिलेखों में त्रुटिवश मेरा नाम बाउर पुत्र श्री राम दर्ज हो गया है जो गलत है। मेरा वास्तविक नाम अंगनू राम उर्फ बाउर पुत्र श्री राम है जो इसी नाम से जाना जाय जो सत्य है।

सूचना
दिनांक 28/04/1999 बही सख्या 1 क्रमांक संख्या 2128 पृष्ठ संख्या 1/56 जिसके विक्रेता मुन्नी देवी क्रेता आरती देवी ने बैनामा सुदा प्लाट खरीदा था! जिसकी मूल कापी का दफा 60 का पेज कहीं खो गया है। जिसकी एल. ए. आर. सख्या– 20250000518180 है उपयुक्त कागजात से संबंधित किसी भी जानकारी को मोबाइल नं0 – 9076620970 पर सम्पर्क करे।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री आशा चौधरी जिसने हाई स्कूल की परीक्षा सन 2025 में यू.पी. बोर्ड प्रयागराज से उत्तीर्ण किया है जिसका मूल अंकपत्र अनुक्रमांक 1251715903 कही खो गया है। यदि किसी भाई बहन को अकंपत्र मिले तो वह मो नंबर 9696 57 8804 पर सूचित करने का कष्ट करें महान दया होगी। **रामचंद्र पुत्र फुस्सन ग्राम किन्हौली थाना मसौली जिला बाराबंकी।**

सूचना
मै **प्रमिला शुक्ला पत्नी संतोष कुमार शुक्ला सी–393/4 इन्दिरा नगर रायबरेली** की रहने वाली हूं। मेरे पति संतोष कुमार शुक्ला 10 वर्ष पूर्व से गायब चल रहे है, जिनकी काफी खोजबीन की गयी, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। मेरे पति के द्वारा यदि किसी तरह का लेन–देन या अन्य कृत्य भविष्य में किया जाता है तो मेरी जिम्मेदारी नहीं होगी।

सूचना
पहले मेरा नाम रेशमा कुन्ती वोहरा श्रीवास्तव (RESHMA KUNTI WHORRA SRIVASTAVA) था जिसे बदलकर अब मैंने रेशमा वोहरा श्रीवास्तव (RESHMA WHORRA SRIVASTAVA) कर लिया है, भविष्य में सभी उद्देश्यों हेतु मुझे रेशमा वोहरा श्रीवास्तव के नाम से जाना पहचाना जाये। **रेशमा वोहरा श्रीवास्तव पत्नी अनुज कुमार श्रीवास्तव, निवासिनी– 11/3, कुन्ती विला, नर्मदा भवन के सामने, बटलर रोड, डालीबाग, लखनऊ।**

युवक को पीटने वाले छह गिरफ्तार इंस्पेक्टर हटे

अमृत विचार, सरोजनीनगर: बिजनौर के शाहपुर मझिगवां गांव में मंगलवार देर रात युवक को पेड़ से बांधकर पीटने वाले छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसके आधार पर आरोपियों की पहचान की गयी थी। वहीं, इंस्पेक्टर बिजनौर अरविंद कुमार राणा को हटाकर पश्चिमी जोन भेज दिया गया है। कैसरबाग कोतवाली के एडिशनल इंस्पेक्टर शिव शंकर महादेवन को बिजनौर थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। बुधवार को एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में एक युवक को कुछ लोग पेड़ से बांधकर बुरी तरह से पीटते नजर आए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर युवक को छुड़ाकर लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया था, जहां से वह कहीं चला गया था। पूछताछ में युवक अपना नाम बता नहीं सका था। वहीं, ग्रामीणों का आरोप था कि युवक दुकान में चोरी करने पहुंचा था।

प्लांट लगाने के नाम पर 11 करोड़ की ठगी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मुंबई की एक फर्म ने अनुभव बताकर कारोबारी को फंसाया
- घटिया कलपुर्जे का लगाया प्लांट, खाते में ऐंठी रकम
- फर्जीवाड़ा देख वापस मांगी रकम तो मुंबई के डॉन को पार्टनर बता धमकाया
- महिगवां थाने में सीईओ समेत 11 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: बायो सीएनजी प्लांट का निर्माण करने वाली मुंबई की एक फर्म पर कारोबारी ने 11.06 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। आरोप है कि फर्म के सीईओ व अन्य ने एग्रीमेंट के बाद महिगवां इलाके में पुराने व जंग लगे कलपुर्जे लगाकर प्लांट लगाकर रुपये ऐंठ लिए। क्वालिटी खराब देख पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने मुंबई के डॉन के बिजनेस पार्टनर बताकर धमकाया। कोर्ट के आदेश पर महिगवां पुलिस ने सीईओ समेत 11 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

विशाल खंड-3 निवासी कारोबारी अमित गोयल ने बताया कि उन्हें महिगवां स्थित बीबीपुर में बायो गैस व बायो सीएनजी प्लांट लगवाने के इच्छुक थे। 2024 में मुंबई निवासी सचिन अग्रवाल ने संपर्क कर बताया कि उनकी फर्म श्री जी प्रोसेसिंग इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड प्लांट निर्माण व संचालन का काम करती है। वे और पिता जीडी अग्रवाल फर्म के सीईओ है। इसपर पीड़ित ने प्लांट लगवाने के लिए हामी भर दी। इसके बाद अमित ने कई मदों में 11,06,92,000 रुपये ट्रांसफर किए।

पीड़ित ने बताया कि एग्रीमेंट कर 30 नवंबर 2024 तक कार्य पूरा होना था। साजिश के तहत सचिन अग्रवाल, सुदीप अग्रवाल, सागर अग्रवाल, डीसी अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, अरणी मुखापाध्याय, किरन घंटा, शिवम बागमारे, कोटेश्वर राव, अजीत भदौरिया व बालू पवार ने पुराने व जंग लगे कलपुर्जे लगाकर प्लांट लगा दिया। जांच में करतूत सामने आने पर पीड़ित ने संपर्क कर अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपियों ने धमकाया।

यही नहीं आरोपियों ने मुंबई के डॉन को बिजनेस पार्टनर बताते हुए अंजाम भुगतने की धमकी दी। यही नहीं आरोपियों ने दो करोड़ की रंगदारी भी मांगी। पीड़ित कारोबारी ने मामले की शिकायत महिगवां थाने व पुलिस अधिकारियों से की। सुनवाई न होने पर पीड़ित ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। निर्देश पर महिगवां पुलिस ने सीईओ समेत 11 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर रामकुमार गुप्ता ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

महिला से की अश्लील हरकत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: गोमतीनगर विस्तार थाना क्षेत्र में रहने वाली 40 वर्षीय महिला ने मार्च 2023 में छात्रों के प्लेसमेंट को लेकर अनीश जैन से संपर्क किया। इसी दौरान अनीश ने उसे व्हाट्सएप पर प्रेम संबंधी मैसेज भेजने शुरू कर दिए और वीडियो कॉल करने का दबाव बनाया। पीड़िता के इंकार करने पर अनीश ने प्लेसमेंट जुड़े कार्यों को रोकना शुरू कर दिया।

13 अक्टूबर 2023 को अनीश लखनऊ आया। पीड़िता अगले दिन शाम बजे वह आरोपी से मिलने के लिए गोमतीनगर स्थित एक होटल के बाहर पहुंची। अनीश ने अंदर चलने की बात कही। इंकार पर आरोपी उसकी कार में बैठ गया। कुछ दूर जाने के बाद अनीश ने अभद्रता की। रिलेशनशिप का दबाव बनाया। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने कार की रफ्तार बढ़ा दी। पीड़िता ने 14 सितंबर 2024 को आरोपी को ई-मेल करके पुलिस से शिकायत करने की बात कही तो अनीश ने दोबारा परेशान न करने का वादा किया। कुछ महीने शांत रहने के बाद अनीश ने फिर से परेशान करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने इस संबंध में गोमतीनगर विस्तार थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

विवि की महिला कर्मी से छेड़छाड़, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ: हसनगंज स्थित विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारी ने सहकर्मी पर अश्लीलता हरकत व छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। महिला ने बताया कि गोपाल उन्हें अश्लील मेसेज भेज रहा था। उनका नाम पर लेकर अश्लील फब्तियां कसने के साथ ही इशारे करता था। विरोध करने पर आरोपी गाली-गलौज और अभद्रता करता था। पीड़िता ने आरोपी की शिकायत उच्च अधिकारियों से की तो कार्रवाई के बजाय पांच जून को उनका ट्रांसफर कर दिया गया। आहत होकर पीड़िता ने हसनगंज कोतवाली में शिकायत की।

वीडियो वायरल | सोते हुए बेटे के मुंह पर रखी थी तकिया, फिर गला दबाने का किया था प्रयास

नीतेश ने ऑटिज्म पीड़ित बेटे को मारने का किया था प्रयास, वीडियो वायरल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पोस्टमार्टम में हैंगिंग की पुष्टि, फिरोजाबाद में डेढ़ साल के बेटे ने दी मुखाग्नि
- सीआईडी में तैनात एएसपी की पत्नी की आत्महत्या का मामला

अमृत विचार: रिजर्व पुलिस लाइन के ट्रांजिट हॉस्टल में सीआईडी में तैनात एएसपी मुकेश प्रताप सिंह की पत्नी नीतेश सिंह (38) की आत्महत्या के मामले में गुरुवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में अवसाद ग्रस्त नीतेश 29 जुलाई को ऑटिज्म पीड़ित 12 वर्षीय बेटे अनिकेत को जान से मारने का प्रयास कर रही हैं। वीडियो घर में लगे सीसी कैमरे का है।

वीडियो 54 सेकेंड का है। वीडियो में 12 वर्षीय अनिकेत बेड पर सोया है। डेढ़ वर्षीय बेटा बेड के पास फर्श पर खड़ा है। नीतेश बेड पर बैठकर पहले बेटे के मुंह पर तकिया रखकर दबाती हैं। अनिकेत विरोध करने की कोशिश करता है। पैर पटकता है तो नीतेश उसका गला पकड़कर दबाने की कोशिश करती हैं। झटपटाने पर वह उसे छोड़ देती हैं और फिर बेड पर बैठ जाती है।

डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार देर रात ही शव का पोस्टमार्टम कराया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह हैंगिंग आया है। मायकेवाले शव लेकर बुधवार देर रात ही अंतिम संस्कार के लिए फिरोजाबाद नगला करन चले गए। परिजन ने अभी लिखित में कोई तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने जांच कर साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिरोजाबाद में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। डेढ़ साल के बेटे ने मां को मुखाग्नि दी।

प्रमोद का कहना है कि उनकी बहन को बेटे को मारना होता तो मार चुकी होती, लेकिन उसने ऐसा करने की जगह अपनी जान दे दी। आरोप है कि मंगलवार को बेटे का गला दबाते नीतेश की फुटेज एएसपी ने उन्हें भेजी थी। एएसपी ने वीडियो के आधार पर नीतेश को जेल भेजने की धमकी दी थी। आरोप है कि मुकेश ने नीतेश से तलाक की मांग की थी। परिवार को बचाने के लिए प्रमोद ने दोनों को समझाया था।

घर में कमरे में लगा सीसी कैमरा एएसपी ने अपने मोबाइल से कनेक्ट किया था। मोबाइल में आफिस में बैठे एएसपी मुकेश ने जब पत्नी को बेटे को मारने का प्रयास करते देखा तो वे घर पहुंचे थे। इसपर दोनों में झगड़ा हुआ था। इस बात को लेकर दो दिन से लगातार उनके बीच बहस हो रही थी। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि उन्होंने अभी बहन की आत्महत्या के मामले में कोई तहरीर नहीं दी। पुलिस अधिकारियों से बात कर तीन-चार दिन का समय मांगा है।

वायरल वीडियो का स्क्रीन शॉट, इनसेट में नीतेश (फाइल फोटो)। अमृत विचार

देखरेख के लिए आ रहे थे पूर्व विधायक पिता

एसीपी महानगर नेहा त्रिपाठी ने बताया कि एएसपी मुकेश को गुरुवार से दो दिन के लिए ड्यूटी पर वाराणसी जाना था। पत्नी नीतेश अवसाद में हैं। पत्नी व बच्चों के लिए परेशान मुकेश ने मंगलवार को ही नीतेश के पिता व पूर्व विधायक राकेश प्रताप सिंह को फोन किया था। राकेश प्रताप सिंह बेटी की देखरेख के लिए लखनऊ आ रहे थे। वह बुधवार दोपहर को चल दिए थे। लखनऊ जैसे ही वह पहुंचे शाम को तो उन्हें पता चला कि बेटी ने आत्महत्या कर ली है।

एटीएम मशीन में फेवीक्विक लगा कर रुपये उड़ाने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: एटीएम मशीन में फेवीक्विक लगा कर ग्राहकों के खाते में सेंध लगाने वाले आरोपी को मानकनगर पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से 6 हजार रुपये, दस प्लास्टिक की पट्टियां, दो कटर समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। एसओ मानकनगर अजीत कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अमेठी के जामो का रहने वाला रंजीत यादव है। रंजीत पर अमेठी और रायबरेली में हत्या समेत 19 मामले दर्ज हैं। आरोपी पर गुंडा एक्ट और गैंगस्टर की भी कार्रवाई हो चुकी है। एसओ ने बताया कि कृष्णानगर के भोलाखेड़ा निवासी श्रीराम त्रिपाठी ने मानकनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी थी। बताया था कि कुछ दिन पहले वह एटीएम बूथ में रुपये निकालने गए थे। मशीन में डेबिट कार्ड फंस जाने पर श्रीराम घर चले गए। इसी दौरान खाते से एक लाख रुपये निकलने का मैसेज आया था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी रंजीत को मानकनगर रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह साथियों के साथ बूथ के बाहर टहलता रहता था। किसी के न होने पर वे प्लास्टिक की पट्टियों के दोनों ओर फेवीक्विक लगा कर मशीन में लगा देते थे। साथ ही जहां कार्ड लगाते हैं वहां भी फेवीक्विक लगा देते थे।

सिटी ब्रीफ

सोशल मीडिया प्रबंधन पर कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ: वीवी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान नोएडा में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने तीन दिवसीय सोशल मीडिया प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। निदेशक पी अमिताव खुनीतिया के मार्गदर्शन में हुए इस प्रशिक्षण में सोशल मीडिया के प्रभाव, लाभ, तकनीकी पक्ष, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और दुष्प्रभावों से बचाव पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। प्रमुख अतिथि भारतीय योग परिषद के अध्यक्ष सर्वेश कुमार सोनी और उपाध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश शर्मा रहे रचना शर्मा, डॉ. पर्निका शर्मा, डॉ. सुरुचि भारती, सुमित गुप्ता ने विचार रखे।

मालेगांव मामले के निर्णय का किया स्वागत

अमृत विचार, लखनऊ: मालेगांव विस्फोट मामले में सभी आरोपियों के बरी होने के निर्णय का अखण्ड आर्यावर्त आर्य हिंदी महासभा ने स्वागत किया है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि इस निर्णय ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि हिन्दू आतंकवाद जैसी कोई चीज नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मामला केवल एक राजनीतिक साजिश नहीं, बल्कि सनातन धर्म और भगवा प्रतीक पर सुनियोजित हमला था। महासभा के राष्ट्रीय संयोजक पंकज तिवारी ने भी इस निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे सनातनी समाज को बदनाम करने वाले चेहरों का पर्दाफाश हुआ है। उन्होंने सभी सनातनियों से आह्वान किया कि भविष्य में ऐसे षड्यंत्रों को रोकने के लिए एकजुट हों और अपने धर्म व प्रतीकों की रक्षा करें।

साहित्य सभा का स्थापना दिवस 5 को

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश साहित्य सभा का चौथा स्थापना दिवस 5 अगस्त को बौद्ध संस्थान में मनाया जाएगा। सभा के प्रधान संयोजक व हास्य कवि सर्वेश अस्थाना ने बताया कि इसमें बतौर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य वरिष्ठ साहित्यकारों को सम्मानित करेंगे। डॉ. शिवओम अंबर की अध्यक्षता में होने वाले इस आयोजन में गीतकार विष्णु सक्सेना, अनिल चौबे, बलराम श्रीवास्तव, गजेंद्र प्रियांशु, डॉ. सोनरूपा विशाल, राजीव राज, ओजकवि आशीष अनल, अर्जुन सिंह चांद, अर्जुन सिसोदिया और अजय अंजाम उपस्थित रहेंगे। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली 6 जिलों की इकाइयों, लोकभाषा उन्नयन में योगदान देने वाले व्यक्तियों और साहित्य सेवा में संलग्न संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। गीत प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

सांसद रामशंकर के खिलाफ तेली समाज का प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ: भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के नेतृत्व में समाज के लोगों ने सांसद रमाशंकर राजभर के खिलाफ प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। महासभा के युवा प्रदेश अध्यक्ष रमाशंकर साहू और जिला अध्यक्ष अरुण साहू के नेतृत्व में यह प्रदर्शन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष का आरोप है कि 27 जुलाई को सांसद राजभर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हिंदू धर्म में तेली का मुंह देखना पाप है। इस टिप्पणी से तेली समाज में रोष है। ऐसी टिप्पणी न केवल अपमानजनक है, बल्कि समाज में वर्ग संघर्ष को बढ़ावा देती है। टिप्पणी से पूरे समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। मामले की जांच कर सांसद पर कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रदर्शन में महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अर्चना साहू, जिला महिला अध्यक्ष ज्योति साहू, पूर्व सभासद सतीश साहू और जिला महामंत्री रामसेवक साहू आदि शामिल रहे।

गोस्वामी की जयंती पर बांटे गए तुलसी के पौधे

जयंती पर विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में आयोजित की गईं संगोष्ठी व व्याख्यानमाला, पुष्प अर्पित कर किया नमन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: गोस्वामी तुलसीदास और प्रेमचंद की जयंती पर गुरुवार को राजधानी के विश्वविद्यालयों के अलावा अन्य जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें तुलसीदास के छंद और प्रेमचंद की कहानियों पर चर्चा की गई। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय में तुलसी के पौधे बांटे गए।

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान में समाजशास्त्र विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. सत्यदेव मिश्र स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल ने कहा कि तुलसीदास ने मुगल साम्राज्य में समन्वय स्थापित करने का कार्य किया है, वे बुद्धदेव के बाद उत्तर भारत के सबसे बड़े लोकनायक हैं। प्रो. सत्यदेव मिश्र के पुत्र कल्प मिश्र ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रो. पूरनचन्द्र टण्डन, प्रो. अनिल शुक्ल, प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने भी विचार रखे। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विवि में हुई संगोष्ठी में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. पवन पुत्र बादल ने कहा कि तुलसीदास की रामचरितमानस समरसता का एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं। प्रो. राम पाल गंगवार ने कहा कि प्रेमचंद के लेखन में राष्ट्र प्रेम की भावना गहराई से निहित है। प्रो. सर्वेश कुमार सिंह ने भी विचार रखे।

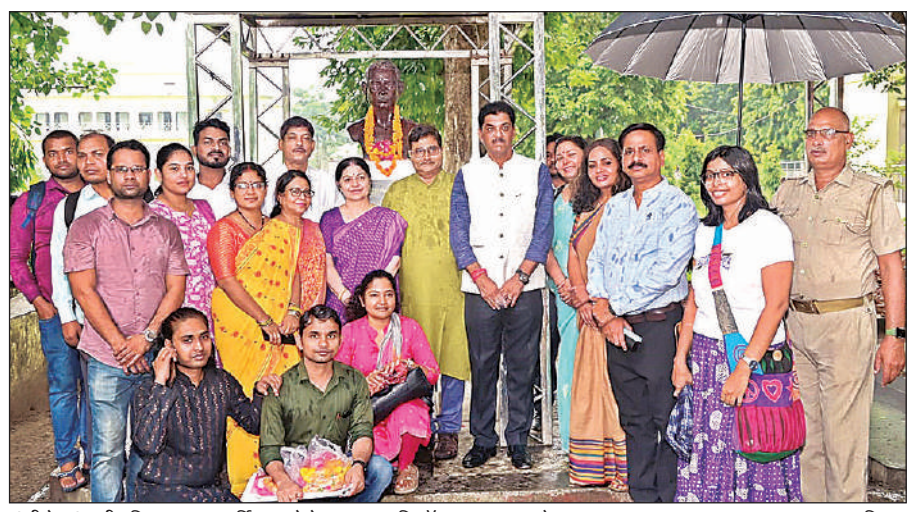

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में समाज शास्त्र के दृष्टीकोण पर चर्चा हुई। हिंदी विभाग प्रभारी डॉ. जहां आर. जैदी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ला मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने तुलसी की रामराज्य की अवधारणा और उसकी आज की प्रासंगिकता पर विचार प्रस्तुत किए। डॉ. हैदर मेहंदी, विधि विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष त्रिवेदी ने तुलसी की भारतीय दृष्टिकोण पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। डॉ. अंशुल पांडेय ने किशोरों और पारिवारिक जीवन में तुलसी के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. विपिन कुमार सिंह, शिक्षिका डॉ. आराधना आस्थाना ने भी विचार व्यक्त किए।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में तुलसीदास और प्रेमचंद्र कीजयंती पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करतीं प्राचार्य प्रो मंजुला उपाध्याय। अमृत विचार

डॉ. सुधा बाजपेई को तुलसी को पौधा भेंट करतीं कुलपति प्रोफेसर मांडवी सिंह।

प्रेमचंद का साहित्य नारी के चरित्रों से ओतप्रोत

नवयुग कन्या महाविद्यालय में हुई संगोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो रामकृष्ण जयसवाल ने कहा कि प्रेमचंद का पूरा साहित्य नारियों के विभिन्न चरित्रों से ओतप्रोत है। पुनर्वास विश्वविद्यालय के प्रो. यशवंत कुमार विरोदय ने कहा कि जब हम आस्था और अकुंठित मानव चेतना की बात करते हैं तो हम देखते हैं ना तो तुलसीदास का समय अनुकूल था ना ही प्रेमचंद के समय अनुकूल परिवेश था। इसलिए ना तो तुलसीदास का रामराज्य पूरा हुआ ना ही प्रेमचंद का ग्राम स्वराज। कार्यक्रम में प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय व प्रो. मंजुला यादव, डा. अपूर्वा अवस्थी डा. अंकिता पांडे, डा. मेघना यादव उपस्थित रहीं।

स्वरबद्ध प्रस्तुति प्रतियोगिता में विकास कुशवाहा प्रथम

अमृत विचार, लखनऊ: भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय में गोस्वामी तुलसीदास और मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तुलसी की कृतियों पर आधारित स्वरबद्ध प्रस्तुति प्रतियोगिता में विकास कुशवाहा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रेमचंद के साहित्य और जीवन पर भाषण प्रतियोगिता और संगोष्ठी हुई। इसकी कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने की। अतिथियों को अंग वस्त्र व तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य वक्ता अवधेश मिश्र, डॉ. सुधा बाजपेयी और डॉ. सीमा वर्मा रहे। भाषण प्रतियोगिता में आंचल वर्मा प्रथम रहीं। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. रूचि खरे रहीं।

नलिन रंजन सिंह।

प्रेमचन्द की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ: आल इंडिया कैफी आजमी अकादमी ने गुरुवार को उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचन्द की जयंती पर 'आज का दौर और मुंशी प्रेमचन्द की तरक्की पसन्दी' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रलेस, जलेस, इप्टा और जसम के सहयोग से आयोजित इस गोष्ठी की शुरुआत प्रेमचन्द के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। अकादमी के ज्वाइंट सेक्रेटरी फ्राहिम हुसैन ने अतिथियों का स्वागत किया। वक्ता वीरेन्द्र यादव ने प्रेमचन्द की प्रगतिशीलता को धार्मिक साम्प्रदायिक भेदभाव से मुक्त भारत की कल्पना बताया। सूरज बहादुर थापा ने उन्हें राष्ट्रीय कथाकार कहा। प्रो. नलिन रंजन सिंह, कौशल किशोर, प्रो. खान अहमद फारूख और प्रो. नदीम हसनैन ने प्रेमचन्द की विचारधारा को आज के समय में अधिक प्रासंगिक बताया। कार्यक्रम की संचालन प्रो. रेशमा परवीन ने की और प्रो. अली अहमद फ़ात्मी का संदेश पढ़ा। सचिव करुणा शंकर ने आभार जताया।

मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद कुलपति डॉ मनुका खन्ना और अन्य। अमृत विचार

खुन खुन जी कालेज में भी आयोजन

खुन खुन जी कालेज में प्रेमचंद जयंती का आयोजन किया गया। प्राचार्या प्रो. अंशु केडिया, प्रो. पूनम रानी भटनागर, डॉ. सत्यम तिवारी, डॉ. अंजू यादव, डॉ. सुनीता यादव ने विचार रखे। एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव, शोध छात्रा दिशा शर्मा, साक्षी, ऋचा प्रिया, काजल गुप्ता ने विचार प्रस्तुत किए।

तुलसी जयंती पर अवधी विकास संस्थान की ओर से राय उमानाथ बलीप्रेक्षागृह में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में गीत प्रस्तुत करते मिथिलेश लखनवी और संजोली पांडेय। अमृत विचार

बालिका विद्यालय इंटरमीडिएट कॉलेज में भी मनाई जयंती

मोती नगर स्थित बालिका विद्यालय इंटरमीडिएट कॉलेज में गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनाई गई। प्रधानाचार्य डॉ लीना मिश्र ने बताया की कार्यक्रम का आयोजन भारत विकास परिषद, महिला शाखा, चौक के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर परिषद की अध्यक्ष कंचन अग्रवाल, शाखा गतिविधि संयोजिका (संस्कार) संगीता अग्रवाल सहित कई शिक्षक व छात्राएं उपस्थित रहीं।

पेंशन वृद्धि के लिए की भूख हड़ताल

एसबीआई की मुख्य शाखा पर बैंक सेवानिवृत्त कर्मियों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: कोऑर्डिनेशन ऑफ बैंक पेंशनर्स एवं रिटायरीज ऑर्गेनाइजेशन (सीबीपीआरओ) की उत्तर प्रदेश इकाई की ओर से गुरुवार को एसबीआई की मुख्य शाखा के बाहर भूख हड़ताल और धरना-प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में विभिन्न बैंकों और जनपदों से आए करीब 600 पेंशनर्स और रिटायरीज शामिल रहे।

धरना सभा में महासचिव अतुल स्वरूप ने कहा कि सभी बैंक लाभ की स्थिति में हैं। केवल स्टेट बैंक का पेंशन फंड ही 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। इसके बावजूद, पेंशनरों को उनकी ही जमा धनराशि से पेंशन में वृद्धि की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने मांग की कि हर द्विपक्षीय वेतन समझौते के साथ पेंशन में भी वृद्धि की जाए। स्टेट बैंक पेंशनर्स संघ के अध्यक्ष दिनेश चंद्रा ने कहा कि जहां सरकारी पेंशनरों को पूर्व की भांति चिकित्सा सुविधाएं मिल रही हैं, वहीं बैंक पेंशनरों को अपने खर्चे पर बीमा लेना पड़ता है। सरकार ने निर्देश दिया है कि पेंशनर्स के बीमा प्रीमियम का भुगतान बैंक प्रबंधन करे, लेकिन इसका पालन नहीं हो रहा। सभा को विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों एसएन वर्मा (सेंट्रल बैंक), आरएस वर्मा (पीएनबी), आरके वर्मा (केनरा बैंक), हरिहर सिंह, रूबी (इंडियन बैंक), हरीहर गुप्ता (आईओबी) और अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। मीडिया प्रभारी अनिल तिवारी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र उचित कदम नहीं उठाया तो राष्ट्रीय स्तर पर देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा के बाहर प्रदर्शन करते सेवानिवृत्त बैंक कर्मी।

भगवान पार्श्वनाथ का मोक्षकल्याणक मनाया

अमृत विचार, लखनऊः श्रावण शुक्ल पक्ष की सप्तमी पर गुरुवार को जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्षकल्याणक श्रद्धा से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने कलशों से भगवान का अभिषेक कर विश्व शांति की कामना के साथ शांतिधारा की। डालीगंज स्थित जैन मंदिर में श्री जैन धर्म प्रवर्धिनी सभा के अध्यक्ष विनय कुमार जैन की अध्यक्षता में मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ को 23 लाडू अर्पित किए गए। वहीं इंदिरा नगर के जैन मंदिर में भगवान को पांडुकशिला पर विराजमान कर 108 स्वर्ण कलशों से अभिषेक किया गया। सौधर्म इन्द्र की भूमिका में अरुण कुमार जैन ने शांतिधारा का सौभाग्य प्राप्त किया और वैभव जैन ने भगवान को लाडू समर्पित किए। अनुरोध, ऋषभ, सौरभ, शिप्रा, अपर्णा, सुदीप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

केजीएमयू पहुंची नैक टीम, ओटी से लेकर लेक्चर हॉल तक देखा

अमृत विचार, लखनऊ: केजीएमयू में गुरुवार को नैक मूल्यांकन की टीम आ गई। दो सदस्यीय टीम ने करीब आधा दर्जन विभागों का निरीक्षण किया जबकि पांच सदस्य ऑनलाइन जुड़े थे। निरीक्षण के दौरान वीडियोग्राफी भी कराई गई। सुबह करीब 10 बजे टीम केजीएमयू पहुंची। सबसे पहले टीम जनरल सर्जरी विभाग पहुंची। यहां ओटी से लेकर लेक्चर हॉल तक देखा। वार्डों का हाल देखा। डॉक्टर व कर्मचारियों से बात चीत की। उसके बाद टीम रेस्पीरेटरी मेडिसिन विभाग पहुंची। फिर एनॉटमी विभाग गई। प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि नैक टीम पूरी तरह संतुष्ट नजर आई। निरीक्षण दो जुलाई तक चलेगा।

एक फार्मा सियूटिकल्स कंपनी ने गुरुवार को सीएमओ कार्यालय सभागार में सीएचसी, पीएचसी से आईं एएनएम को किट और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह, डिप्टी सीएमओ संदीप सिंह व निशांत निर्वाण, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी योगेश रघुवंशी, डीपीएम सतीश यादव, कंपनी कंपनी के उपाध्यक्ष व बिक्री और विपणन प्रमुख जॉय चटर्जी, मार्केटिंग हेड गुंजन आदि मौजूद रहे। अमृत विचार

सिटी डायरी

खाद्य विभाग के अधिकारियों को समस्याओं का मांग पत्र देते राइस मिलर एसोसिएशन के पदाधिकारी।

सील बंद बोरे से ही सैम्पल ले खाद्य विभाग

अमृत विचार, लखनऊ: महानगर स्थित गोल्डन सेलिब्रेशन हॉल में गुरुवार को खाद्य विभाग के अधिकारियों एवं लखनऊ दाल एण्ड राइस मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक हुई। व्यापारियों की प्रमुख समस्याएं का मांग पत्र सौंपा। अध्यक्ष भारत भूषण गुप्ता ने कहा कि किसी भी फर्म पर सैंपलिंग के समय एसोसिएशन पदाधिकारियों को बुलाना चाहिए एवं सील बंद बोरे से ही सैंपल लेना चाहिए। सैम्पल में कमी मिलने पर निर्माता पर कार्यवाही होनी चाहिए न कि व्यापारी पर। बैठक में खाद्य विभाग से वीपी सिंह, डॉ आरके सिंह, पल्लवी यादव, आजाद कुमार और एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष भारत भूषण गुप्ता, महामंत्री घनश्याम दास अग्रवाल, अजय केसरवानी, जितेंद्र अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, शिव बिहारी, अनूप बगड़िया, सुभाष अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, राम सिंघल उपस्थित रहे।

बैठक में चर्चा करते टेंट कारोबारी।

टेंट कैटर्स एंड डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन ने की बैठक

अमृत विचार, लखनऊ: टेंट कैटर्स एंड डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान व्यापारियों की एक राजाजीपुरम में गुरुवार को बैठक हुई। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि बैठक में राखी व्यापारियों ने बताया अठारह परसेंट जीएसटी को लेकर उन्हें बहुत समस्या आ रही है। इस पर उन्होंने जल्द ही उनकी समस्या उप मुख्यमंत्री के सामने रखने का आशवासन दिया है। बैठक में मोहम्मद अफजल, अनंत मिश्रा, धर्मेन्द्र आर्य आशीष टंडन, मोहम्मद जुबैर सहित अन्य व्यापारी मौजूद थे।

प्रेसवार्ता में जानकारी देते गोपाल राय।

हर महीने लाखों हिंदुओं का हो रहा धर्मांतरण

अमृत विचार, लखनऊ: विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने दावा किया है कि देशभर में हर महीने दो लाख से अधिक हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कर ईसाई और मुसलमान बनाया जा रहा है। यह एक संगठित साजिश है। कहा कि लव जिहाद, लैंड जिहाद और शिक्षा जिहाद जैसे हथियारों से यह अभियान चलाया जा रहा है। गोपाल राय ने कहा कि छांगुर बाबा प्रकरण के बाद कर्नाटक, मध्यप्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और बिहार से धर्मांतरण पीड़ित उनके पास पहुंचे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को लालच, धोखे, प्रेम जाल और भय दिखाकर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा है।

पुस्तकों को लोकार्पण करते प्रो. वीजी गोस्वमी, पूर्व डीजीपी महेश चन्द्र द्विवेदी, प्रो. उषा सिन्हा, डॉ.सुल्तान हाशमी व अन्य।

पुस्तकों का लोकार्पण

अमृत विचार, लखनऊ: नवसृजन साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था के तत्वावधान में स्मृतिशेष शिवा गोस्वामी माया प्रणीत काव्य संग्रह कौतुकी कान्हा और कहानी संग्रह 'जीवन के रंग अपनो के संग' का लोकार्पण समारोह उप्र हिन्दी संस्थान स्थित निराला सभागार में हुआ। समारोह की अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) वीजी गोस्वामी ने की। वरेण्य अतिथि महेश चन्द्र द्विवेदी, प्रो. (डॉ.) उषा सिन्हा, डॉ. सुल्तान शाकिर हाशमी, आचार्य ओम नीरव और डॉ. शिवमंगल सिंह रहे।

उपलब्धि

75 फीसदी मरीज प्रोस्टेट व किडनी, ब्लैडर, एडिनल ग्लैंड कैंसर के मरीज थे

लोहिया संस्थान में तीन माह में हुई 100 रोबोटिक सर्जरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लोहिया संस्थान के डॉक्टरों ने रोबोटिक सर्जरी का शतक लगाया है। तीन माह में 100 मरीजों की रोबोटिक सर्जरी की है। इनमें 75 फीसदी मरीज प्रोस्टेट व किडनी, ब्लैडर, एडिनल ग्लैंड कैंसर के मरीज थे। बाकी 25 फीसदी मरीज किडनी व यूरोलॉजी से संबंधित दूसरी बीमारी के थे। संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह व सीएमएस डॉ. विक्रम सिंह ने रोबोटिक सर्जरी टीम के सदस्यों को बधाई दी है।

यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट विभाग में तीन माह पहले रोबोटिक सर्जरी शुरू हुई। विभाग के अध्यक्ष डॉ. ईश्वर राम घायल ने बताया कि रोबोटिक सर्जरी सुरक्षित व कारगर है। कम समय में अधिक मरीजों की सर्जरी करना संभव हो गया है। मरीज की अस्पताल से छुट्टी भी जल्द हो रही है। इससे नए मरीजों को बेड आसानी से मुहैया कराने में मदद मिल रही है।

रोबोट से निकाली खराब किडनी

सबसे ज्यादा किडनी, प्रोस्टेट के कैंसर मरीजों की रोबोटिक सर्जरी की गई है। डॉ. ईश्वर ने बताया कि ब्लैडर और एडिनल ग्लैंड के कैंसर से पीड़ित मरीजों को भी राहत दी गई है। पेशाब के रास्ते में रूकावट व खराब किडनी को निकालने में रोबोटिक सर्जरी की गई है।

500 रोबोटिक सर्जरी की तैयारी

सीएमएस डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि संस्थान में अगले एक साल में 500 से अधिक ऑपरेशन रोबोट से किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि मरीजों को आधुनिक इलाज मुहैया कराने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

ये हैं रोबोटिक सर्जरी टीम के सदस्य

डॉ. ईश्वर राम घायल, डॉ. आलोक श्रीवास्तव, डॉ. संजीत कुमार सिंह, डॉ. अंकुश, डॉ. शिवानी, डॉ. नन्दन शामिल हैं।

एडवांस गायनी लैप्रोस्कोपिक सर्जरी पर हुई कार्यशाला

अमृत विचार, लखनऊ: लोहिया संस्थान के राम प्रकाश गुप्ता मातृ एवं शिशु रेफरल हॉस्पिटल में ईगल प्रोजेक्ट के तहत एडवांस गायनी लैप्रोस्कोपिक सर्जरी पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने कहा कि लैप्रोस्कोप से बड़े ऑपरेशन महीन सुराख से किए जा सकते हैं। इसमें मरीज को कम दर्द झेलना पड़ता है। किफायती होने के साथ अधिक सुरक्षित है। मरीज को अधिक समय अस्पताल में नहीं गुजारना पड़ता है। कहा कि लैप्रोस्कोपी व हिस्ट्रोस्कोपी सर्जरी से मरीजों को काफी फायदा हुआ है। ऑपरेशन की सफलता दर में इजाफा हुआ है। लैप्रोस्कोपी से ऑपरेशन में मरीज को कम दर्द होता है। रक्तस्राव भी कम होता है। जल्द स्वस्थ होकर रोजमर्रा का काम शुरू कर सकता है। कानपुर स्थित गहलोत आईवीएफ सेंटर की डॉ. रेनू गहलोत ने कहा कि लैप्रोस्कोप का ज्यादा प्रयोग करने पर बल दिया। डॉ. श्रीकांत ओहरी ने समस्त चिकित्सकों को स्वतन्त्र रूप से इस नवीन पद्धित से इलाज करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यशाला की कोआर्डिनेटर डॉ. आकांक्षा ने कहा कि समय-समय पर प्रशिक्षण जरूरी है। स्त्री एवं प्रसूति रोग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू सिंह ने कहा कि लैप्रोस्कोपिक विधि अधिक से अधिक चिकित्सक एडाप्ट करें। डॉ. अरविंद सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. श्रीकेष सिंह, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ. मालविका मिश्रा, डॉ. देवयानी मिश्रा, डॉ. नीति सिंह, डॉ. रूपिता कुलश्रेष्ठ, डॉ. नमिता दोहरे उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

अर्थशास्त्र विभाग में हुआ ओरिएंटेशन कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में नव प्रवेशित छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विषय प्रभारी डॉ. राहुल मिश्रा ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विभाग की शैक्षणिक परंपराओं, शोध उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं से परिचित कराया। कार्यक्रम में डॉ. मनीष कुमार द्वारा एक आदर्श विद्यार्थी में क्या-क्या गुण होने चाहिए पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर संचालन एवं आभार ज्ञापन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. उधम सिंह ने व्यक्त किया।

पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा 5 से

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में सत्र 2024–25 की पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा 5 अगस्त से आयोजित की जाएगी। परीक्षा कार्यालय द्वारा संबंधित छात्र-छात्राओं को निर्देशित किया गया है कि वे 1 अगस्त तक विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर फोटो व हस्ताक्षर अपलोड करना है। इसके पश्चात ही उनका प्रवेश पत्र तैयार किया जा सकेगा। विद्यार्थी 2 अगस्त से अपना प्रवेश पत्र पोर्टल से डाउनलोड कर सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. महेश कुमार ने सभी शोधार्थियों से समयबद्ध रूप से आवश्यक दस्तावेज़ अपलोड करने एवं पोर्टल का नियमित अवलोकन करते रहने की अपील की है, जिससे परीक्षा में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में बीए व एमए पाठ्यक्रमों में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभागीय गतिविधियों, शैक्षणिक परिवेश एवं विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन विभाग की प्राध्यापिकाओं डॉ. चेतना शर्मा एवं प्रिया देवी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. उद्यम सिंह ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना दी।

सीयूईटी व गैरसीयूईटी आवेदन 12 तक

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में यूजी अभ्यर्थियों हेतु सीयूईटी यूजी के अन्तर्गत स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम में आनलाइन आवेदन हेतु 24 जुलाई से समर्थ पोर्टल खोला गया था, जिसकी अन्तिम तिथि 31 जुलाई तक निर्धारित थी, जिसे विस्तारित करते हुए अब 12 अगस्त कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त गैर सीयूईटी यूजी अभ्यर्थियों हेतु गैर सीयूईटी यूजी के अन्तर्गत स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम में आनलाइन आवेदन हेतु 9 जुलाई से समर्थ पोर्टल खोला गया था, जिसकी अन्तिम तिथि 12 अगस्त कर दिया गया है।

तकनीक व भाषा शिक्षा के समन्वय पर रखे विचार

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पांचवीं वर्षगांठ पर दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अखिल भारतीय शिक्षा समागम का आयोजन किया गया। जिसमें ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने तकनीक और भाषा शिक्षा के समन्वय विषय पर कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षण-पद्धतियों, अनुसंधान और भाषा के माध्यम से हमारी सोच और दृष्टिकोण को प्रभावित कर रहा है। कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ देश भर से कुलपति, शिक्षाविद, नीति-निर्माता एवं नवाचार से जुड़े प्रतिनिधि भी सम्मिलित हुए।

फिजिकल फिटनेस का लिया टेस्ट

अमृत विचार , लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा एक फिजिकल फिटनेस टेस्ट का आयोजन किया गया। फिटनेस टेस्ट में कुल 37 छात्र एवं 12 छात्राओं ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों के शारीरिक गतिविधियों के प्रदर्शन के आधार पर उनकी फिटनेस का मूल्यांकन किया गया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र कुलपति महोदय के द्वारा वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग के विषय प्रभारी मोहम्मद शारिक एवं डॉ. हसन मेहदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिनमें प्रो. तनवीर खदीजा, डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी, डॉ. हारून रशीद, डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. काज़िम रिज़वी, डॉ. मिन्हाज, डॉ. नसीब एवं कनिष्ठ लिपिक श्री लाला कुमार यादव प्रमुख रूप से शामिल थे।

सुपर लीग के लिए आठ टीमों ने किया क्वालीफाई

पहली बार लीग के मुकाबले इकाना स्टेडियम पर खेले जाएंगे, प्रत्येक टीम को खेलने होंगे सात मैच

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: जिला फुटबॉल लीग में शुक्रवार से सुपर लीग के मुकाबले खेले जायेंगे। इन मुकाबलों के लिए लखनऊ फॉल्कन क्लब, लखनऊ फॉल्कन रिजर्व, टेक्ट्रो लखनऊ, टेक्ट्रो लखनऊ रिजर्व, युवा क्लब, मिलानी क्लब, एक्स स्टूडेंट मेंस यूनाइटेड और सैटसन क्लब ने अपने पूल में टॉप पर रहते हुए क्वालीफाई किया है। सुपर लीग में इन सभी टीमों को सात-सात मैच खेलने होंगे।

गौरतलब हो कि हो कि जिला फुटबॉल लीग के मुकाबले पहली बार इकाना स्टेडियम में खेले जायेंगे। इकाना के प्रशिक्षु खिलाड़ियों की टीम लखनऊ फॉल्कन क्लब और एकेडमी के नाम से लीग में भाग ले रही है। टीम के कोच चंदन बलबीर सिंह ने बताया कि सात से 14 अगस्त तक मुकाबले इकाना स्टेडियम में खेले जायेंगे। इससे हमारे खिलाड़ियों को होम ग्राउंड पर खेलने का मौका मिलेगा। अभी तक लीग में हमारी टीम एक भी मैच में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। लखनऊ फुटबॉल संघ के सचिव कन्हैया लाल के अनुसार अब तक कई मुकाबले एकतरफा दिखे हैं। अब मुकाबले में जीत के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। लीग में गुरुवार को चौक स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में लखनऊ फॉल्कन ने अपना अजेय क्रम बरकरार रखते हुए डिवाइन क्लब को 5-0 से करारी शिकस्त दी। फॉल्कन की ओर से सगूबर ने 36वें, बीरबल ने 39वें, 49वें, मानसंहम ने 78वें और नैनाल्डो ने 86वें मिनट में गोल किया। इसके पहले खेले गए मुकाबले में एक्स स्टूडेंट ने टेक्ट्रो को 3-0 से धो दिया।

जिला फुटबॉल लीग : कैन्ट स्थित दिलकुशा मैदान में स्व .सतीश कुमार शुक्ला मेमोरियल जिला फुटबाल लीग के दूसरे मैच में 11 स्टार फुटबॉल क्लब व मिडविंटर फुटबॉल क्लब के खिलाड़ी । अमृत विचार

स्पोर्ट्स कॉलेज को मिली जीत

अमृत विचार, लखनऊ : स्पोर्ट्स कॉलेज ने सतीश शुक्ला मेमोरियल फुटबॉल लीग में गुरुवार को यंग ब्लड फुटबॉल क्लब को 7-0 से बुरी तरह हरा दिया। मिड विंटर लखनऊ ने इलेवन स्टार को 3-1 से शिकस्त दी। कैंट के दिलकुशा मैदान पर खेली जा रही लीग में स्पोर्ट्स कॉलेज और यंग ब्लड के बीच हुआ मैच एकतरफा रहा। पहले हाफ में सत्यम साहनी ने दसवें, 20वें और 42वें मिनट में गोल कर हैट्रिक लगाई और टीम को 3-0 की बढ़त दिलाने में कामयाब रहे। दूसरे हाफ में आशुतोष यादव ने 48वें, 51वें और 56वें मिनट में गोल कर हैट्रिक पूरी की और टीम को 6-0 की बढ़त दिलाई। स्पोर्ट्स कॉलेज की ओर से 59वें मिनट में साकिब अहमद ने गोल कर टीम की बढ़त 7-0 पहुंचा दी जो कि मैच के अंत तक बनी रही। मिड विंटर लखनऊ और इलेवन स्टार का मुकाबला रोमांचक रहा। पहले हाफ में गौरव और सौरभ ने 20वें और 25वें मिनट में गोल कर टीम को 2-0 की बढ़त दिलाने में सफल रहे। इलेवन स्टार की ओर से एक मात्र गोल आर्यन ने 30वें मिनट में किया । मिड विंटर के सुधांशु ने 45वें मिनट में गोल किया और टीम को 3-1 से जीत दिलाई।

आधार कार्ड के लिए स्कूलों में लगेंगे शिविर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: छात्रों के प्रवेश में आधार कार्ड ने बड़ी अड़चन पैदा कर दी है। आधार कार्ड का विवरण मेल न खाने के कारण हजारों बच्चों का नामांकन अटका हुआ है। अब शिक्षा विभाग 4 अगस्त से कैंप लगाकर इस समस्या का समाधान करने जा रहा है। इसको लेकर महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने निर्देश जारी कर दिए हैं।

उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में इस वर्ष छात्र नामांकन अभियान में आधार कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेजों में गड़बड़ी ने शिक्षकों और अभिभावकों की परेशानी बढ़ा दी है। तमाम बच्चे इसलिए स्कूल में दाखिला नहीं ले पा रहे हैं क्योंकि उनके आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और स्कूल रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि या माता-पिता के नाम में अंतर है। कक्षा 1 में प्रवेश को छोड़कर अन्य कक्षाओं में नामांकन के लिए बच्चों के पूर्व रिकॉर्ड से मेल बैठाना जरूरी होता है, लेकिन आधार अपडेट कराने की जटिल प्रक्रिया ने यह काम और मुश्किल बना दिया है।प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने बताया कि कक्षा 1 के अतिरिक्त किसी भी कक्षा में यदि बच्चा दाखिला लेना चाहता है और आधार में कोई गड़बड़ी है, जैसे जन्मतिथि गलत है या माता-पिता का नाम मेल नहीं खा रहा है, तो उसमें सुधार करवाना भी आसान नहीं है। इसके चलते बच्चों का नामांकन रुक रहा है।

हैंडबॉल प्रतियोगिता 5 को

अमृत विचार, लखनऊ : जनपदीय माध्यमिक विद्यालयीय बालक वर्ग हैंडबॉल प्रतियोगिता आगामी पांच अगस्त को शहर के काली चरण इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित की जायेगी। इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता का संयोजन काली चरण इंटर कॉलेज कर रहा है। कॉलेज के शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता सोमेश कुमार और गिरजेश राज ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक छात्र संपर्क कर सकते हैं।

सुधीर बने यूपीओए के कार्यकारिणी सदस्य

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ जिला शतरंज खेल संघ के अध्यक्ष सुधीर दुबे को उप्र ओलंपिक एसोसिएशन (यूपीओए) का कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया है। सुधीर दुबे ने इस नियुक्ति के लिए एसोसिएशन महासचिव डॉ.आनन्देश्वर पाण्डेय का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि वे खेलों के विकास में अपनी भूमिका को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। वहीं एसोसिएशन महासचिव डॉ.आनन्देश्वर पाण्डेय ने कहा कि सुधीर दुबे के देखरेख में अब तक राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर के 500 से ज्यादा प्राइजमनी शतरंज टूर्नामेंट सफलतापूर्वक आयोजित हो चुके हैं। वर्तमान में वह शिवानी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के सीईओ, सत्यभामा कॉलेज ऑफ एजुकेशन के निदेशक है।

सुधीर दुबे

ओबीसी पुरुष छात्रावास में हुआ पौधरोपण

अमृत विचार, लखनऊ: बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के ओबीसी पुरुष छात्रावास में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर आम, अमरूद, जामुन और बेल जैसे बहुपयोगी व फलदायक पौधे लगाये गये। कार्यक्रम के दौरान बागवानी से जुड़े विशेषज्ञों ने पौधों की वृद्धि, पोषण और संरक्षण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि लगाए गए पौधे दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित और फलदायक बनें।

परिषदीय विद्यालयों में बढ़ाई गई टीएलएम की धनराशि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **प्रत्येक छात्र को 25 रुपये की दर से धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी**
- **राशि बढ़ने से स्थानीय संसाधनों से उपयोगी सामग्री तैयार करने में मिलेगी सहूलियत**

अमृत विचार: परिषदीय विद्यालयों में कक्षा एक से पांच तक के बच्चों के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) की राशि बढ़ा दी गई है। अब प्रत्येक छात्र को 25 रुपये की दर से धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। पहले यह राशि विद्यालय स्तर पर 20 रुपये तक थी, जिसे अब एक समान रूप से 25 रुपये कर दिया गया है।

यह बढ़ी हुई धनराशि आगामी शैक्षिक सत्र 2025-26 से प्रभावी होगी। टीएलएम राशि से विद्यालयों में छात्रों के प्रोजेक्ट वर्क, साप्ताहिक मूल्यांकन, चार्ट, कैलेंडर, ग्राफ पेपर जैसी सामग्रियों की व्यवस्था की जाएगी।

वहीं, इस निधि से झाड़ू, कूड़ेदान, स्टेशनरी और सजावटी सामग्री जैसे गैर-शैक्षिक सामान नहीं खरीदे जाएंगे। ब्लॉक और जिला स्तर पर निगरानी टीमों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शिक्षक स्थानीय संसाधनों से शिक्षण सामग्री तैयार करें और कक्षा में उसका समुचित प्रयोग हो। बीएसए राम प्रवेश ने बताया कि शिक्षण अधिगम सामग्री की राशि बढ़ने से शिक्षकों को बच्चों के स्तर के अनुसार स्थानीय संसाधनों से उपयोगी सामग्री तैयार करने में सहूलियत मिलेगी।

विद्यालयों की आज से जानेंगे हकीकत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **समग्र शिक्षा के तहत मंडलवार दो-दो अधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी**

अमृत विचार: प्रदेश के बेसिक, माध्यमिक व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के नामांकन, पठन-पाठन, निर्माण, विभिन्न योजनाओं की हकीकत जानने के लिए शुक्रवार से अधिकारियों की टीम ग्राउंड में उतरेगी।समग्र शिक्षा के तहत मंडलवार दो-दो अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। यह एक से 14 अगस्त के बीच स्थलीय निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट देंगे। राज्य परियोजना निदेशालय की ओर से जारी निर्देश के अनुसार इन अधिकारियों को सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालय, मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय के निर्माण की प्रगति, विद्यालय परिसर में जीर्ण शीर्ण, निष्प्रयोज्य ढांचा, ध्वस्तीकरण की स्थिति, स्वीकृत निर्माण की प्रगति, फर्नीचर, नए नामांकन, परिवार सर्वे, लर्निंग बाई डूइंग, बाल वाटिका व यूकेजी अलग से चलने की स्थिति,आईसीटी, स्मार्ट क्लास, खेलकूद सामग्री, ईसीसीई एजुकेटर की तैनाती आदि की स्थिति देखनी है।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा के अनुसार निरीक्षण टीम को मंडल के कम से कम दो जिलों में एक-एक पीएमश्री विद्यालय, 1 केजीबीवी, 1 परिषदीय प्राथमिक, 1 को लोकेटेड आंगनबाड़ी, 1 उच्च प्राथमिक, 1 इंटर, 1 सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण करना होगा। उन्होंने निर्देश दिया है कि निरीक्षण के साथ ही यह अधिकारी मंडल व जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे।

उन्होंने चेकलिस्ट का प्रारूप उपलब्ध कराते हुए निर्देश दिया है कि निरीक्षण व बैठक की रिपोर्ट प्रेरणा निरीक्षण ऐप पर अपलोड करनी होगी। इसमें क्रियाशील विज्ञान प्रयोगशाला, आईसीटी के संबंध में सूचना, बालिका छात्रावास की स्थिति, उच्चीकृत इंटर कॉलेज, नए राजकीय हाईस्कूल, कक्षा 9-10 व 11-12 की गणित व विज्ञान किट की उपलब्धता के बारे में जानकारी देनी है।

फीस वसूली के खिलाफ छठे दिन भी जारी रहा धरना

अमृत विचार, लखनऊ : इको गार्डन में निजी स्कूलों की मनमानी फीस वसूली के खिलाफ राष्ट्रीय छात्र पंचायत का धरना गुरुवार को छठे दिन भी जारी रहा। बारिश और खराब मौसम के बावजूद छात्रों और अभिभावकों का उत्साह कम नहीं हुआ। प्रदर्शनकारी लगातार मांग कर रहे हैं कि सरकार उत्तर प्रदेश में फीस रेगुलेशन कानून लागू करे। राष्ट्रीय छात्र पंचायत के अध्यक्ष शिवम पांडे ने राज्य के सभी 403 विधायकों को पत्र भेजकर मानसून सत्र में फीस नियंत्रण कानून लाने की मांग उठाने का आग्रह किया है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि निजी स्कूल हर साल फीस में मनमानी बढ़ोतरी करते हैं और अतिरिक्त शुल्कों के नाम पर अभिभावकों का आर्थिक शोषण करते हैं। यह मामला प्रदेश की जनता से जुड़ा है, इसलिए सदन में इस मुद्दे को उठाना जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है।

शिक्षकों ने शिक्षा भवन पर दिया धरना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. माध्यमिक शिक्षक संघ (पाण्डेय गुट) के नेतृत्व में शिक्षकों ने गुरुवार को पुरानी पेंशन, सेवा सुरक्षा शर्तों की बहाली, तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण, आमेलित शिक्षकों को पुरानी पेंशन, कैशलेस इलाज समेत लंबित मांगों को लेकर शिक्षा भवन में धरना दिया।

संगठन के अध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सम्बोधित 15 सूत्री ज्ञापन डीआईओएस राकेश कुमार को दिया। प्रदेश संयुक्त मंत्री मिथिलेश कुमार पांडेय ने कहा कि पुरानी पेंशन की बहाली, निदेशालय स्तर पर लंबित बचे शिक्षकों की पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाए। संरक्षक भगवान शंकर त्रिवेदी ने कहा कि दर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण किया जाए और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने की मांग उठाई।

सिटी स्टेशन रोड स्थित शिक्षा भवन में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करते माध्यमिक शिक्षक संघ के सदस्य। अमृत विचार

संस्कृत के छात्र भी नवाचार में कर रहे कमाल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **श्रीशिवप्रसाद महाविद्यालय व अन्य विद्यालयों के 5 नवाचारी आइडियाज़ का हुआ नामांकन**

अमृत विचार: देववाणी कही जाने वाली संस्कृत भाषा के छात्र भी किसी से कम नहीं है। नवाचार के क्षेत्र में संस्कृत के छात्र भी कमाल कर रहे हैं। श्रीशिवप्रसाद महाविद्यालय और जिले के अन्य संस्कृत विद्यालयों के छात्रों के पांच नवाचारी मॉडल अब तक नामांकित हो चुके हैं। इतना ही नहें, ये छात्र संस्कृत विषय के अलावा गणित व विज्ञान समेत कम्प्यूटर में भी प्रवीण बनाए जा रहे हैं। इन महाविद्यालयों के छात्रों व शिक्षकों से निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जानकारियां हासिल किया।

श्रीशिव प्रसाद संस्कृत महाविद्यालय व श्रीशारदा संस्कृत महाविद्यालय का निरीक्षण विशेष सचिव उत्तर प्रदेश शासन उमेश व श्रीशिव लालजी, जिला विद्यालय निरीक्षण राकेश कुमार व उप निरीक्षक संस्कृत पाठशाला लखनऊ मंडल दिनेश चंद्र द्वारा किया गया। विद्यालय में पठन-पाठन सुचारू रूप से चल रहा था जिस पर अधिकारियों ने संतोष प्रगट किया। विशेष सचिव ने छात्रों से संस्कृत व्याकरण, साहित्य ज्योतिष, वेद सहित अनेक विषयों पर प्रश्न किया जिसका छात्रों ने समुचित उत्तर दिया। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों की टीम ने शिवप्रसाद संस्कृत विद्यालय के छात्रावास का भी निरीक्षण किया व उसके विस्तार व विद्यालय के जीर्णशीर्ण भवन के पुनर्निर्माण हेतु प्रोजेक्ट अलंकार द्वारा निर्माण कराए जानें का निर्देश दिया। इन अधिकारियों के अलावा सचिवालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार नें विद्यालय में स्मार्ट क्लास बनाने व छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा हेतु कंप्यूटर लैब बनाने का आश्वासन दिया। मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि संस्कृत विद्यालयों में संस्कृत ही नहीं अब विज्ञान की गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं।

महाविद्यालय के निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारी व विद्यार्थी। अमृत विचार

लविवि के शिक्षक ने फिर किया विवादित पोस्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर रविकांत ने एक बार फिर विवादित पोस्ट किया है। गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर ताबड़तोड़ दो पोस्ट करके मोदी सरकार पर जबरदस्त निशाना साधा। पहले पोस्ट में जहां अमेरिका के भारत के ऊपर टैरिफ लगाने के ऐलान को लेकर सरकार को घेरा है। वहीं, दूसरे पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि धीरेंद्र शास्त्री महिलाओं की तस्करी करते हैं।

गुरुवार को दोपहर 2 बजकर 23 मिनट पर X पर किया गए पोस्ट में लिखा है.. नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित छोटा भाई धीरे शास्त्री धर्म की आड़ में महिला तस्करी कर रहा है। इसकी गहन जांच करवाकर दोषी पाए जाने पर धीरेंद्र को फांसी होनी चाहिए। दूसरे पोस्ट में लिखा है कि पहले भारतीयों के हाथ में हथकड़ी, फिर सीजफायर की धमकी, अब 25 फीसदी टैरिफ और जुर्माना। मोदी जी की ट्रंप से दोस्ती की और कितनी कीमत देश चुकाएगा।

लविवि: दो छात्र गुटों में मारपीट

अमृत विचार , लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्चस्व को लेकर दो छात्र गुटों में जमकर मारपीट हुई। दोपहर करीब दो बजे राजनीति शास्त्र विभाग और हिंदी विभाग के कुछ छात्रों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई जिसके बाद मामला मारपीट में बदल गया। जिससे विश्वविद्यालय परिसर में शोरगुल और अशांति का माहौल बन गया। मारपीट की घटना से छात्र-छात्राओं में दहशत कायम हो गया। विश्वविद्यालय सूत्रों का कहना है कि इस घटना में कुछ बाहरी छात्रों के शामिल होने की आशंका भी है। छात्रों में मारपीट विश्वविद्यालय में अपना वर्चस्व कायम करने का लेकर है। मारपीट की घटना में शामिल दस छात्रों को हिरासत में लेने की सूचना मिल रही है।

योजना

दिव्यांगों के लिए दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संस्थान बनाने की हो रही पहल

विश्व स्तर पर सेंटर फॉर एक्सीलेंस बनेगा पुनर्वास विश्वविद्यालय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **करीब 5 हजार कृत्रिम अंग दिव्यांगों को निशुल्क दिया जा चुका है**

अमृत विचार : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय दिव्यांगों के लिए प्रदेश और देश का ही नहीं इसे विश्व स्तरीय संस्थान विकसित करने की योजना है। दिव्यांगों के लिए विश्वस्तर पर सर्वश्रेष्ठ सेंटर फार एक्सीलेंस बनाए जाने की योजना है। कुलपति आचार्य संजय सिंह ने एक साक्षात्कार में बताया कि विश्वविद्यालय दिव्यांगों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। विश्वविद्यालय आने वाले दिनों में दुनिया भर के दिव्यागों के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस बनेगा।

कुलपति आचार्य संजय सिंह ने बातचीत में बताया कि दिव्यांगों के भौतिक पुनर्वासन एवं दिव्यांगजनों को निशुल्क अंग प्रदान किए जाने हेतु विश्वविद्यालय में 'कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र' स्थापित है। इस केंद्र द्वारा पंजीकरण और निशुल्क परामर्श सेवा के माध्यम से अब तक 7021 दिव्यांग लाभान्वित हो चुके है। साथ ही अबतक इस केंद्र द्वारा 4892 दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं उपकरण प्रदान किये गये हैं। इस दिशा में दो नवीन ईकाई जिसमें आधुनिक माड्यूलर कृत्रिम अंग और आधुनिक विपाटन (स्पिल्टिंग) तकनीक की सुविधा दिव्यांगजनों हेतु प्रारम्भ की गई है।

> मैं अपनी आंखे बंद कर उनके लिए चला, मैंने टेलीविजन की आवाज बंद कर के मूक दृश्यों को समझने की चेष्टा की। तब मैं समझ पाया की इनको कितने दर्द से गुजरना पड़ता है। यह विश्वविद्यालय स्पेशल लोगों के लिए कार्य कर रहा है, इसके लिए इसके शिक्षकों और समूचे विश्वविद्यालय को स्पेशल स्टेटस मिलना चाहिए।
>
> **-आचार्य संजय सिंह**
> **कुलपति, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय**

श्रीडी प्रिंटिंग तकनीक से बनते हैं कृत्रिम अंग

विश्वविद्यालय का कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला 3डी प्रिन्टिंग तकनीक का प्रयोग करता है। दिव्यांगजनों को बेहतर सुविधा प्रदान करते हुए दिव्यांगता के क्षेत्र में उन्नत अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने पहल कर रहा है।

1149 श्रवण बाधितों का हुआ इलाज

विश्वविद्यालय में स्थापित डेफ कॉलेज द्वारा श्रवण बाधितों, ऑटिस्टिक बच्चों, सेरिब्रल पाल्सी से ग्रसित बच्चे एवं विभिन्न वाणी बाधित के मरीजों हेतु नैदानिक सेवायें भी प्रदान की जा रही है। अब तक कुल 1149 श्रवण बाधितों का इलाज हो चुका है। प्रति माह लगभग 450-600 बच्चों की स्पीच लैंग्वेज थेरेपी संचालित होती है।

एमओयू के दौरान मौजूद मुख्यमंत्री व इंटीग्रल विश्वविद्यालय के पदाधिकारी।

इंटीग्रल विवि व मुख्यमंत्री युवा मिशन के बीच साझेदारी

अमृत विचार , लखनऊ : मुख्यमंत्री युवा कॉन्क्लेव और एक्सपो 2025 में यूनिवर्सिटी के इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री युवा मिशन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर दस्तखत किए। इस समझौता ज्ञापन को डॉ. सैयद नदीम अख्तर, प्रो-चांसलर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में प्राप्त किया। इस समझौते के तहत इंटीग्रल यूनिवर्सिटी अब स्किल डेवलपमेंट, स्टार्टअप, स्वरोजगार और नए बिजनेस आइडियाज पर काम करेगी, ताकि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार देने वाले भी बन सकें। कार्यक्रम की खास बात रही यूनिवर्सिटी की पूर्व छात्रा तूबा सिद्दीकी, जिनका स्टार्टअप सॉइल कॉन्सेप्ट (इको-फ्रेंडली होम और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स) इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन से शुरू हुआ और आज राज्य की सीएम युवा उद्यमी योजना की मदद से तरक्की कर रहा है। उन्होंने अपने अनुभव मंच पर साझा किए और कई युवाओं को प्रेरणा दी। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह सिर्फ एक यूनिवर्सिटी नहीं युवाओं के सपनों को हकीकत में बदलने का मजबूत मंच है।

न्यूज ब्रीफ

स्कूलों को बंद करने का फैसला राजनीतिक

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का फैसला राजनीतिक है। इस सरकार में वही स्कूल बंद किए गए हैं, जहां पर वोट पड़ते थे, और सपा चुनाव में जीतती थी। सपा प्रमुख गुरुवार को संसद परिसर में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के अधिकार का कानून है कि सभी बच्चों को शिक्षा मिलेगी, स्कूल बच्चों के घर के पास हो। सपा सरकार में लखनऊ में संस्कृति स्कूल बनाया गया था। बनने के बाद स्कूल चलाया गया लेकिन भाजपा सरकार ने उसे बंद कर दिया। भाजपा का ध्यान शिक्षा पर नहीं है उसका ध्यान वोट कहां पड़ेगा, उस पर है।

करोड़ों की छात्रवृत्ति घोटाले में प्रबंधक गिरफ्तार

लखनऊ, अमृत विचार : हाथरस में हुए करोड़ों रुपये के छात्रवृत्ति घोटाले में श्रीकृष्णा पीजी कालेज के प्रबन्धक राजेश कुमार उर्फ राजीव गुप्ता को ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अब तक 11 आरोपी गिरफ्तार हो चुके है। पिछड़ा वर्ग के 2009-10 में कक्षा-8 से स्नातकोत्तर तक के छात्रों को दी जाने वाले छात्रवृत्ति के पौने तीन करोड़ रुपये फर्जीवाड़ा कर हड़प लिये गये थे। ईओडब्ल्यूड अधिकारी के राजीव गुप्ता को टीम ने एटा से गिरफ्तार किया। राजीव गुप्ता श्रीकृष्ण पीजी कॉलेज का प्रबंधक है।

अमेठी : कुएं में उतरे दो सगे भाई, एक की मौत

जगदीशपुर अमेठी, अमृत विचार। घर के निकट स्थित कुएं में गिरे बकरी का बच्चे को बचाने उतरे दो सगे भाई बेहोश हो गए। उन्हें ईलाज के लिए अस्पताल पर भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया, दूसरे का इलाज जारी है। कमरौली थाना क्षेत्र के पूरे छिटई सिंदूरवा निवासी फरहान (17) के पास स्थित कुएं में अचानक बकरी का बच्चा गिर गया। उसे बचाने उतरा फरहान कुएं के अंदर बेहोश हो गया, भाई के बेहोश होने की सूचना पर बड़ा भाई आमिर (25) उसे बचाने के लिए कुएं में उतर गया। वह भी बेहोश हो गया। इस पर गांव वालों ने घटना सूचना फायर विभाग को दी। मौके पर पहुंचे फायर कर्मियों ने दोनों को बेहोशी की हालत में कुएं से बाहर निकाला। परिजन उन्हें लेकर सीएचसी गए, जहां डॉक्टर ने आमिर को मृत घोषित कर दिया, वहीं फरहान का इलाज जारी है। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम से इंकार कर दिया।

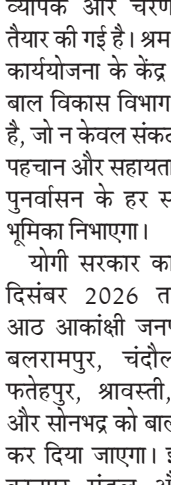

फाइल फोटो।

अकबर के सॉफ्ट चेहरे के पीछे थी क्रूरता : योगी

सीएम बोले, महाकवि तुलसी जी ने नहीं स्वीकारा दरबारी कवि बनना, प्रभु श्रीराम की सेवा करते रहे

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विदेशी आक्रांता अकबर के साफ्ट चेहरे के पीछे क्रूरता थी। उस समय जब उसके नवरत्नों में शामिल होने की होड़ मची थी, महाकवि तुलसीदास ने उसका दरबारी कवि बनना स्वीकार नहीं किया बल्कि अपना जीवन प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित कर दिया।

मुख्यमंत्री गुरुवार को तुलसीतीर्थ राजापुर में महाकवि तुलसी जयंती के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होने आए थे। उन्होंने इस मौके पर तुलसी जन्मकुटीर और मानस मंदिर में पूजा अर्चना की।

लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री।

तुलसी रिसोर्ट में संत मोरारी बापू की अगुवाई में चल रहे कार्यक्रम में हिस्सा लिया। योगी ने कहा कि तुलसी दास ने संवत् 1594 में सनातन धर्म के माध्यम से गुलामी के उस कालखंड में एक नई क्रांति को जन्म दिया था। राजापुर उनके जन्म से अमर हो गया। कहा कि 527 साल पहले यहां की क्या स्थिति रही होगी। क्षेत्र अभावग्रस्त रहा होगा। तब एक विभूति ने सामान्य धर्मपरायण परिवार में जन्म लेकर मां-बाप के साये से वंचित होकर अपने आप को प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित कर दिया। अकबर के कालखंड में जब उसके नवरत्नों में शामिल होने की होड़ मची थी तब रामबोला नामकी इस विभूति ने इससे इंकार किया था कि यह मेरी प्रवृत्ति नहीं है कि मैं दरबारी बनकर किसी विदेशी आक्रांता की शरण में जाऊं। मैं अपने को प्रभु राम के चरणों में समर्पित करता हूं। यह तब था जब तमाम राजे रजवाड़े अकबर के प्रति समर्पण का भाव रखकर दासता स्वीकार कर रहे थे। गुलामी के उस कालखंड में भी कुछ विभूतियां थीं, जिन्होंने भक्ति और शक्ति के संगम को खड़ा करके जनचेतना को जागरूक किया था। कौन नहीं जानता कि अकबर ने अपना साफ्ट चेहरा लोगों के सामने रखा था लेकिन उसके पीछे की क्रूरता क्या थी। तब भी पूज्य संतों ने उसका प्रतिकार किया। प्रतिकार का तरीका सिर्फ लड़ना नहीं, बल्कि जागरूक करना भी होता है, जो तुलसीदास जी ने किया।

कुछ लोगों का काम ही है संतों को विवादित करना

चित्रकूट। आयेदिन कथावाचकों, संतों पर लोगों द्वारा की जाने वाली टीका टिप्पणियों पर मुख्यमंत्री ने रोष व्यक्त किया। कहा कि कुछ लोगों का काम ही है, संतों को विवादित करना। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य, संत प्रेमानंद महाराज आदि के प्रवचनों के दौरान की गई बातों के कुछ हिस्सों को लेकर विवाद पैदा करने की कोशिश की गई। मुख्यमंत्री इससे विचलित नजर आए। उन्होंने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि जिसके मन में जो भाव होगा वही काम करेगा। उन्होंने बताया कि जब रामजन्म भूमि आंदोलन आगे बढ़ा और लिब्रहान कमीशन बना तो साक्ष्य के लिए जगद्गुरु रामभद्राचार्य को बुलाया गया और जब उन्होंने बोला तो लोग भौंचक रह गए। यही ईश्वर की कृपा है।

फर्जी दस्तावेजों से हड़पी 7.12 एकड़ सरकारी भूमि

संवाददाता, बलरामपुर

डीएम ने दर्ज कराया केस

- **चकबंदी और राजस्व विभाग के अफसर भी जांच के घेरे में**

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भू-माफिया के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बलरामपुर में एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल के निर्देश पर 7.12 एकड़ सरकारी जमीन को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हड़पने के मामले में कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। मामले में चकबंदी व राजस्व विभाग के अधिकारियों की संलिप्तता भी उजागर हुई है, जिन पर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जांच में सामने आया कि जुलाई 2017 में तत्कालीन चकबंदी अधिकारी कैलाश चन्द्र भारती ने उमानाथ, विष्णु प्रताप, राकेश, रघूराज, महेंद्र पाल के पक्ष में आदेश पारित कर दिया। इसके बाद नामांतरण की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। बता दें कि तहसील बलरामपुर की ग्राम सभा बलरामपुर देहात के गाटा संख्या 1655 और 1671 की जांच के लिए डीएम ने एक संयुक्त समिति गठित की थी। जांच में सामने आया कि वर्ष 1982-83 में चकबंदी प्रक्रिया के दौरान उक्त भूमि को सरकारी खाते से हटाकर कूटरचित तरीके से मोहम्मद शाह के नाम दर्ज किया गया। इसमें तत्कालीन चकबंदी लेखपाल, चकबंदीकर्ता और सहायक चकबंदी अधिकारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई है।

फर्जी वसीयत से भूमिधरी हासिल की

इस जमीन को मन्नरमाला पत्नी जुम्मन निवासी कालीथान ने फर्जी वसीयत से अपने नाम कराकर भूमिधरी हासिल कर ली। मन्नरमाला ने जमीन का बैनामा बृजराज सिंह, संध्या सिंह और विभा सिंह आदि के नाम कर दी, जिन्होंने नायब तहसीलदार से अपने पक्ष में नामांतरण भी करा लिया।

लंबी है लिस्ट

फर्जीवाड़े में अजीज अहमद खां व रशीद अहमद खां के वारिस मुजीब अहमद, मुईन अहमद खां, सुहेल अहमद खां, शुएब अहमद खां, शाकारा खान, रिजवान अहमद, रिहान अहमद और इमरान अहमद के नाम भी सामने आए हैं। इन सभी ने पुराने आदेशों और दानपत्र के सहारे जमीन पर हक जताया और अदालत से निर्णय भी हासिल कर लिए। लखनऊ निवासी रमेश गुप्ता ने भी उक्त जमीन पर दानपत्र के आधार पर आदेश हासिल कर लिया।

जांच में सभी नाम फर्जी पाए गए हैं और भूमि राजस्व अभिलेखों में सरकारी है। फर्जीवाड़े में शामिल सभी व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। प्रकरण में लिप्त चकबंदी व राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। 7.12 एकड़ जमीन को पुनः सरकार के नाम दर्ज कराने की विधिक प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

-पवन अग्रवाल, डीएम, बलरामपुर

रेल मंत्रालय की चार परियोजनाएं हुईं मंजूर

नई दिल्ली, अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज रेल मंत्रालय की कुल 11,169 करोड़ रुपये लगभग लागत वाली चार परियोजनाओं को अनुमति प्रदान की। इन परियोजनाओं में इटारसी नागपुर चौथी लाइन औरंगाबाद छत्रपति संभाजीनगर परभणी दोहरीकरण अलुआबारी रोड- न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन डांगोपोसी- जारोली तीसरी और चौथी लाइन की क्षमता वृद्धि शामिल हैं। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव संचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़ को कम करने के लिए निर्मित किए गए हैं। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नवीन भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

तबादला एक्सप्रेस : 39 डिप्टी एसपी इधर-उधर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

- **लखनऊ कमिश्नरेट से नेहा त्रिपाठी व धर्मेंद्र सिंह का स्थानांतरण**

अमृत विचार : शासन ने गुरुवार को 39 डिप्टी एसपी के तबादले कर दिये। देर शाम को जारी आदेश के अनुसार गौरव कुमार शर्मा को एसीओ लखनऊ जोन से डिप्टी एसपी नागरिक उड्डयन एयरपोर्ट लखनऊ, हर्षिता गंगवार महोबा से तकनीकी सेवाएं, सीमा यादव को मंडलाधिकारी मुरादाबाद से सहायक सेनानायक 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद बनाया गया है।

इसी तरह शिव ठाकुर को बुलंदशहर से मंडलाधिकारी मुरादाबाद, दीपक कुमार सिंह-2 सीतापुर से मंडलाधिकारी आगरा, नेहा त्रिपाठी एसीपी लखनऊ से सीतापुर, सत्य प्रकाश शर्मा मैनपुरी से सहायक सेनानायक 8वीं वाहिनी पीएसी बरेली, ऋषिकांत शुक्ला उन्नाव से मैनपुरी, तेज बहादुर सिंह एसीपी कानपुर से उन्नाव, धर्मेंद कुमार सिंह एसीपी लखनऊ से सहायक सेनानायक 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी, शैलजा मिश्रा मुरादाबाद से पीटीसी मुरादाबाद, विजय प्रताप यादव-1 पुलिस मुख्यालय से सहायक सेनानायक 48वीं पीएसी सोनभद्र, सुमित त्रिपाठी बाराबंकी से सहायक सेनानायक 2वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर, प्रभात कुमार-2 बलिया से डिप्टी एसपी केंद्रीय वस्त्र भंडार कानपुर, रुद्र कुमार सिंह मुरादाबाद से एसीपी प्रयागराज, विजय प्रताप यादव-2 बांदा साइबर क्राइम से एसीपी कानपुर, अनुज कुमार सिंह महाराजगंज से गोरखपुर, गवेंद्र पाल गौतम खीरी से सहायक सेनानायक 45वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ बनाया गया है।

वहीं, अरविंद कुमार-2 एसीपी नोएडा से खीरी, आभा सिंह महाराजगंज से देवरिया, शिव प्रताप सिंह-1 देवरिया से महाराजगंज, आनंद कुमा-4 पुलिस मुख्यालय से सहायक सेनानायक 25वीं वाहिनी रायबरेली, श्वेताभ भास्कर अमरोहा से अमेठी, अखिलेश राजन पुलिस मुख्यालय से बांदा, राकेश कुमार नायक सहायक सेनानायक 28वीं वाहिनी पीएसी इटावा से 1वीं वाहिनी एसएसएफ लखनऊ, राम शब्द पुलिस मुख्यालय से फिंगर प्रिंट ब्यूरो, लखनऊ, अमित कुमार एसीपी कानपुर से पीटीएस मेरठ, प्रदीप कुमार यादव सहायक सेनानायक 5वीं वाहिनी एसएसएफ सहारानपुर से एसीपी लखनऊ, राम सिंह यादव-2 जालौन से एसीपी वाराणसी, अंबुज सिंह यादव एसीपी गाजियाबाद से जालौन, उमेश कुमार पांडेय जालौन से सहायक सेनानायक 3वी वाहिनी एसएसएफ प्रयागराज, जयशंकर मिश्र अलीगढ़ से बलिया, जगमोहन सिंह पुलिस मुख्यालय, शिल्पा कुमारी हरदोई से गोरखपुर, आशुतोष चंदौली से मुख्यमंत्री सुरक्षा, संगम कुमार एटीसी सीतापुर से बाराबंकी, दिनेश कुमार पाठक एलआईयू अयोध्या से एटीसी सीतापुर, शैलेंद्र सिंह को अयोध्या से एलआईयू अयोध्या और पुरूषोत्तम शर्मा सहायक सेनानायक 15वीं वाहिनी पीएसी को 43वीं पीएसी एटा का सहायक सेनानायक बनाया गया है।

औद्योगिक मांग के अनुरूप तैयार होगी कार्यशक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रिकॉर्ड लक्ष्य आवंटन किया गया है। पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए जिलों की औद्योगिक मांग, उपलब्ध संसाधनों, सेवायोजन क्षमता और पूर्व उपलब्धियों का गहराई से विश्लेषण किया गया। इसके आधार पर प्रशिक्षण प्रदाताओं को कार्यशक्ति तैयार करने के लक्ष्य दिए गए।

इस बार हर प्रशिक्षण प्रदाता को अधिकतम पांच जिलों तक सीमित किया गया है, ताकि कुछ संस्थानों का वर्चस्व न रहे और क्षेत्रीय संतुलन बना रहे। आकांक्षी जनपदों और ब्लॉकों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें शत प्रतिशत प्रशिक्षण केंद्रों से आच्छादित किया गया है। जहां पिछले वर्ष आवासीय प्रशिक्षण मात्र 1 फीसदी था, उसे बढ़ाकर 36 फीसदी कर दिया गया है क्योंकि ऐसे प्रशिक्षण में छात्रों की उपस्थिति और गुणवत्ता बेहतर देखी गई है। वहीं, औद्योगिक इकाइयों की भागीदारी को 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 47 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण और बेहतर सेवायोजन सुनिश्चित हो सके।

महिलाओं और दिव्यांगों को प्राथमिकता : प्रशिक्षण प्रदाताओं के लिए महिलाओं के लिए 33 और दिव्यांगों के लिए 5 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया है ताकि समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके। इस बार ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, डिजिटल टेक्नोलॉजी, कंटेंट क्रिएटर, ग्रीन जॉब्स और सोलर एनर्जी जैसे भविष्य के उपयोगी कौशलों को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। सीपेट, यूपिको जैसी विशिष्ट संस्थाओं को भी कुल 810 लक्ष्यों का आवंटन कर युवाओं को नई दिशा देने की पहल की गई है।

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम ABRAR था, जिसे बदलकर अब ABRARA रख लिया है। अब मुझे ABRARA के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O RAHMAT ALI, ADDRES-BUDDHA VIHAR COLONY CHINHAT, LUCKNOW-277106

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत इन्जीनियर(टीआरएस) लोको शेड पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा सूचना सं० M/DSL/IZN/TC/OT/102 के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य के लिए सिंगल पैकेट सिस्टम के आधार पर खुली ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है :-

कार्य का नाम : रेट्रो फिटमेंट ऑफ एयर कण्डीशनिंग इन कैब्स विद प्रोवीजन ऑफ थर्मल इन्सूलेशन ऑफ कैब्स इन इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स ऑफ लोको शेड, इज्जतनगर। कार्य की अनुमानित कुल लागत (रू० में) : 3,77,48,165/- (सभी कर सहित), अर्नेस्ट मनी/बिड सिक्योरिटी (रू० में) : 3,38,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य - रूपये 0.00 (शून्य), कार्य की अवधि - 24 माह। ई-निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 26.08.2025 को समय 15:00 बजे।

- निविदाकार ई-निविदा को दिनांक 26.08.2025 को समय 15:00 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेगें। • पूर्ण विवरण एवं ई-निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर(टीआरएस), इज्जतनगर

मुजाधि/विद्युत - 105

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर प्रदेश पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

विद्युत पारेषण मण्डल-I लखनऊ

ई-निविदा सूचना, दिनांक 31.07.2025

निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

पत्रांक: 2106/वि.पा.मं.(प्र.)ल./निविदा मण्डल दिनांक: 31.07.2025

1. **अति अल्पकालीन ई-निविदा संख्या 41** - वि.पा.मं.(प्र.)ल./2025-26, विद्युत पारेषण खण्ड-II, लखनऊ के अन्तर्गत 132 के0वी0 उपकेन्द्र खुर्रम नगर एवं 132 के0वी0 उपकेन्द्र सहारा सिटी होम्स पर स्थापित 63/40 एम0वी0ए0 परिवर्तकों के Centrifuging/Dehydration of complete transformer oil का कार्य हेतु ई. निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनाँक 02.08.2025 को प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू0 02.31 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रु. 2500.00 ऑन लाइन ई. निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनाँक 07.08.2025 को 16:00 बजे तक है। **2. ई-निविदा संख्या 42-** वि.पा.मं.(प्र.)ल./2025-26, विद्युत पारेषण खण्ड-II, लखनऊ के अन्तर्गत 220 के0वी0 उपकेन्द्र सी0जी0 सिटी पर मेल एवं फीमेल कान्टैक्ट एवं विभिन्न टर्मिनल कनेक्टर क्रय किये जाने हेतु ई. निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनाँक 02.08.2025 को प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू0 1.87 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रू. 2000.00 ऑन लाइन ई. निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनाँक 25.08.2025 को 16:00 बजे तक है। **3. अति अल्पकालीन ई-निविदा संख्या 43-** वि.पा.मं.(प्र.)ल./2025-26, विद्युत पारेषण खण्ड-II, लखनऊ के अन्तर्गत 220 के0वी0 उपकेन्द्र कुर्सी रोड़ पर 220/132 के0वी0 160 एम0वी0ए0 परिवर्तक- III के R एवं B फेज 132 के0वी0 साइड युशिंग के ऑयल लीकेज को दूर करने हेतु ई. निविदा आमन्त्रित की गयी है, जिसे www.etender.up.nic.in पर दिनाँक 02.08.2025 को प्रकाशित किया जायेगा। कार्य की अनुमानित लागत रू0 0.98 लाख (कर सहित) का कार्य की अवधि 01 माह धरोहर धनराशि रू. 1000.00 ऑन लाइन ई. निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनाँक 07.08.2025 को 16:00 बजे तक है। विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र बेवसाइट- http//etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनायें बेवसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी। ''राष्ट्रहित में बिजली बचाएं'' **अधीक्षण अभियन्ता विद्युत पारेषण मण्डल-I, उ.प्र. पावर ट्रान्स. कारपोरेशन लि. कक्ष सं. 111 से 114, भू-तल, पारेषण भवन विभूति खण्ड-II, निकट मंत्री आवास, गोमती नगर, लखनऊ।**

यूपी को बाल श्रम से मुक्त कराने की बनी कार्ययोजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य को बाल श्रम से पूरी तरह मुक्त कराने के लिए व्यापक और चरणबद्ध रणनीति तैयार की गई है। श्रम विभाग की इस कार्ययोजना के केंद्र में महिला एवं बाल विकास विभाग को रखा गया है, जो न केवल संकटग्रस्त बच्चों की पहचान और सहायता करेगा, बल्कि पुनर्वासन के हर स्तर पर प्रमुख भूमिका निभाएगा।

योगी सरकार का लक्ष्य है कि दिसंबर 2026 तक प्रदेश के आठ आकांक्षी जनपदों बहराइच, बलरामपुर, चंदौली, चित्रकूट, फतेहपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और सोनभद्र को बाल श्रम से मुक्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही कानपुर मंडल और देवीपाटन मंडल में भी विशेष बाल श्रम विरोधी अभियान चलाया जाएगा। बाल सेवा योजना के तहत अनाथ, परित्यक्त और संकटग्रस्त बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे उनकी शिक्षा और पालन-पोषण बाधित न हो। इस योजना के तहत योगी सरकार ऐसे बच्चों को 2500 रुपये प्रतिमाह उपलब्ध कराती है। इसी प्रकार, स्पॉन्सरशिप योजना के माध्यम से कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के बच्चों को प्रतिमाह सहयोग राशि दी जाती है, ताकि वे शिक्षा और जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित न रहें।

75 जिलों में होगा योजना का विस्तार

प्रदेश सरकार की बाल श्रमिक विद्या योजना का विस्तार अब सभी 75 जिलों में करने की योजना है। इस योजना के तहत काम में लगे बच्चों को दोबारा शिक्षा से जोड़ा जाएगा और उन्हें छात्रवृत्ति, पुस्तकें, यूनिफॉर्म और विशेष शिक्षण सहायता प्रदान की जाएगी। शिक्षा विभाग इन बच्चों के पुनः नामांकन और शैक्षिक सहयोग की जिम्मेदारी निभाएगा।

पंचायत स्तर पर प्रवासी बच्चों का डाटा संग्रह जरूरी

पंचायत स्तर पर कामकाजी बच्चों और प्रवासी श्रमिक परिवारों के बच्चों का विस्तृत डेटा एकत्र किया जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा निगरानी से बाहर न रहे। पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्कूल प्रबंधन समितियां इस कार्य में सहयोग करेंगी। इसके अलावा, बाल श्रम उन्मूलन अभियान को जनांदोलन बनाने के लिए गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और सिविल सोसाइटी की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए कार्यक्रम होंगे शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए ट्रिपल सी व ओ लेवल के अलावा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होंगे। पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने इस सिलसिले में अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। राज्यमंत्री गुरुवार को विधानभवन में पिछड़ा वर्ग कल्याण और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभागों की योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	मेकेनाइज्ड इंटेंसिव डी-रस्टिंग एन्ड एंटी-रस्ट कोटिंग ऑफ ब्रेक डिस्क, टू एनहान्स हीट डीसीपेशन, सर्विस लाइफ एन्ड रिलायबिलिटी ऑफ रोलिंग स्टॉक।
कार्य स्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ
अनुमानित लागत	रु.73,16,075.52/- मात्र
निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य।
बिड सिक्युरिटी	रु.1,46,300/- मात्र
कार्य पूर्ण करने की अवधि	02 वर्ष
निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक 20.08.2025 समय 15:00 बजे तक।
खुलने का समय	निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।
कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है।	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तो सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है।
वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है	

निविदा सूचना सं. 2025-ए.एम.वी.-सी एंड डब्लू ई निविदा-46
दिनांक : 29.07.2025 2331/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा नोटिस

निम्नलिखित कार्य के लिए उप मुख्य विद्युत अभियंता, निर्माण, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा संख्या **147-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 IREPS** की वेबसाइट यानी https://www.ireps.gov.in पर समापन तिथि 25.08.2025 समय (11.30 Hrs) एक पैकेट प्रणाली के तहत ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है।

NIT संख्या.:	147-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 दिनांक 31.07.2025
निविदा संख्या	147-Dy.CEE-C-LKO-2025-26
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के बाराबंकी और मल्होर स्टेशनों के बीच तीसरी और चौथी लाइन के कार्यों के संबंध में मल्हौर, सफेदाबाद और जुग्गौर स्टेशनों पर शेष विद्युत सामान्य का कार्य।
निविदा प्रपत्र लागत	कुछ नहीं
लगभग निविदा मूल्य	रु.60,20,649.65/- (साठ लाख बीस हजार छह सौ उनचास रूपये और पैसठ पैसे मात्र)
बोली सुरक्षा	रु.1,20,400/- (एक लाख बीस हजार चार सौ रूपये मात्र)
समापन की अवधि	04 (चार) माह
ऑफर की वैधता	60 दिन
IREPS वेबसाइट पर विज्ञापित निविदा दिनांक	31.07.2025
जिस तिथि तक ठेकेदार अद्यतन/परिशिष्ट/संशोधन तिथि नोट कर सकता है	11.08.2025
निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति तिथि और समय	25.08.2025 (11.30 Hrs.)
पात्रता मापदंड	निविदा दस्तावेज के अनुसार

ध्यान दें:
1. ठेकेदार को प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय **IREPS** वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किए जाने वाले निविदा दस्तावेज के अनुसार आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।
2. सभी प्रतिभागी ठेकेदार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ अपने आवश्यक दस्तावेज जमा करेंगे। ''अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने के लिए कोई भी पोस्टटेंडर पत्राचार तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्ताव खोलने के बाद विचार नहीं किया जाएगा। यहां तक कि निविदाओं के सू-मोटो पोस्टटेंडर पत्रों को अशक्त और शून्य माना जाएगा।'' टेंडर नोटिस **www.ireps.gov.in** की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

No. 147-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 Dt. 31.07.2025 2341/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय-नगर पालिका परिषद, टाण्डा-अम्बेडकरनगर

पत्रांक 356/न0पा0परि0टा/विज्ञापन/2025-26 दिनांक 29/07/2025

नगर पालिका परिषद टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर की नागरिकों से अपील।

1. नगर को स्वच्छ एवं साफ सुथरा रखने में अपना सहयोग करें, सड़को, नालो / नालियो में कूड़ा कदापि न डाले।
2. अपने घरों में गीला एवं सूखा कूड़ा अलग-अलग स्रोत में पृथक्क कर एकत्र करने हेतु हरे एवं नीले रंग के डस्टविन का प्रयोग करें।
3. सूखा कूड़ा हरे डस्टविन में एवं गीला कूड़ा नीले डस्टविन में एकत्र करें।
4. अपने घरों का कूड़ा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाले सफाई कर्मचारियों को ही दे।
5. खुले में शौच न जाये। अपने घरों में शौचालय का प्रयोग करें तथा सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालयों का प्रयोग करें।
6. खुले में, सार्वजनिक स्थानों व रास्ते पर कूड़ा कचरा न फेंके, कूड़ा कचरा सिर्फ कूडादान में ही डाले।
7. प्रतिबंधित पालीथीन का प्रयोग न करें। और न ही दूसरों को करने दें। पालीथीन पर्यावरण के लिए हानिकारक है। प्रतिबंधित पॉलीथीन/कैरीबैग के प्रयोग करने व विक्रय करते पाये जाने पर रू0 25000.00 तक का जुर्माना हो सकता है।
8. निर्माण एवं विध्वंस सामग्री/अपशिष्टो को रोड की पटरियों एवं सार्वजनिक स्थनो पर न रखे अन्यथा उलंघ्घन की दशा में रू0-5000.00 तक जुर्माना/अर्थदण्ड की वसूली की कार्यवाही की जायेगी।
9. संचारीरोगो से बचाव हेतु मच्छरदानी/मच्छरनाशक वस्तुओं का प्रयोग करें।
10. अपने घरों में पानी की टंकी, बाल्टी आदि को पूरी तरह ढककर रखें।
11. अपने घरों तथा कार्य स्थल पर आस-पास पानी जमा/एकत्र न होने दे।
12. पानी पीने के लिए इंडिया मार्का-2 के पानी का ही प्रयोग करें।
13. जल अमूल्य है इसका संरक्षण एवं सदुपयोग करें।
14. सार्वजनिक मागों / सड़कों, गलियों एवं नालियों पर अतिक्रमण न करें।
15. खुले स्थानी/भूमि पर वृक्ष लगाये, पर्यावरण को सुरक्षित बनायें।
16. निकाय से शिकायत हेतु टोल फ्री नं0-1533 एवं 14420 पर कॉल करे।
17. नगर पालिका परिषद टाण्डा के समस्त देयों/करो का भुगतान समय से करें।

(अरविन्द त्रिपाठी)
उपजिलाधिकारी/अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद टाण्डा
अम्बेडकरनगर

(समस्त सभासदगण)
नगर पालिका परिषद टाण्डा
अम्बेडकरनगर

(शबाना नाज)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद टाण्डा
अम्बेडकरनगर

अमृत विचार

शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

भारत झुकने वाला देश नहीं

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर का श्रेय लेने के लिए लगातार अपने मुंह मियां मिट्ठू बन रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संसद में पहले विदेश मंत्री फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि इस बारे में उनसे कोई बात नहीं हुई, खिसयानी बिल्ली खंभा नोचे की तर्ज पर भारत को मित्र देश बताते हुए 25 फीसदी टैरिफ का बम फोड़ने के बाद अर्थव्यवस्था को ही 'डेड' बता दिया। ट्रंप ने अपने टैरिफ कदम को अमेरिका का व्यापार घाटा कम करने के लिए जरूरी बताया, लेकिन वास्तव में यह फैसला इससे कहीं ज्यादा, भारत और रूस की दोस्ती तथा ब्रिक्स समूह के अलावा भारत की आर्थिक ताकत से जुड़ा है। ट्रंप प्रशासन भारत के रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने से नाराज है। वह भारत की सदस्यता वाले ब्रिक्स समूह को अपना विरोधी मानता है। फिलहाल, ट्रंप के टैरिफ ऐलान से बीते छह माह से चल रही भारत-अमेरिका ट्रेड डील वार्ता में गतिरोध और गहरा गया है। ट्रंप अपने पक्ष में नतीजे के लिए भारत पर दबाव बनाना चाहते हैं। लेकिन, भारत अपने किसानों, व्यापारियों, छोटे उद्यमियों के हितों पर मजबूती से अड़ा है और यह क्षेत्र मुक्त व्यापार के लिए नहीं खोलना चाहता है, जबकि अमेरिका अपने कृषि और डेयरी उत्पादों की भारत के बाजार में बेहतर पहुंच चाहता है। भारत ने डेयरी उत्पादों पर शर्त लगा रखी है कि ये मांसाहारी चारा खाने वाले जानवरों से प्राप्त नहीं होने चाहिए। इसी तरह यह भी साफ कर दिया है कि मक्का, सोयाबीन, गेहूं और एथेनॉल पर टैरिफ में कटौती करना उसके लिए संभव नहीं है, क्योंकि इससे अमेरिकी रियायती कृषि उत्पादों से प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी। यही नहीं, अमेरिका की उससे ही हथियार खरीदने की शर्त भी भारत को मंजूर नहीं है।

अब यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ट्रंप व्यापार में फायदे के लिए धमकाने और दबाव बनाने के लिए जाने जाते हैं। वह पहले भी कई देशों के साथ ऐसा कर चुके हैं। लेकिन भारत अपने हितों की रक्षा में जिस मजबूती से खड़ा है, उससे साफ है कि मोदी सरकार दुनिया को अपनी आर्थिक ताकत का अहसास करा रही है। सरकार ने अपना रुख जरा भी ढीला करने की बजाय साफ कर दिया है कि राष्ट्रीय हित में वह सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे, जैसे कि ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते में उठाए गए थे। ट्रंप को नहीं भूलना चाहिए कि उनके टैरिफ का अमेरिका पर भी नकारात्मक असर होगा। वहां स्मार्टफोन, रेडीमेड गारमेंट्स, ऑटो पार्ट्स, आभूषण और फार्मास्युटिकल उत्पादों की कीमत बढ़ जाएगी, क्योंकि भारत इनका प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। ट्रंप की घोषणा का तात्कालिक असर डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और शेयर बाजार में गिरावट के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन यह संकट भारत के लिए सुधार और भारतीय कंपनियों को नए बाजार बनाने का मौका दिला सकता है। इसके साथ ही ट्रंप जिस तरह अपने फैसलों से पलटते और पीछे हटते रहे हैं, उसके मद्देनजर यह उम्मीद भी है कि जल्दी ही रास्ता निकल आएगा और आगामी वार्ता में एक हितकारी व्यापार समझौते को आकार दिया जा सकेगा।

प्रसंगवश

टैरिफ की चुनौती को अवसर में बदल पाएगा भारत!

राजेश जैन

कोटा

2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की वापसी के बाद, उनकी अमेरिका फर्स्ट 2.0 नीति के तहत भारत समेत कई देशों पर आयात शुल्क बढ़ाने की रणनीति अपनाई जा रही है और डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 20 से 25 प्रतिशत तक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने के संकेत दिए हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत को साफ तौर पर 1 अगस्त तक की समय सीमा दी है। अगर तब तक कोई व्यापार समझौता नहीं हुआ, तो भारतीय उत्पादों पर 16 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाया जाएगा। यह शुल्क पहले से लागू 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ के अलावा होगा, जिससे कुल शुल्क 30 प्रतिशत से अधिक हो सकता है। यह भारत जैसे विकासशील देश के लिए एक चेतावनी है। इसका सीधा असर भारत के निर्यात पर पड़ेगा-खासकर टैक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स, जेम्स-ज्वेलरी और फार्मा सेक्टर पर। जब एक अमेरिकी ग्राहक भारतीय गारमेंट या फार्मा उत्पाद खरीदने की सोचेगा, तो उसे 25 प्रतिशत ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। ऐसे में भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा खो सकते हैं।

उदाहरण के तौर पर भारत हर साल अमेरिका को लगभग 9 अरब डॉलर के कपड़े निर्यात करता है। ऐसे में अगर टैरिफ बढ़ गया, तो बांग्लादेश और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देश इस मौके का फायदा उठा सकते हैं, क्योंकि अमेरिका ने उन्हें शुल्क रियायतें दे रखी हैं। यह टैरिफ संकट केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर निवेश पर भी पड़ सकता है। भारत की छवि अनिश्चित व्यापारिक वातावरण वाले देश की बन सकती है, जिससे संभावित विदेशी निवेशक हिचक सकते हैं। भारत की ओर से संतुलन बनाने की कोशिशें जारी हैं। भारत चाहता है कि टैरिफ 10 प्रतिशत से कम रखा जाए और बदले में अमेरिका को कुछ क्षेत्रों में रियायतें दी जाएं। हालांकि भारत ने स्पष्ट किया है कि वह कृषि और डेयरी क्षेत्र को विदेशी कंपनियों के लिए नहीं खोलेगा। अमेरिका लंबे समय से इन क्षेत्रों में प्रवेश चाहता रहा है, लेकिन भारत का स्टैंड बिल्कुल साफ है कि अन्नदाता के हितों से कोई समझौता नहीं होगा।

भारत गैर-कृषि क्षेत्रों में समझौते के लिए तैयार है और अमेरिका को यह भी प्रस्ताव दे चुका है कि यदि शुल्क घटाए जाते हैं, तो भारत अमेरिकी औद्योगिक सामानों पर टैक्स पूरी तरह खत्म करने को तैयार है। इतना ही नहीं, भारत ने बोइंग से विमान खरीदने की संभावना भी जताई है, ताकि व्यापार घाटा संतुलित हो सके।

इस बीच एक अच्छी खबर यह है कि अमेरिका की ट्रेड टीम 25 अगस्त को भारत आ रही है। उम्मीद है कि सितंबर-अक्टूबर तक दोनों देश एक अंतरिम व्यापार समझौते तक पहुंच सकते हैं। पिछली बैठक वॉशिंगटन में हुई थी, जहां भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल और अमेरिकी प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने विस्तृत चर्चा की थी। ट्रंप के हालिया बयान भारत पर राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकते हैं। उनका यह कहना कि "अब मैं इंचार्ज हूं और यह सब खत्म होगा", संकेत देता है कि वह भारत को शीघ्र समझौते के लिए बाध्य करना चाहते हैं जबकि भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी साफ किया है कि भारत किसी भी समझौते पर दबाव में हस्ताक्षर नहीं करेगा। भारत सिर्फ उन्हीं शर्तों पर समझौता करेगा, जो देश के हित में हों और पूरी तरह से परखी गई हों। कूटनीतिक स्तर पर भारत की भूमिका और भी ज़िम्मेदार हो गई है। भारत और अमेरिका के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं-हम रक्षा, तकनीक, साइबर सुरक्षा और 'क्वाड' जैसे बहुपक्षीय मंचों पर साझेदार हैं। अमेरिका के लिए भी यह समझदारी भरा कदम होगा कि वह भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को खराब न होने दे। जब युद्ध तलवारों से नहीं, व्यापार की शतरंज पर लड़ा जाए, तो हर चाल का असर करोड़ों लोगों की जेब और भविष्य पर पड़ता है। अगर व्यापार युद्ध है, तो समझौता उसकी शांति है-लेकिन शांति हमारी शर्तों पर होनी चाहिए, झुकाव की मुद्रा में नहीं। भारत को इस लड़ाई में अपनी ज़मीन पर टिके रहकर, नीतिगत मजबूती और कूटनीतिक संतुलन के साथ आगे बढ़ना होगा। तभी हम इस टैरिफ की चुनौती को अवसर में बदल पाएंगे।

"सच्चा ज्ञान केवल यही है कि आप कुछ भी नहीं जानते।"

अंतरिक्ष से मिसाइल युद्ध की प्लानिंग करते शक्तिशाली देश

डॉ. रमेश ठाकुर

नई दिल्ली

भविष्य में लड़ाई लड़ने के तरीके बदलने वाले हैं। पावरफुल मुल्क बंदूक, तोप, तलवारों या अन्य हथियारों से नहीं, बल्कि मिसाइलो से अतंरिक्ष में बनें 'स्पेस स्टेशनों' से योजना बना रहे हैं। सुखद ख़बर यहां ये है कि भारत भी इस योजना से पीछे नहीं हैं। अन्य देशों की 'मिसाइल अटैक' वाली मंशाओं की संभावनाओं के बीच भारत ने भी अतंरिक्ष में अपना पैर जमा दिया है। ज्यादा नहीं सिर्फ दशक भर बाद किसी पराए नहीं, स्वयं के स्वनिर्मित 'अतंराष्टीय स्पेस सेंटर' में उतरा करेंगे हमारे भारतीय अंतरिक्ष यात्री। इसके लिए भारतीय वैज्ञानिकों की कोशिशें अंतिम चरण में हैं। कुल मिलाकर अगर ये मिशन 10 सालों में मुकम्मल होता है, तो स्पेस में भी हम सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आत्मनिर्भरता की विधा में जमीन से कोसों मील दूर अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो द्वारा वर्ष-2035 तक अंतरिक्ष में खुद का 'इंटरनेशनल स्पेस सेंटर' बनाने का ऐलान किया जा चुका है। बीते दिनों बेशक शुभांशु शुक्ला नासा अधिकृत मिशन के जरिए स्पेस सेंटर में उतरे हों, पर भविष्य में जब कोई भारतीय अंतरिक्ष में यात्रा करेगा, तो वह अपने स्पेस सेंटर में ही लैंड करेगा। ऐसी सफलता निश्चित रूप से बदलते हिंदुस्तान की अकल्पनीय, करिश्माई, व अनोखी कही जाएगी।

पावरफुल देश अंतरिक्ष क्षेत्र को क्यों तवज्जो देने में लगे हैं? क्यों वहां नित नई तकनीकी शक्तियों के विस्तार में जुटे हैं? क्या भविष्य में 'स्पेस स्टेशन' के जरिए मिसाइल अटैक करने की कोई योजनाएं तो नहीं बनाई जा रही हैं? ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में कौंधने लगे। सवाल उठने वाजिब इसलिए भी हैं, क्योंकि मौजूदा वक्त में ज्यादातर देश अपनी लड़ाईयां जमीन को छोड़कर हवाई मिसाइलों से लड़ने लगे हैं। ईरान, इजरायल, गाजा, फिलिस्तीन, यूक्रेन-रूस और अभी हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव में हुए सीजफायर इसके उदाहरण हैं। शायद वो वक्त दूर नहीं, जब आगामी लड़ाईयों की आहटें हमें सीधे अंतरिक्ष से सुनाई दिया करेंगी। अभी तक दो देशों के बीच जंगें जमीन, हवा और पानी में ही दिखती थी। पर, भविष्य की जंगें अंतरिक्ष से लड़ी जाने की संभावनाओं को नहीं नकारा जा सकता? ये बातें बेशक चौंकाने वाली हों, पर ऐसा मुमकिन होता दिखाई पड़ने लगा है?

अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है। वहीं, दूसरा स्पेस स्टेशन चीन का निजी है। हालांकि अब रूस, अमेरिका, भारत व एकाध और अन्य मुल्क अपने-अपने निजी 'स्पेस स्टेशन' बनाने की अंतिम चरणों में हैं। अगले 10 में भारत के अलावा रूस भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित कर लेगा। मकसद भले ही इन स्पेस स्टेशनों का प्रयोग वैज्ञानिक शोधों के लिए हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि इन स्पेस स्टेशनों के जरिए कुछ देश सैटेलाइट्स मिसाइलों से लड़ाईयां लड़ने का जुगत भिड़ा रहे हों? बहरहाल, 41 बरस बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में अब हमारा भी एक अतंरिक्ष यात्री अतंरिक्ष में पहुंचा है जिनके जाने का मकसद 10 साल बाद स्वनिर्मित भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारियों की जांच-पड़ताल करना होगा। उनके पहुंचने का माध्यम इस बार भले ही 'एक्सिओम मिशन-4' क्यों न रहा हो? लेकिन भविष्य में ये निर्भरता खत्म होने को है।

अंतरिक्ष में निजी स्पेस स्टेशन सिर्फ चीन का है, लेकिन उस दिशा में भारत भी करीब पहुंच चुका है। वर्ष 2009 में अमेरिका ने रूस के साथ एक करार किया था, जिसमें उन्होंने अपना अलग स्पेस स्टेशन बनाने का प्रस्ताव रखा था। उस प्रस्ताव की प्रासंगिकता अब समझ में आती है। अपने निजी स्पेस स्टेशन के जरिए अमेरिका अंतरिक्ष से मिसाइल से लड़ने की योजना बना रहा है। अंतरिक्ष में भी अपना एकछत्र राज करना चाहता है। धरती से अंतरिक्ष की दूरी करीब 62 मील है, जिसे पूरा करने में 28 घंटे लगते हैं। इतनी दूरी वाली मारक क्षमता वाली मिसाइल अमेरिका तैयार कर रहा है। अंतरिक्ष में 24 घंटे में 16 दफे सूर्योदय और 16 बार सूर्यास्त होता है। 90-90 मिनट की दिन और रातें होती है। अंतरिक्ष स्टेशन 24 घंटे में पृथ्वी के चारों ओर लगभग 16 बार चक्कर लगाते हैं। इन सभी की पड़ताल अमेरिका कर चुका है। सैटेलाइट मिसाइलों का प्रयोग अतंरिक्षत से कैसे हो, इसके लिए नासा की रिसर्च बहुत पहले से जारी है।

इसरो और नासा अंतरिक्ष में मानव जीवन, सांस, पानी होने की पड़तालों में भी जुटे हैं। पर, इसरो का अगला कदम सन-2035 में अंतरिक्ष में खुद का 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' स्थापित करने के अलावा वर्ष-2040 तक चंद्रमा पर मनुष्य को उतारना है। इसके लिए वह 'मिशन गगनयान' को लांच करने की घोषणा पहले ही कर चुका है। इस मिशन में लगे वैज्ञानिकों को विशेष स्पेस ट्रेनिंग दी जा रही है। मौजूदा अंतरिक्ष में शुभांशु की उड़ान न सिर्फ एक मिशन है बल्कि भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक नए युग में साहसपूर्वक कदम रखने का संकेत भी है। इसरो अपने आगामी 'गगनयान मिशन' को अब तक के सबसे बड़े मिशन में गिन रहा है जिसकी तैयारियां में बीते कई वर्षों से देश के टॉप 400 अतंरिक्ष वैज्ञानिक लगे हैं।

> अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है।

आमने

मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "हम इसे विस्तार से देखेंगे और उसके बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा (ऊपरी अदालत जाने पर)। जो बातें सामने आ रही हैं, उनसे साफ पता चलता है कि यह एक साजिश थी।"

सामने

2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में एनआईए कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर कांग्रेस सांसद रजनी पाटिल ने कहा, "जहां तक मुझे पता है, एनआईए ने उन्हें कड़ी सज़ा देने को कहा था। हालांकि, अब अदालत ने फैसला सुना दिया है।"

आखिर मौतघर क्यों बन जाते हैं सीवर

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा कराए गए एक सोशल ऑडिट की एक ताजा रिपोर्ट से बेहद दर्दनाक सच्चाई सामने आई है कि सीवर और सेप्टिक टैंक की सफ़ाई के दौरान जान गंवाने वाले 90 प्रतिशत से ज्यादा मज़दूरों के पास किसी भी तरह के सुरक्षा उपकरण नहीं थे। जांचकर्ताओं ने 2022 और 2023 के बीच 8 राज्यों के 17 ज़िलों में हुई में हुईं 54 मौतों की गहराई से पड़ताल की। पाया गया कि 54 मौतों में से 49 मामलों में मज़दूरों ने कोई भी सुरक्षा उपकरण नहीं पहना था। सिर्फ़ पांच मामलों में उनके पास दस्ताने थे और सिर्फ़ एक मामले में दस्ताने और गमबूट दोनों थे। इससे भी ज़्यादा गंभीर बात यह है कि 47 मामलों में मज़दूरों को सफ़ाई के लिए कोई भी मशीनी उपकरण नहीं दिया गया था। यही नहीं, 27 मामलों में तो मज़दूरों से काम के लिए सहमति तक नहीं ली गई थी, और जिन 18 मामलों में लिखित सहमति ली भी गई, वहां उन्हें काम में शामिल जान के ख़तरों के बारे में कुछ नहीं बताया गया।

सरकार ने संसद में स्वीकार किया कि 'नमस्ते' योजना के तहत 'खतरनाक तरीक़े से सीवर की सफ़ाई' की समस्या के निराकरण पर काम करना बचा है। नमस्ते योजना के तहत, अब तक देश भर में 84,902 सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों की पहचान की गई है, जिनमें से आधे से कुछ ज़्यादा को ही पीपीई किट और सुरक्षा उपकरण दिए गए हैं। विदित हो कोई पांच साल पहले सुप्रीम कौर्ट ने आदेश दिया है कि यदि सीवर की सफाई के दौरान कोई श्रमिक मारे जाते हैं उनके परिवार को सरकारी अधिकारियों को 30 लाख रुपये मुआवजा देना होगा।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने साथ ही कहा था कि सीवर की सफाई के दौरान स्थायी विकलांगता का शिकार होने वालों को न्यूनतम मुआवजे के रूप में 20 लाख रुपये और अन्य किसी विकलांगता से ग्रस्त होता है तो उसे 10 लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। यह आदेश भी क्रियान्वयन के धरातल पर उतर नहीं पाया क्योंकि अधिकांश सीवर सफाई करने वालों को कार्य सौपने का कोई दस्तावेज ही नहीं होता। एक तरफ कम खर्च में श्रम का लोभ है तो दूसरी तरफ पेट भरने की मजबूरी और तीसरी है आम मजदूरों को सरकारी कानूनों की जानकारी न होना।

सीवर के मौतघर बनने का कारण सीवर की जहरीली गैस बताया जाता है। हर बार कहा जाता है कि यह लापरवाही का मामला है। पुलिस ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। यही नहीं अब नागरिक भी अपने घर के सैप्टिक टैंक की सफाई के लिए अनियोजित क्षेत्र से मजदूरों को बुला लेते हैं और यदि उनके साथ कोई दुर्घटना होती है तो ना तो उनके आश्रितों को कोई मुआवजा मिलता है और ना ही कोताही करने वालों को कोई समझाईश। शायद यह पुलिस को भी नहीं मालूम है कि इस तरह सीवर सफाई का ठेका देना हाईकोर्ट के आदेश के विपरीत है। समाज के जिम्मेदार लोगों ने कभी महसूस ही नहीं किया कि नरक-कुंड की सफाई के लिए बगैर तकनीकी ज्ञान व उपकरणों के निरीह मजदूरों को सीवर में उतारना अमानवीय है।

यह विडंबना है कि सरकार व सफाई कर्मचारी आयोग सिर पर मैला ढ़ोन की अमानवीय प्रथा पर रोक लगाने के नारों से आगे इस तरह से हो रही मौतों पर ध्यान ही नहीं देता है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और मुंबई हाईकोर्ट ने 12 साल पहले सीवर की सफाई के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिनकी परवाह और जानकारी किसी को नहीं है। सरकार ने भी सन 2008 में एक अध्यादेश लाकर गहरे में सफाई का काम करने वाले मजदूरों को सुरक्षा उपकरण प्रदान करने की अनिवार्यता की बात कही थी। कोर्ट के निर्देशों के अनुसार सीवर की सफाई करने वाली एजेंसी के पास सीवर लाईन के नक्शे, उसकी गहराई से संबंधित आंकड़े होना चाहिए। सीवर सफाई का दैनिक रिकार्ड, काम में लगे लोगों की नियमित स्वास्थ्य की जांच, आवश्यक सुरक्षा उपकरण मुहैया करवाना, काम में लगे कर्मचारियों का नियमित ट्रेनिंग, सीवर में गिरने वाले कचरे की हर दिन जांच कि कहीं इसमें कोई रसायन तो नहीं गिर रहे हैं, जैसी आदर्श स्थिति कागजों से ऊपर कभी आ नहीं पाई। सुप्रीम कोर्ट का ताजा आदेश है तो ताकतवर लेकिन समस्या यह है कि अधिकांश मामलों में मजदूरों को काम अपर लगाने का कोई रिकार्ड ही नहीं होता। यह सिद्ध करना मुश्किल होता है कि अमुक व्यक्ति को अमुक ने इस काम के लिए बुलाया था या काम सौंपा था।

यह एक शर्मनाक पहलू है कि यह जानते हुए भी कि भीतर जानलेवा गैसें और रसायन हैं, एक इंसान दूसरे इंसान को बगैर किसी बचाव या सुरक्षा-साधनों के भीतर ढकेल देता है। वैसे यह कानून है कि सीवर सफाई करने वालों को गैस-टेस्टर (जहरीली गैस की जांच का उपकरण), गंदी हवा को बाहर फैंकने के लिए ब्लोअर, टार्च, दस्ताने, चश्मा और कान को ढंकने का कैप, हैलमेट मुहैया करवाना आवष्यक है। मुंबई हाईकोर्ट का निर्देष था कि सीवर सफाई का काम ठेकेदारों के माध्यम से कतई नहीं करवाना चाहिए। सफाई का काम करने के बाद उन्हें पीने का स्वच्छ पानी, नहाने के लिए साबुन व पानी तथा स्थान उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी भी कार्यकारी एजेंसी की है। काश कानून इतनी कड़ी से लागू हो कि मुआवजा दने की नौबत आये नहीं और सफाई कार्य से पहले ही जिम्मेदार एजेंसियां सुरक्षा उपकरण और कानून के प्रति संवेदनशील हों।

> सीवर के मौतघर बनने का कारण सीवर की जहरीली गैस बताया जाता है। हर बार कहा जाता है कि यह लापरवाही का मामला है। पुलिस ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है।

सामयिकी

सोशल मीडिया से बच्चों में बढ़ता मानसिक प्रदूषण

अंजलि ओझा

प्रतापगढ़

हाल ही में आस्ट्रेलिया नें तमाम सोशल मीडिया ऐप्स सोलह वर्ष से कम बच्चों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गए हैं। आस्ट्रेलियाई सरकार ने बच्चों को विचलन से बचाने के लिए ऐसा किया है। हालांकि यूट्यूब इसमें शामिल नहीं है। आस्ट्रेलिया ने माना है कि यूट्यूब शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन है न कि सोशल मीडिया।

सोशल मीडिया प्रतिबंध के संबंध में आस्ट्रेलिया का कथन महत्वपूर्ण है-सोशल मीडिया समुद्र की तरह है, बच्चों को तैरने के लिए खुले समुद्र में छोड़ देना ठीक नहीं है। हम चाहते हैं कि पहले वे निजी तालाब में तैरना सीखें। समुद्र में शार्क का खतरा रहता है। बच्चों को खतरनाक शार्क से बचाना हमारी जिम्मेदारी है। सोशल मीडिया पर किसी तरह का प्रतिबंध शत-प्रतिशत प्रभावी नहीं होता। किन्तु आस्ट्रेलिया के इस प्रयास को सराहा जा सकता है। हर हाथ स्मार्टफोन के समय में मोरल पुलिसिंग कठिन है, किन्तु कोशिश तो की ही जा सकती है।

> भारत ने हाल ही में कई ओटीटी को बैन किया है। जो सालों से अश्लील कंटेंट बेचकर कमाई कर रहे थे। भारत में सोशल मीडिया का हाल अत्यंत चिंताजनक है। पांच साल से छोटे बच्चे अश्लील गीतों पर नाचते नजर आते हैं।

भारत ने हाल ही में कई ओटीटी को बैन किया है। जो सालों से अश्लील कंटेंट बेचकर कमाई कर रहे थे। भारत में सोशल मीडिया का हाल अत्यंत चिंताजनक है। पांच साल से छोटे बच्चे अश्लील गीतों पर नाचते नजर आते हैं। अश्लील इशारे अश्लील बोल आम तरीके हो गए हैं व्यू कमाने के। भारत में सोशल मीडिया पर तैर रही अश्लील सामग्रियों पर कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। छोटे-छोटे बच्चों के हाथ में मोबाइल है, और उनकी आंखों के आगे अनपेक्षित दृश्य तैर रहे हैं जो बच्चों की उम्र और समझ के अनुकूल नहीं होते। एक तरह का मानसिक प्रदूषण बच्चों के मस्तिष्क में भरता जा रहा है और उसके दुष्परिणाम भी हमें आए दिन देखने को मिल रहे। बच्चों में गुस्सा, ईर्ष्या, अनुशासनहीनता, विचलन बढ़ता जा रहा है एवं क्रियात्मकता एवं रचनात्मकता का अभाव होता जा रहा है। बच्चों को समुद्र से नहीं बचाया जा सकता लेकिन समुद्र के पानी को साफ किया जा सकता है। बदला भी जा सकता है। शार्क से बचाने के लिए बच्चों को समुद्र से दूर रखना भी समझदारी नहीं लगती। एक बार असली समुद्र से हम बच्चों को बचा सकते हैं लेकिन सोशल मीडिया के समुद्र से ज्यादा दिन तक दूर रख पाना असंभव है।

सोशल फोरम

ट्रंप के भारत को लेकर नित्य नए फरमान

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ थोपते हुए कहा था कि यदि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखता है, तो हम उसपर भारी जुर्माना के रूप में अभी और अतिरिक्त टैरिफ लगाएंगे। 'रात गई, बात गई' की तर्ज पर कुछ अच्छे मूड में न्यूज देख रहा था। देखा कि ट्रंप साहब एक नए शगूफे के साथ छाए हुए हैं। फरमान जारी कर दिया कि "हम और पाकिस्तान मिलकर एक नए तेल के प्रोजेक्ट पर काम करने जा रहे हैं, भारत अब पाकिस्तान से तेल खरीदेगा।"

अब उनके इस उद्घघोषणा के तरह-तरह से अर्थ निकाले जाएंगे। इस संदर्भ में सबसे पहले तो यह सुनिश्चित करना होगा कि क्या हथियारों का सौदागर, अब तेल माफिया के रूप में अवतरित हो रहा है? विश्लेषक मानकर चलें कि ट्रंप के मुंह से निकली सारी बातें सिर्फ शगूफा ही नहीं होती। अमेरिका की ज्यादातर दूरगामी पॉलिसी ऐसी होती हैं, जिनपर उनकी संसद काफी चिंतन-मंथन के बाद अपनी मोहर लगाती है। संसद में पिछले दो दिनों के बहस के दौरान, यह बात भी खुलकर सामने आ गई है कि भारत सरकार का झुकाव अभी भी अमेरिका की तरफ ही है। यद्यपि बहस के दौरान सरकार को किसी भी अप्रिय प्रकरण में, अमेरिका के साथ ही साथ, चीन का भी खुलकर नाम लेने से परहेज करते और किसी भी टकराव से बचते देखा गया, परंतु अब वो दिन ज्यादा दूर नहीं लगता जब हमें खुलकर, इन दो महाशक्तियों में से किसी एक के साथ, सामने आना होगा। बेहद ही नाजुक स्थिति के इस दौर में, जबकि एकतरफ अमेरिका अपनी शर्तों पर दादागिरी के साथ, हमसे संबंध बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी तरफ चीन हमारी कुछ शर्तों के साथ, हमसे बात करने को राजी होता दिखाई नहीं देता है, ऐसी विषम स्थिति में हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि हमारा पारंपरिक मित्र रूस, पहले से ही अपनी नाजुक आर्थिक व व्यापारिक स्थिति को भांपते हुए, चीन के साथ हांथ मिला चुका है।

विजय सिंह

रुद्रपुर, उत्तराखंड

ट्रंप महोदय की ऐसी मानसिकता देखकर, इतना तो स्पष्ट है कि इस शख्स को आतंकवाद से अब कोई गुरेज नहीं रहा है। यह वो महत्वकांक्षी इंसान है, जो अपनी दादागिरी के बलबूते, अपनी महत्वकांक्षा पूरे विश्व पर थोपने को उतारू हो चला है। शक्तिशाली देश रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझाकर, अब उसे भांति-भांति के धमकी निरंतर दे रहा है कि रूस युद्ध विराम करे। एशिया के अन्य एक शक्तिशाली देश चीन को घेरने के लिए उन्होंने तरह-तरह के व्यूह रचनाएं शुरू कर दी है। जहां तक भारत की बात है वो आर्थिक विकास की ओर अग्रसर हमारे देश को कई मोर्चे पर एक साथ आर्थिक क्षति पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ रहे हैं। क्या ट्रंप की ये हरकतें, किसी भी संप्रभुता संपन्न देश को विचलित करने के लिए पर्याप्त नही है? सच तो यह है कि ट्रंप की ट्रेड-वार से शुरू कहानी, अब धीरे-धीरे जमीनी सामरिक विश्व युद्ध की बढ़ चली है। जितनी जल्दी हो सके, इस संकट से उबरने की जिम्मेदारी हमे ही उठानी है।

> क्या ट्रंप की ये हरकतें, किसी भी संप्रभुता संपन्न देश को विचलित करने के लिए पर्याप्त नही है? सच तो यह है कि ट्रंप की ट्रेड-वार से शुरू कहानी, अब धीरे-धीरे जमीनी सामरिक विश्व युद्ध की बढ़ चली है। जितनी जल्दी हो सके, इस संकट से उबरने की जिम्मेदारी हमे ही उठानी है।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

- सूर्य की ऊर्जा ही पृथ्वी पर संभव बनाती है जीवन, ब्रह्मांड के नियम जानने के लिए सूर्य को समझना जरूरी
- आईआईटी कानपुर के स्पेस विभाग में इसरो के आदित्य एल-1 मिशन से प्राप्त डेटा पर चल रहा शोध-अनुसंधान

सूरज के आंखें तरेरने पर कैसे होगी जीवन की रक्षा

सूर्य सिर्फ प्रकाश और गर्मी का स्रोत नहीं है, बल्कि यह एक प्रयोगशाला है, जो ब्रह्मांडीय रहस्यों को सुलझाने में हमारी मदद कर सकता है। इसके अध्ययन से हम न सिर्फ ब्रह्मांड को बेहतर समझ सकते हैं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन सुरक्षित भी बना सकते हैं। सूर्य से आने वाली ऊर्जा ही पृथ्वी पर जीवन को संभव बनाती है। ऐसे में वैज्ञानिक यह जानना चाहते हैं कि सूर्य कैसे स्थिर रूप से इतना ऊर्जा उत्सर्जित करता है और क्या इसमें कोई परिवर्तन भविष्य में जीवन को प्रभावित कर सकता है। सूर्य के ऐसे ही रहस्यों से ही पर्दा उठाने के लिए आईआईटी कानपुर के अंतरिक्ष, ग्रह एवं खगोलीय विज्ञान और इंजीनियरिंग (स्पेस) विभाग ने शोध-अनुसंधान की तरफ कदम बढ़ाए हैं। इसके लिए वैज्ञानिक इसरो के एल-1 मिशन से प्राप्त होने वाले डेटा का विश्लेषण कर रहे हैं। नासा और ईएसए जैसी संस्थाएं अपने सौर मिशनों पारकर सोलर प्रोब और सोलर आर्बिटेटर के जरिए सूर्य की आंतरिक परतों और कोरोना की जांच में पहले से ही जुटी हैं।

यह शोध तारों और ग्रहों की समझ के लिए जरूरी

- ब्रह्मांड में बड़े पैमाने पर काम करने वाले नियम जानने के लिए वैज्ञानिक सूर्य की गतिविधियां, चुम्बकीय क्षेत्र, तापमान, गुरुत्वाकर्षण को समझना चाहते हैं। यह शोध ब्रह्मांड के अन्य तारों और ग्रहों की समझ के लिए भी जरूरी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि सूर्य एक विशाल न्यूक्लियर रिएक्टर है। इसके भीतर हो रही न्यूक्लियर फ्यूजन प्रक्रिया को समझकर स्वच्छ और असीम ऊर्जा के स्रोत विकसित किए जा सकते हैं।

तारों के जन्म लेने व मरने की कहानी आएगी सामने

- सूर्य का अध्ययन करके वैज्ञानिक यह भी समझना चाहते हैं कि तारे कैसे जन्म लेते हैं, कैसे जीवन चक्र पूरा करते हैं और कैसे मरते हैं। सूर्य की सतह पर होने वाले विस्फोट (सौर ज्वालाएं या सोलर फ्लेअर्स) और कोरोनल मॉस इजेक्शन पृथ्वी पर संचार प्रणाली, सेटेलाइट्स और बिजली ग्रिड को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में वैज्ञानिक इनकी सटीक भविष्यवाणी करना चाहते हैं ताकि समय रहते सावधानी बरत कर भारी नुकसान को बचाया जा सके।

अंतरिक्ष में जीवन की संभावनाएं पता लगाने में जुटे हैं वैज्ञानिक

- आईआईटी कानपुर का स्पेस विभाग अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में गहन शोध और बाहरी अंतरिक्ष में जीवन की संभावनाओं का पता लगाने के काम में जुटा है। यह विभाग अंतरिक्ष मिशनों और खगोलीय वेधशालाओं के लिए उपकरण, अंतरिक्ष यान डिजाइन और अंतरिक्ष मिशन योजना जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए इंजीनियरों, खगोलविदों, खगोल भौतिकविदों और ग्रहीय वैज्ञानिकों को एक साथ लाने पर भी काम कर रहा है। चंद्रमा से जुड़े अलग-अलग रहस्यों को उजागर करने के लिए वैज्ञानिकों की टीम यहां पहले से ही शोध करने में जुटी है।

गर्म होती धरती को ठंडा करने के लिए सूरज की रोशनी घटाने की कोशिश

- ग्लोबल वार्मिंग को लेकर पूरी दुनिया चिंता में है। पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इससे समुद्र का पानी गर्म हो रहा है और पहाड़ों पर मौजूद ताजे पानी के ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इस बड़े परिवर्तन से लड़ने के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक सूरज की रोशनी को ठंडा करने के उपाय खोज रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि तेजी से गर्म होती धरती को ठंडा करने के लिए सूरज की रोशनी को कम किया जा सकता है या परावर्तित करके वापस अंतरिक्ष में भेजा जा सकता है। इस काम के लिए यूके के वैज्ञानिकों ने तकनीक खोजने का दावा किया है, जिस पर प्रयोग चल रहे हैं।

ब्रिटिश सरकार की एडवांस रिसर्च एंड इनवेंशन एजेंसी की ओर से इस प्रयोग के लिए लगभग 550 करोड़ रुपये फंड तय किया गया है। एजेंसी के एरिया प्रोग्राम डायरेक्टर प्रोफेसर मार्क साइम्स ने बताया कि अभी यह प्रयोग कुछ ही स्थानों पर किया जाएगा और हम जो कुछ भी करेंगे वह बेहद सुरक्षित होगा। इस प्रयोग के जरिए वैज्ञानिक प्रयोगशाला से इतर असल दुनिया में आने वाले परिणाम के आंकड़े जुटाएंगे, ताकि इसे बड़े स्तर पर लागू करने के जोखिम का पता किया जा सके। यह भी बताया गया है कि बारिश के समय और तरीके में बदलाव हो सकता है।

अमेरिका में एआई क्रांति के पीछे अप्रवासियों का दिमाग

इस बात को चाहे कोई पसंद करे या न करे, अमेरिका का निर्माण अप्रवासियों ने ही किया था। अल्बर्ट आइंस्टीन से लेकर एलन मस्क तक, अप्रवासियों ने अमेरिका को एक महान देश बनाया है और एक बार फिर से अप्रवासी ताकत अमेरिका को महान बनाने के काम में लगी है, इस बार लक्ष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए दुनिया पर राज करने का है।

इसी इरादे से इस समय सिलिकॉन वैली की दिग्गज कंपनियों के बीच एआई को लेकर वर्चस्व की होड़ मची है। ऐसे में मेटा भी वैश्विक एआई की दौड़ में खुद को आगे रखने में जुटा है। लेकिन, उसकी सुपरइंटेलिजेंस टीम की संरचना इस बात का साफ संकेत दे रही है कि अप्रवासी प्रतिभा के बिना अमेरिका में कोई एआई क्रांति नहीं हो सकती। मार्क जुकरबर्ग के महत्वकांक्षी एजीआई (कृत्रिम सामान्य बुद्धिमता) अभियान के लिए फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने अपनी नई सुपर इंटेलिजेंस लैब में 11 शीर्ष कृत्रिम बुद्धिमता शोधकर्ताओं को काम पर रखा है। मजे की बात है कि इस टीम में कोई भी अमेरिकी शामिल नहीं है। सभी सदस्य अप्रवासी हैं और भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन तथा आस्ट्रेलिया जैसे देशों से जुड़े हैं। यहीं नहीं इन सभी 11 विशेषज्ञों में से किसी के भी पास अमेरिका से स्नातक की डिग्री नहीं है। ये सभी शोधकर्ता ओपन एआई, गूगल, डीप माइंड तथा एंथ्रोपिक में काम कर चुके हैं। इन विशेषज्ञों ने चैट जीपीटी, जेमिनी और चिनचिला जैसे उन्नत एआई मॉडलों को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे साफ है कि अमेरिकी कंपनियों के नेतृत्व में एआई प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में अप्रवासी प्रतिभा की आधार भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है। इन्हीं 11 विशेषज्ञों की टीम में मेटा ने विगत दिनों आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र तृपित बंसल को शामिल किया है। वह पहले ओपन एई में अपना कौशल दिखा चुके हैं। आईआईटी कानपुर से गणित और सांख्यिकी में स्नातक शिक्षा प्राप्त करने के बाद तृपित ने मैसाचुसेट्स एमर्हस्ट विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में पीएचडी पूरी की थी, इसमें उन्होंने मेटा-लर्निंग और नेचुरल लैंग्वैज प्रोसेसिंग (एनएलपी) में खास विशेषज्ञता हासिल की थी। यही वजह है कि उन्हें डीप लर्निंग, रीजनिंग और नेचुरल लैंग्वैज प्रोसेसिंग का गहरा जानकार माना जाता है। ओपन एआई को छोड़कर मेटा एआई की नई सुपरइंटेलिजेंस यूनिट ज्वाइन करने वाले तृपित बंसल ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि अब सुपरइंटेलिजेंस की संभावना नजर आ रही है।

नए उत्पाद गैजेट

आईफोन 17 सीरीज में दो कैमरा कंट्रोल बटन के साथ होगा एप भी

- नए आईफोन बाजार में आने के लिए तैयार हैं। दीपावली से पहले एपल आईफोन 17 सीरीज आपके हाथ में होगी। बेस मॉडल आईफोन 17 नए रंगों में दिखाई देगा। इस बार भी सीरीज को चार नए डिवाइस आईफोन 17, आईफोन 17 एयर, आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स मॉडल में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। आईफोन 16 सीरीज में एक कैमरा कंट्रोल देखने को मिला था। जानकारी के मुताबिक आईफोन 17 सीरीज में अलग कैमरा मॉड्यूल दिया जाएगा। इस बार कंपनी एक नहीं बल्कि दो कैमरा कंट्रोल बटन देगी। इसके साथ एक कैमरा ऐप भी उपलब्ध होगा।

सेल्फी स्टिक, ईयरबड्स व नई पॉवर केबल

- स्मार्ट एक्सेसरी और ऑडियो ब्रांड्स में लिन ओरिजनल्स ने अपनी प्रीमियम टेक लाइनअप का विस्तार करते हुए चार नए लाइफ स्टाइल प्रोडक्ट्स कूलपॉड्स 11 टीडब्ल्यूएस, फ्लेम 14 सेल्फी स्टिक, फ्लेम 15 सेल्फी स्टिक और फ्लेक्सी 54सी केबल लॉन्च किए हैं। कंपनी का मानना है कि इन लेटेस्ट गैजेट्स की डिजाइन और फीचर्स ऐसे हैं जो आधुनिक यूजर्स के लिए फंक्शनैलिटी और यूजर फ्रेंडली अनुभव प्रदान करते हैं। वह भी रुपये 799 की शुरुआती कीमत से।
- फ्लेम 14 और 15 सेल्फी स्टिक को खासतौर पर उन लोगों के लिए डिजाइन की गई है, जो सफर के दौरान पैनोरमिक और सीनिक व्यूज कैप्चर करना पसंद करते हैं। इन दोनों स्टिक में स्टेबल कैमरा शॉट्स के लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी दी गई है। कूलपॉड्स 11 टीडब्ल्यूएस ईयरबड्स की मदद से बिना किसी रुकावट के कहीं भी और कभी भी अपने पसंदीदा म्यूजिक या पॉडकास्ट का मजा लिया जा सकता है। इन बड्स की लंबी बैटरी लाइफ और कनेक्टिविटी इन्हें ट्रैवलर्स और म्यूजिक लवर्स को खास भाएगी। इसी तरह फ्लेक्सी 54सी केबल एक भरोसेमंद और फास्ट चार्जिंग सॉल्यूशन है, जो मोबाइल और टैबलेट दोनों को आसानी से पॉवर देता है।

अंतरिक्ष से सुरक्षित लौटकर दोबारा उड़ान भर सकेगा त्रिशूल रॉकेट

कानपुर स्थित निजी इंजीनियरिंग संस्थान पीएसआईटी के छात्रों ने अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने के इस्तेमाल में लाया जाने वाला एक ऐसा रॉकेट 'त्रिशूल' तैयार किया है, जिसे दोबारा इस्तेमाल में लाया जा सकेगा। त्रिशूल अपना काम पूरा करने के बाद वापस धरती पर लौट आएगा और इसे फिर से उड़ान भरने के लिए तैयार किया जा सकेगा। इसरो के वैज्ञानिकों की देखरेख में रॉकेट त्रिशूल अक्टूबर माह में कुशीनगर से उड़ान भरेगा। इस रॉकेट को अंतरिक्ष में सेटेलाइट या पेलोड भेजने के लिए तैयार किया गया है। त्रिशूल रॉकेट को दोबारा इस्तेमाल करने योग्य बनाने के लिए, इसमें एक विशेष सेंसर युक्त पैराशूट लगाया गया है, जो उसे सुरक्षित जमीन पर उतार लाएगा। इस रॉकेट को पीएसआईटी स्टार्टअप इनक्यूबेशन फाउंडेशन (पीएसआईटी एसआईएफ) के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप रमन रिसर्च एंड इनोवेशन ने तैयार किया है। संस्थान का दावा है कि उसके स्टार्टअप्स राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उपस्थिति दर्ज कराने के साथ उस सपने को साकार कर रहे हैं, जिसका लक्ष्य भारत को नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता में अग्रणी बनाना है।

निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने स्टार्ट अप के जरिए बनाया उपग्रह भेजने वाला अपनी तरह का पहला रॉकेट

विशेष तरह का ब्लैक बॉक्स इसरो का 'नाविक' नेविगेशन

त्रिशूल रॉकेट में एक विशेष प्रकार का ब्लैक बॉक्स लगाया गया है, जो आपातकालीन परिस्थितियों में भी रॉकेट में डेटा को सुरक्षित रखेगा। यदि किसी कारणवश रॉकेट से संपर्क टूट जाए, तब भी यह मोबाइल पर अपनी जीपीएस लोकेशन भेज देगा। रॉकेट में लोकेशन और नेविगेशन के लिए इसरो द्वारा विकसित किए स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' का इस्तेमाल किया गया है, जिसके परिणाम आशानुरूप सटीक स्थिति वाले मिले हैं।

शुरू में शोध पेलोड्स लॉन्च करने की योजना

त्रिशूल रॉकेट एक किलोग्राम भार के पेलोड को पांच किलोमीटर ऊंचाई तक ले जाने में सक्षम है। शुरुआत में इस रॉकेट की मदद से शोध पेलोड्स को लॉन्च करने की योजना बनाई गई है। छात्रों द्वारा तैयार विभिन्न शोध पेलोड्स को लॉन्च करने में इसका प्रयोग होगा। रॉकेट का मल्टीपरपज उन्नत वर्जन बनाने को लेकर भी विचार चल रहा है।

'युविका' से सामने आ रहीं अंतरिक्ष विज्ञान में प्रतिभाएं

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन स्कूली बच्चों के लिए युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम 'युविका' का आयोजन करता है। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है। मौजूदा समय में युवाओं के बीच अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी का काफी रुझान है। यही देखकर इसरो ने युवाओं को अंतरिक्ष की तरफ आकर्षित करने के लिए यह कार्यक्रम डिजाइन किया है। इस कार्यक्रम से छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित आधारित अनुसंधान या करियर आगे बढ़ाने के लिए सुगम रास्ता मिलता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,185 .58	24,768 .35
बढ़त	296 .28	86 .70
प्रतिशत में	0 .36	0 .35

सोना : 98,020 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,12,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, ट्रंप का बयान अनुचित

विश्लेषकों ने कहा- विदेशी निवेश के लिए आकर्षक केंद्र बना हुआ है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों ने कहा कि भारत तेज वृद्धि हासिल करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत को 'मृत अर्थव्यवस्था' बताना 'सरासर अनुचित' है। ऐसे समय जब अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष समेत प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में पेश कर रही हैं, ट्रंप का बयान कहीं से भी उचित नहीं कहा जा सकता।

भारत विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक केंद्र बना हुआ है और दुनिया की कई प्रमुख कंपनियां विनिर्माण केंद्र स्थापित करने के लिए इस देश की ओर देख रही हैं। इसके अलावा, भारतीय प्रतिभाओं की विशेष रूप से तकनीकी क्षेत्र में सबसे अधिक मांग है और यह अमेरिका सहित कई देशों को सेवाओं का एक प्रमुख निर्यातक रहा है। भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क और रूस के साथ व्यापार पर जुर्माना लगाने की घोषणा के एक दिन बाद, ट्रंप ने गुरुवार को एक सोशल मीडिया मंच पर लिखा, मुझे परवाह नहीं है कि भारत रूस के साथ क्या करता है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अपनी 'मृत अर्थव्यवस्थाओं' को एक साथ कैसे नीचे ले जा सकते हैं। परामर्श कंपनी ईवाई इंडिया ने भारत के खिलाफ ट्रंप की टिप्पणियों को काफी अनुचित बताया और कहा कि वास्तव में, विश्व अर्थव्यवस्था का केंद्र धीरे-धीरे 'ग्लोबल साउथ' की ओर स्थानांतरित हो रहा है और जिसके लिए भारत ने खुद को अग्रणी भूमिका में रखा है। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी के श्रीवास्तव ने बताया, दूसरी ओर, पूर्व विकसित अर्थव्यवस्थाएं तेजी से उम्रदराज हो रही हैं और इन अर्थव्यवस्थाओं में प्रवासी भारतीयों के योगदान से ही ये अर्थव्यवस्थाएं लगातार सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रही हैं।

उल्लेखनीय है कि आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक मंडल ने फरवरी, 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के अपने आकलन में अधिकारियों की सूझबूझ वाली वृहद आर्थिक नीतियों और सुधारों' की सराहना की थी। इन नीतियों ने भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और एक बार फिर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान दिया है। आईएमएफ ने यह भी कहा था कि भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। ईवाई के श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे जीवंत और गतिशील है और इसकी आबादी सबसे युवा लोगों में से है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या सांख्यिकी (2024) के अनुसार, भारत की जनसंख्या की औसत आयु 28.8 वर्ष है, जबकि अमेरिका की 38.5 वर्ष और यूरोप की 42.8 वर्ष है।

श्रीवास्तव ने कहा, ये विकसित अर्थव्यवस्थाएं ही हैं जो औसत आयु और विकास की संभावनाओं, दोनों ही दृष्टि से पुरानी पड़ चुकी हैं। इसके अलावा, भारत के पास प्रचुर मानव संसाधन भी हैं जो तकनीकी रूप से कुशल हैं और अंतरिक्ष, एआई (कृत्रिम मेध) और सृजन से जुड़े एआई के भविष्य के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। आईएमएफ के विश्व आर्थिक परिदृश्य पर अद्यतन रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2025 और 2026 में 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह आईएमएफ के अप्रैल के क्रमशः 6.2 और 6.3 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और पेरिस स्थित आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) जैसी अन्य अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने भी इसी तरह के अनुमान लगाए हैं।

जीडीपी वृद्धि में 0.30% की गिरावट संभव

नई दिल्ली। वैश्विक वित्तीय सेवा कंपनी बार्कलेज ने कहा कि अमेरिका की तरफ से भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगाए जाने से चालू वित्त वर्ष में देश की जीडीपी की वृद्धि दर में 0 .30 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। हालांकि, बार्कलेज ने कहा है कि घरेलू मांग पर आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था पर इस शुल्क वृद्धि का व्यापक असर पड़ने की आशंका नहीं है।

भारत के प्रति अमेरिकी नीति दुर्भाग्यपूर्ण मोड़ ले रही : बसु

नई दिल्ली। विश्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने कहा कि भारत के प्रति अमेरिकी आर्थिक नीति ने दुर्भाग्यपूर्ण मोड़ ले लिया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप का भारत के प्रति कठोर रुख हैरान करने वाला है। इसके अलावा ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने का भी फैसला किया है। इस घोषणा को भारत पर अमेरिका की मांगों को मानने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। बसु ने कहा, भारत के प्रति अमेरिकी आर्थिक नीति ने दुर्भाग्यपूर्ण मोड़ ले लिया है। कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ बड़ा व्यापार घाटा होने का हवाला देते हुए भारतीय आयातों पर भारी शुल्क लगाने की घोषणा की है। बसु ने कहा, हालांकि भारत के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा केवल 41 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो चीन (270 अरब अमेरिकी डॉलर) या वियतनाम जैसे छोटे देशों (113 अरब अमेरिकी डॉलर) के साथ घाटे के आसपास भी नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत को अत्यधिक कर वसूलने वाला करार दिया है।

टैरिफ से कानपुर के निवेशकों को लगा 450 करोड़ का झटका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शेयर बाजारों में अस्थिरता का माहौल, निवेशक घबराए
- मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट दर्ज की गई

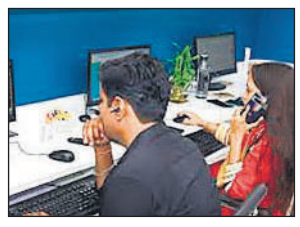

अमृत विचार। अमेरिकी टैरिफ ने शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में अस्थिरता ला दी। शुरुआती गिरावट के बाद दोपहर तक बाजार में थोड़ी रिकवरी रही, लेकिन आखिरी घंटे में भारी बिकवाली ने निवेशकों को फिर निराश किया। कुल मिलाकर हालात यह हुए कि इससे शहर के निवेशकों को लगभग 450 करोड़ रुपये का झटका लगा।

शेयर बाजार के हाल पर केश्री ब्रोकिंग के को-फाउंडर राजीव सिंह ने बताया कि शेयर बाजार में बेंचमार्क इंडेक्स के अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट दर्ज की गई है। बाजार के रुख में कई बड़े समूह के शेयरों ने निवेशकों को निराश किया। हांलाकि गिरावट भरे शेयर बाजार में ऐसे सेक्टर भी रहे जो हरे निशान पर बंद हुए।

सबसे अधिक लाभ निफ्टी एफएमसीजी को हुआ। राजीव सिंह ने बताया कि ट्रंप का भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड' कहना एक अपरिपक्व और जल्दबाजी भरा मूल्यांकन है। भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व मंच पर एक ब्रांडेड पहचान बना रही है। एक ऐसा ब्रांड जो स्थिरता, संभावनाओं और समावेशी विकास का प्रतीक बन चुका है। इसकी वजह तेज विकास दर, स्थिर नींव है।

इसके अलावा आईएमएफ ने भी यह अनुमान लगाया है कि 2025 में भी 6.5 फीसदी विकास दर बनाए रखने में भारत सक्षम है। तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की ओर भी भारत तेजी से कदम बढ़ा रहा है। उधर यूपीआई ने डिजिटल लेन-देन में भारत को अग्रणी बना दिया।

बिजनेस ब्रीफ

एयर न्यूजीलैंड के सीईओ बने निखिल

नई दिल्ली। भारतीय मूल के निखिल रविशंकर लगभग पांच साल तक एयर न्यूज़ीलैंड से जुड़े रहने के बाद इस साल अक्टूबर से कंपनी के सीईओ का पदभार संभालने वाले हैं। संयोग से, एयर इंडिया के सीईओ और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैम्पबेल विल्सन न्यूज़ीलैंड से हैं। एयर न्यूजीलैंड ने बुधवार को बयान में कहा, इस समय एयरलाइन के मुख्य डिजिटल अधिकारी, निखिल 20 अक्टूबर, 2025 को आधिकारिक तौर पर सीईओ का पदभार ग्रहण करेंगे। एयर न्यूज़ीलैंड में लगभग पांच वर्षों के कार्यकाल में निखिल ने विमानन क्षेत्र और एयरलाइन की गहरी समझ हासिल की है। उन्होंने एयरलाइन की तकनीकी रीढ़, लॉयल्टी प्रोग्राम और ग्राहक प्रस्ताव में भी महत्वपूर्ण प्रगति का नेतृत्व किया है।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर से उबरा

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबर गया और 15 पैसे सुधरकर 87 .65 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने तथा रूसी कच्चा तेल एवं हथियार खरीदने पर जुर्माना लगाने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप की आशंका के बीच रुपया संभला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तीन साल से अधिक समय में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट यानी 89 पैसे टूटने के बाद रुपये ने कुछ हद तक वापसी की है लेकिन यह अब भी नकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहा है।

चीनी उत्पादन 3.49 करोड़ टन रहने का अनुमान

नई दिल्ली। भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा निर्माता संघ (इस्मा) ने कहा कि अक्टूबर से शुरू होने वाले वर्ष 2025-26 सत्र में भारत का चीनी उत्पादन 18 प्रतिशत बढ़कर 3 .49 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जिसमें 20 लाख टन निर्यात की गुंजाइश है। अनुमानित उत्पादन में आगामी सत्र के दौरान एथनॉल उत्पादन के लिए चीनी का अपेक्षित उपयोग भी शामिल है। उद्योग निकाय ने कहा कि अगले सत्र के लिए अधिक चीनी उत्पादन अनुमान, वर्ष 2024-25 में एक साल पहले की तुलना में गन्ना उत्पादन में 42 प्रतिशत की वृद्धि के साथ एक करोड़ 32 .6 लाख टन होने की संभावना है, जो बेहतर पैदावार और अच्छे मानसून के कारण रकबे में मामूली वृद्धि के कारण संभव है।

24 अरब से अधिक चिप का होगा उत्पादन

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि अब तक स्वीकृत सेमीकंडक्टर परियोजनाओं से प्रति वर्ष 24 अरब से अधिक चिप का उत्पादन होगा। इसके अलावा कई अन्य परियोजनाओं पर भी काम जारी है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और भारत सेमीकंडक्टर मिशन के सीईओ अमितेश सिन्हा ने जर्मनी की शोध संस्था फ्रौनहोफर-गेसेलशाफ्ट के एक कार्यक्रम में कहा कि सरकार ने छह परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा एक वेफर फैब्रिकेशन संयंत्र और पांच पैकेजिंग इकाइयां शामिल हैं। टाटा फैब प्रति माह 50,000 वेफर्स का उत्पादन करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने भूषण स्टील संबंधी 2 मई का आदेश लिया वापस

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- पहले दिए गए विवादित निर्णय में कानूनी स्थिति का सही मूल्यांकन नहीं किया गया था

उच्चतम न्यायालय ने कर्ज में डूबी कंपनी भूषण स्टील एंड पावर लिमिटेड (बीएसपीएल) के परिसमापन का आदेश देने वाला दो मई का अपना फैसला गुरुवार को वापस ले लिया। शीर्ष अदालत ने दो मई को बीएसपीएल के कर्ज समाधान के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील की तरफ से पेश किए गए प्रस्ताव को गैरकानूनी ठहराने के साथ ही खारिज कर दिया था।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस फैसले की समीक्षा के लिए दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि पहले दिए गए 'विवादित निर्णय' में कानूनी स्थिति का सही ढंग से मूल्यांकन नहीं किया गया था। पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि चुनौती दिए गए निर्णय में उन न्यायिक निर्णयों के आलोक में कानूनी स्थिति को सही ढंग से नहीं समझा गया, जिनका पहले से उल्लेख है। इसके अलावा यह तर्क भी दिया गया कि कई तथ्यों पर आधारित पहलुओं को ध्यान में रखा गया, जबकि वे दलीलें रखी ही नहीं गई थीं।

हालांकि, इस स्थिति को लेकर मतभेद है। इसके साथ ही पीठ ने कहा, यह मामला पिछले निर्णय को वापस लिए जाने के एकदम माकूल है और मामले की फिर से सुनवाई की जानी चाहिए।

जेन स्ट्रीट के खिलाफ मामले में सर्वेक्षण अभियान चलाया

मुंबई। आयकर विभाग ने बाजार में हेरफेर की आरोपी अमेरिकी स्वामित्व वाली ट्रेडिंग कंपनी जेन स्ट्रीट के खिलाफ कथित कर चोरी की जांच के तहत कुछ ब्रोकिंग कंपनियों के परिसरों में सर्वेक्षण अभियान चलाया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विभाग जेन स्ट्रीट के खिलाफ हाल ही में पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की कार्रवाई की पृष्ठभूमि में 'सत्यापन' अभियान चला रहा है। अधिकारी कार्यालय परिसर में सर्वेक्षण के तहत अमेरिकी कंपनी के खाता बही और कंप्यूटर रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं। बीएसई ने कहा कि उसने इस मामले में कर विभाग द्वारा की गई कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट के संबंध में जेन स्ट्रीट के घरेलू व्यापारिक साझेदार बताए जा रहे नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड से स्पष्टीकरण मांगा है।

ड्रोन एक्सपो

नई दिल्ली : प्रगति मैदान में छठवें अंतर्राष्ट्रीय ड्रोन एक्सपो और 10वें अंतर्राष्ट्रीय पुलिस एक्सपो का आयोजन किया गया। इस दौरान नवीनतम तकनीक का प्रदर्शन किया गया। एजेंसी

भारत तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बना

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरुवार को कहा कि भारत सौर ऊर्जा उत्पादन में जापान को पीछे छोड़कर तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। केंद्रीय मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि भारत ने 1,08,494 गीगावाट घंटा सौर ऊर्जा का उत्पादन किया है, जबकि जापान ने 96,459 गीगावाट घंटा सौर ऊर्जा का उत्पादन किया है। आईआरईएनए ऊर्जा बदलाव के लिए एक वैश्विक एजेंसी है जो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है, देशों को उनके ऊर्जा बदलाव में सहायता करती है, तथा प्रौद्योगिकी, नवाचार, नीति, वित्त और निवेश पर आंकड़े और विश्लेषण प्रदान करती है। जोशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि भारत ने सौर ऊर्जा उत्पादन में जापान को पीछे छोड़ दिया है ।

उद्योग जगत को बैंक ऋण की वृद्धि दर जून तिमाही में 5.5% पर खिसकी : आरबीआई

मुंबई, एजेंसी

- पिछले साल की समान अवधि में 7.7 प्रतिशत थी

उद्योग जगत को बैंकों से दिए जाने वाले ऋण की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में घटकर 5.5 प्रतिशत रह गई जो पिछले साल की समान अवधि में 7.7 प्रतिशत थी। गुरुवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई।

आरबीआई ने कहा कि गैर-खाद्य बैंक ऋण में सालाना आधार पर 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि यह आंकड़ा पिछले साल 13.8 प्रतिशत था। ये आंकड़े 27 जून, 2025 को समाप्त पखवाड़े तक के हैं। देश के 41 चुनिंदा अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से आंकड़े संकलित किए गए हैं, जो कुल गैर-खाद्य ऋण का 95 प्रतिशत हिस्सा देते हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि जून तिमाही में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्योगों को बैंक ऋण की वृद्धि बनी रही। सभी तरह की इंजीनियरिंग, निर्माण और कपड़ा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में ऋण वृद्धि दर तेज रही। हालांकि, कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए बैंक ऋण वृद्धि नरम पड़कर 6.8% रह गई, पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 17.4 प्रतिशत थी।

जून तिमाही में राजकोषीय घाटा पूरे वर्ष के लक्ष्य का 17.9% रहा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा जून के अंत में पूरे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 17 .9 प्रतिशत रहा है। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। पिछले वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों में यह 2024-25 के बजट अनुमान (बीई) का 8 .4 प्रतिशत था। मूल्य के हिसाब से राजकोषीय घाटा, या सरकार के खर्च और आमदनी के बीच का अंतर, चालू वित्त वर्ष (2025-26) की अप्रैल-जून अवधि में 2,80,732 करोड़ रुपये रहा है।

गांवों में 76 प्रतिशत से अधिक परिवारों की खपत बढ़ी: नाबार्ड

नई दिल्ली। देश के 76.6 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों ने खपत में वृद्धि की सूचना दी है जो उपभोग-आधारित वृद्धि की निरंतर गति को दर्शाता है। नाबार्ड ने एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह बात कही है।

ग्रामीण आर्थिक स्थिति और धारणा सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) के जुलाई, 2025 चरण से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति की चिंताएं कम हो गई हैं और 78.4 प्रतिशत से अधिक परिवारों की राय में वर्तमान मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत या उससे कम है। यह बेहतर मूल्य स्थिरता को दर्शाता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित ग्रामीण मुद्रास्फीति मार्च के 3.25 प्रतिशत से घटकर अप्रैल में 2.92 प्रतिशत और मई में 2.59 प्रतिशत हो गई। खाद्य मुद्रास्फीति भी मई में घटकर 1.36 प्रतिशत रह गई।

एनसीडीसी के लिए 2,000 करोड़ की अनुदान सहायता को सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चार वर्षों के लिए सहायता को दी है मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को चार साल के लिए 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता को मंजूरी दे दी। इस कदम से संगठन को कर्ज देने के लिए और अधिक कोष जुटाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025-26 से 2028-29 तक चार वर्षों की अवधि के लिए 2,000 करोड़ रुपये के व्यय के साथ केंद्रीय योजना 'एनसीडीसी को सहायता अनुदान' को मंजूरी दे दी है (प्रत्येक वर्ष 500 करोड़ रुपये)। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया, मंत्रिमंडल ने एक अच्छे वित्तीय मॉडल को और मजबूत करने के लिए एनसीडीसी को चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की पूंजी अनुदान सहायता को मंजूरी दी है।

मंत्री ने कहा कि इस वित्तीय सहायता से, एनसीडीसी आगे कर्ज देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त जुटा सकेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, एनसीडीसी की कर्ज वसूली दर 99.8 प्रतिशत है और उसका एनपीए (फंसा कर्ज) शून्य है। एक बयान के अनुसार, इस निर्णय से डेयरी, पशुधन, मत्स्य पालन, चीनी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण और शीत भंडारण जैसे विभिन्न क्षेत्रों की 13,288 सहकारी समितियों के लगभग 2.9 करोड़ सदस्यों को लाभ होने की संभावना है।

बयान के अनुसार, ''एनसीडीसी को 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता के आधार पर, वह 2025-26 से 2028-29 तक चार वर्षों में बाजार से 20,000 करोड़ रुपये जुटा सकेगी।

टैरिफ वार

भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं

निर्यातक चिंतित, असमंजस में हैं अमेरिकी खरीदार

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्यातक एक अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि अमेरिकी खरीदार या तो ऑर्डर रद्द कर रहे हैं या उन्हें तब तक रोके हुए हैं जब तक कि घोषणा में जुर्माने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती।

निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा कि उद्योग शुल्क और जुर्माने पर स्पष्ट तस्वीर के लिए अमेरिकी कार्यकारी आदेश का इंतजार कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक अगस्त से भारत से आने वाले सभी सामान पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के साथ रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने को लेकर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की। रल्हन ने कहा, मुझे अपने खरीदारों से ऑर्डर रद्द करने के बारे में संदेश मिलने लगे हैं। हम थोड़े चिंतित हैं। प्लास्टिक उत्पाद निर्यातक अरविंद गोयनका ने इस घोषणा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षेत्र चिंतित है क्योंकि वियतनाम और थाइलैंड जैसे भारत के प्रतिस्पर्धी देशों को भारत की तुलना में कम आयात शुल्क का सामना करना पड़ रहा है।

तो लगभग 60 प्रतिशत ऑर्डर हो जाएंगे रद्द

गोयनका ने कहा, जुर्माना ज्यादा चिंताजनक है। अगर इसे 25 प्रतिशत के अतिरिक्त लगाया जाएगा, तो खरीदार ऑर्डर देना बंद कर देंगे। एक चमड़ा और जूता निर्यातक ने कहा कि इन शुल्कों का भारत पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। निर्यातक ने कहा, अमेरिकी खरीदार स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। इससे अनिश्चितता पैदा हो रही है। अगर नए शुल्क एक अगस्त से लागू होते हैं, तो लगभग 60 प्रतिशत ऑर्डर रद्द हो जाएंगे। निर्यातक समुदाय उम्मीद जता रहा है कि भारत और अमेरिका जल्द ही एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देंगे और यह समझौता 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माने को हटाने में मदद करेगा। अमेरिका 2021-25 के दौरान, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका का योगदान लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6 .22 प्रतिशत तथा द्विपक्षीय व्यापार में 10 .73 प्रतिशत है। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 186 अरब डॉलर (निर्यात 86 .5 अरब डॉलर और आयात 45 .3 अरब डॉलर) तक पहुंच गया। अमेरिका के साथ भारत का वस्तुओं के व्यापार में व्यापार अधिशेष (आयात और निर्यात का अंतर) की स्थिति है।

भारत में सोने की मांग अप्रैल से जून तिमाही में 10% घटी

मुंबई, एजेंसी

- विश्व स्वर्ण परिषद ने दी जानकारी 134.9 टन ही रही मांग

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने गुरुवार को कहा कि सोने के दाम में रिकॉर्ड तेजी के कारण भारत में मूल्यवान धातु की मांग अप्रैल-जून तिमाही में 10 प्रतिशत घटकर 134.9 टन रही। एक साल पहले इसी तिमाही में मांग 149.7 टन थी।

डब्ल्यूजीसी ने 'स्वर्ण मांग रुख, दूसरी तिमाही 2025' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा कि मूल्य के लिहाज से, इस साल दूसरी तिमाही में सोने की मांग 30 प्रतिशत बढ़कर 1,21,800 करोड़ रुपये हो गई। जबकि 2024 की इसी तिमाही में यह 93,850 करोड़ रुपये थी। कीमतें पहली बार 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गईं। सोने की बढ़ती कीमतों ने देश में आभूषणों की मांग को प्रभावित किया। आलोच्य तिमाही के दौरान यह 17 प्रतिशत घटकर 88.8 टन रह गई, जबकि 2024 की इसी तिमाही में यह 106.5 टन थी।

रोहिंग्या अवैध घुसपैठिये या शरणार्थी, ये पहला मुद्दा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- इसके बाद ही उठाए जा सकते हैं दूसरे मुद्दे

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि रोहिंग्याओं से संबंधित मामलों के निपटारे में पहला महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि वे शरणार्थी हैं या अवैध घुसपैठिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि एक बार यह तय हो जाने के बाद अन्य मुद्दे भी शामिल हो सकते हैं।

पीठ ने देश में रोहिंग्याओं से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, पहला महत्वपूर्ण मुद्दा सरल है, क्या वे शरणार्थी हैं या अवैध रूप से प्रवेश करने वाले घुसपैठिये। पीठ ने रोहिंग्याओं से जुड़ी याचिकाओं में उसके विचार योग्य व्यापक मुद्दों पर गौर किया। उसने पूछा, क्या रोहिंग्या शरणार्थी घोषित किए जाने के हकदार हैं। अगर हां, तो उन्हें कौन-सी सुरक्षा, विशेषाधिकार या अधिकार हासिल हैं।

पीठ ने कहा कि दूसरा मुद्दा यह है कि अगर रोहिंग्या शरणार्थी नहीं हैं और अवैध रूप से प्रवेश करने वाले घुसपैठिये हैं, तो क्या उन्हें निर्वासित करने की केंद्र और राज्य सरकारों की कार्रवाई उचित थी। उसने सवाल किया, अगर रोहिंग्याओं को अवैध घुसपैठिया माना भी गया है, तो क्या उन्हें अनिश्चितकाल तक हिरासत में रखा जा सकता है या फिर उन्हें जमानत पर रिहा किया जा सकता है, बशर्ते कि अदालत उन पर ऐसी शर्तें लगाए, जिन्हें वह उचित समझे।

पीठ ने कहा कि याचिकाओं में उठाया गया एक अन्य मुद्दा यह है कि क्या उन रोहिंग्याओं को, जिन्हें हिरासत में नहीं लिया गया है और जो शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं, पेयजल, स्वच्छता और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। उसने कहा, अगर रोहिंग्या अवैध घुसपैठिये हैं तो क्या भारत सरकार और राज्य सरकारें कानून के अनुसार उन्हें निर्वासित करने के लिए बाध्य हैं।

हर बुधवार सुनवाई

पीठ ने याचिकाओं को तीन समूहों में विभाजित किया। पहला, जो रोहिंग्याओं से संबंधित है, दूसरा, जो रोहिंग्याओं से जुड़े मुद्दों से संबंधित नहीं है और तीसरा जो पूरी तरह से अलग मामले से संबंधित है। उसने कहा कि तीनों समूह की याचिकाओं का निर्धारण अलग-अलग किया जाएगा और उन पर सुनवाई हर बुधवार को की जाएगी।

पीएमएलए : ईडी की शक्तियों को चुनौती देने वाली पुनर्विचार याचिकाओं की तय होगी पोषणीयता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पहले उन याचिकाओं की वैधता पर दलीलें सुनेगा जिनमें 2022 के उसके उस फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया गया है, जिसमें ईडी को पीएमएलए के तहत गिरफ्तारी, संपत्तियां जब्त करने और तलाशी लेने की शक्तियां बरकरार रखी गई थीं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने 13 प्रश्न उठाए हैं। चूंकि प्रस्तावित मुद्दे समीक्षा कार्यवाही में उठ रहे हैं, इसलिए हम सबसे पहले विभिन्न पक्षों की ये दलीलें सुनेंगे कि पुनर्विचार याचिकाएं सुनवाई योग्य हैं या नहीं। उसके बाद याचिकाकर्ताओं की ओर से उठाए जाने वाले प्रस्तावित बिंदुओं पर सुनवाई की जाएगी। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई छह अगस्त के लिए सूचीबद्ध की।

कई भारतीय उद्योग हो सकते हैं प्रभावित

भारत पर अमेरिकी टैरिफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा की है जो एक अगस्त से लागू होगा। रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर अनिर्दिष्ट जुर्माना भी लगाया गया है। यह घोषणा चौंकाने वाली है क्योंकि दोनों देशों में व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है। आयात शुल्क दरअसल वस्तुओं के आयात पर लगाया गया सीमा शुल्क या आयात शुल्क हैं जो आयातक को सरकार को देना होता है। कंपनियां इनका बोझ उपयोगकर्ताओं पर डालती हैं लेकिन इसका सबसे बड़ा असर खुद कंपनियों के कारोबार पर ही पड़ता है।

35% प्रतिशत तक हो जाएगा टैरिफ

अमेरिका ने स्पष्ट नहीं किया है कि जुर्माना कितना होगा और यह कैसे लगाया जाएगा। व्हाइट हाउस का एक कार्यकारी आदेश शुल्क संरचना को स्पष्ट करेगा। भारत के सभी उत्पादों पर 10 प्रतिशत मूल शुल्क पहले से ही लगा है। भारत से आने वाले इस्पात व एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत और वाहन व उसके घटकों पर भी पहले से 25 प्रतिशत शुल्क लगा है। ये शुल्क मौजूदा शुल्क के अतिरिक्त लगाए जाते हैं। यानी जैसे वर्तमान में वस्त्र उद्योग पर छह से नौ प्रतिशत शुल्क लगता है, इसलिए 25 प्रतिशत शुल्क जोड़ने के बाद एक अगस्त से अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय वस्त्र उत्पादों पर 31-34 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

ये वृद्धि कितनी

दूरसंचार पर 25 प्रतिशत, रत्न व आभूषण पर 30 से 38.5 प्रतिशत जो वर्तमान में 5-13.5 प्रतिशत है। खाद्य एवं कृषि उत्पाद पर 29 से 30 प्रतिशत जो वर्तमान में 14-15 प्रतिशत है। परिधान पर 12 प्रतिशत के अलावा 25 प्रतिशत शुल्क लगेगा। एक अगस्त से दंडात्मक घटक भी लागू हो सकता है।

मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार

भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और द्विपक्षीय व्यापार में 10.73 प्रतिशत है। 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 186 अरब अमेरिकी डॉलर (86.5 अरब अमेरिकी डॉलर निर्यात और 45.3 अरब अमेरिकी डॉलर आयात) तक पहुंच गया। अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष (आयात व निर्यात का अंतर) 2024-25 में 41 अरब अमेरिकी डॉलर था। यह 2023-24 में 35.32 अरब अमेरिकी डॉलर और 2022-23 में 27.7 अरब अमेरिकी डॉलर था।

आयात और निर्यात

अमेरिका को भारत के मुख्य निर्यात में 2024 में दवा निर्माण तथा जैविक निर्यात 8.1 अरब अमेरिकी डॉलर का था। दूरसंचार उपकरण 6.5 अरब अमेरिकी डॉलर, कीमती व अर्धकीमती पत्थर 5.3 अरब डॉलर, पेट्रोलियम उत्पाद 4.1 अरब डॉलर, सोने के आभूषण 3.2 अरब डॉलर, सूती वस्त्र 2.8 अरब डॉलर और लोहा व इस्पात के उत्पाद 2.7 अरब डॉलर के थे। आयात में कच्चा तेल 4.5 अरब डॉलर, पेट्रोलियम उत्पाद 3.6 अरब डॉलर, कोयला, कोक 3.4 अरब डॉलर, तराशे व पॉलिश किए गए हीरे 2.6 अरब डॉलर, इलेक्ट्रिक मशीनरी 1.4 अरब डॉलर, विमान, अंतरिक्ष यान तथा कलपुर्जे 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर और सोना 1.3 अरब डॉलर शामिल हैं। आयात शुल्क आयातक देश में वस्तुओं को महंगा बना देता है।

क्या बहुत ज्यादा है भारत में शुल्क

अमेरिका दुग्ध उत्पादों पर 188%, फलों-सब्जियों पर 132%, कॉफी, चाय, कोको व मसालों पर 53%, अनाज एवं खाद्य पदार्थों पर 193%, तिलहन, वसा व तेल पर 164%, पेय पदार्थ एवं तंबाकू पर 150%, खनिज व धातु पर 187%, और रसायन पर 56% का उच्च शुल्क है। भारत की औसत शुल्क दर 17% है, जो अमेरिका की 3.3% से अधिक है लेकिन दक्षिण कोरिया 13.4% और चीन 7.5% जैसी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समान है।

दक्षिण कोरिया: चुनाव घोटाले में पूर्व राष्ट्रपति का गिरफ्तारी वारंट

सोल। दक्षिण कोरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल का गिरफ्तारी का वारंट जारी किया है। उन पर चुनावों में दखलंदाजी करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

यून को दो बार समन जारी हुआ लेकिन वे दोनों बार नहीं आए। यून पर आरोप है कि उन्होंने और और उनकी पत्नी ने साल 2022 के चुनावों से पहले एक जनमत सर्वेक्षण करवाया था। संदेह है कि सर्वेक्षण एक राजनीतिक दलाल ने निशुल्क किया और इसकी एवज में उसने अपनी पसंद के एक व्यक्ति का नामांकन संसद में करवाया।

भारी बारिश से बंद हुआ केदारनाथ हाईवे, दो दिन के लिए रोकी गई यात्रा

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में बुधवार रात हुयी भारी बारिश से सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच मुनकटिया में सड़क क्षतिग्रस्त होने से केदारनाथ वाला हाईवे पूरी तरह से बंद होने से इस धाम की यात्रा को अब दो दिन के लिए रोक दिया गया है।

जिला प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से लगभग दो हज़ार यात्री बीच में ही रोक दिए हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस के जवान केदारनाथ में फंसे ढाई हजार यात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाने में जुटे है। मुनकटिया के पास भूस्खलन से केदारनाथ हाईवे पर करीब 50 मीटर सड़क क्षतिग्रस्त हो जाने से इस रास्ते पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। बारिश के कारण वैकल्पिक पैदल मार्ग को भी नुकसान हो गया है जिससे केदारनाथ से आने वाले श्रद्धालु गौरीकुंड में फंस गए। डीएम प्रतीक जैन ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भूस्खलन के बाद केदारनाथ धाम के रास्ते में फंसे श्रद्धालुओं को उतारते बचाव दल के सदस्य। ● एजेंसी

वर्ल्ड ब्रीफ

रक्षा सहयोग बढ़ाने को भारत-ब्राजील की बैठक

नई दिल्ली। भारत और ब्राजील के शीर्ष अधिकारियों ने ब्राजील में एक महत्वपूर्ण रक्षा बैठक की, जिसका उद्देश्य हिंद-प्रशांत और लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय सुरक्षा को मज़बूत बनाना और सैन्य सहयोग व रक्षा उद्योग संबंधों को प्रगाढ़ करना था। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 30 जुलाई को ब्रासीलिया में 8वीं संयुक्त रक्षा समिति की बैठक में हिंद-प्रशांत और लैटिन अमेरिका में सैन्य सहयोग, प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

म्यांमार में नई संघीय सरकार की घोषणा

यांगून। म्यांमार राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा परिषद ने मंगलवार को नई संघीय सरकार और राज्य सुरक्षा एवं शांति आयोग का गठन किया है। राष्ट्रीय स्वामित्व वाली म्यांमार रेडियो और टेलिविजन की रिपोर्ट के अनुसार यू न्यो साव संघीय सरकार में प्रधानमंत्री होंगे और वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग सुरक्षा और शांति आयोग के अध्यक्ष होंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि रक्षा सेवाओं के कमांडर-इन-चीफ को संप्रभु शक्तियाँ हस्तांतरित करने का निर्णय भी रद्द कर दिया है।

सिंगापुर : भारतीय को 14 साल की सजा

सिंगापुर। सिंगापुर में 11 साल की बच्ची का दो बार यौन उत्पीड़न करने के जुर्म में हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को भारतीय नागरिक को 14 साल से अधिक की सजा सुनाई। रामलिंगम सेल्वासेकरन (58) की उम्र अधिक होने के कारण उसे कोड़े नहीं मारे जाएंगे लेकिन उसे सुनाई गई 14 वर्ष, तीन महीने और दो सप्ताह की सजा में 15 कोड़ों के बदले बदले अतिरिक्त कारावास की सजा शामिल है।

गाजा: कुपोषण से सात और लोगों की मौत

दुबई, एजेंसी

गाजा पट्टी में भुखमरी के हालात लगातार विकराल होते जा रहे हैं। पिछले 24 घंटों में यहां कुपोषण से सात और लोगों की मौत हो गई है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार फिलिस्तीनी क्षेत्र में हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 2023 में इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की कुल संख्या अब 154 हो गई जिसमें 89 बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र समर्थित वैश्विक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने मंगलवार को चेतावनी दी थी कि गाज़ा में अकाल की सबसे खराब स्थिति वर्तमान में चल रही है।

इज़राइल ने कहा है कि वह गाज़ा में आने वाली सहायता पर प्रतिबंध नहीं लगा रहा है , लेकिन उसका ये दावा यूरोप में उसके करीबी सहयोगियों, संयुक्त राष्ट्र और गाज़ा में सक्रिय अन्य एजेंसियों ने स्वीकार नहीं किया है। इस बीच अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ गुरुवार को गाजा संकट पर चर्चा करने के लिए इज़राइल की यात्रा पर जाएंगे।

● दो साल में कुपोषण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 154 हुई

खाने का इंतजार करते लोगों पर चलाईं गोलियां, 48 मारे गए

दीर अल-बलाह। गाजा पट्टी में खाद्य सामग्री की प्रतीक्षा कर रहे कम से कम 48 फलस्तीनी मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राजदूत संघर्ष समाप्त कराने संबंधी वार्ता के लिए इजराइल पहुंच रहे हैं। गाजा शहर के शिफा अस्पताल ने बताया कि ये लोग ज़िकिम क्रॉसिंग पर मौजूद भीड़ का हिस्सा थे। इसी क्रॉसिंग से उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई जाती है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि गोलीबारी किसने की और क्रॉसिंग पर नियंत्रण रखने वाली इजराइल की सेना ने भी इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

यूक्रेन: रूसी हमलों में 9 मरे, 124 घायल

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव पर गुरुवार तड़के रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों में नौ लोग मारे गए और 124 घायल हो गए।

कीव सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि मृतकों में एक छह साल का बच्चा भी है। शहर में 27 जगह हमला हुआ जहां बचाव अभियान जारी है, पीड़ितों की संख्या बढ़ सकती है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि रूस ने 300 से ज्यादा ड्रोन हमले किए और आठ मिसाइलें दागीं।

तमिलनाडु: मां-बेटी ने साथ पास की नीट

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में 49 वर्षीय एक फिजियोथेरेपिस्ट महिला और उसकी बेटी ने मजबूत इरादों से अपने सपनों को पूरा करने की एक अद्भुत मिसाल कायम की है। दोनों ने अपनी लगन और मेहनत से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पास कर ली।

नीट पास करने के बाद महिला को अपने गृह जिले के नज़दीकी सरकारी मेडिकल कॉलेज में सीट मिल गई जबकि बेटी भी चिकित्सा क्षेत्र में सफर शुरू करने के लिए तैयार है। अमुथवल्ली मणिवन्नन को अपने स्कूल के दिनों की तुलना में इस बार पाठ्यक्रम बहुत अलग और काफी कठिन लगा लेकिन फिर भी अपनी बेटी की राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा की तैयारी से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी तैयारी शुरू की।

अमुथवल्ली ने कहा, अपनी बेटी को नीट की तैयारी करते देखकर मेरी महत्वाकांक्षा फिर से जागृत हो गई और वह मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा थी। मैंने उसकी किताबें लीं और परीक्षा की तैयारी की। सीबीएसई की छात्रा एम. संयुक्ता ने कोचिंग क्लास ली और जिन किताबों का उसने गहन अध्ययन किया था, उनसे ही उसकी मां को भी मदद मिली।

● अमुथवल्ली ने बेटी की किताबों से ही पढ़कर की नीट की तैयारी

इमरान की पार्टी के कई सांसदों समेत 166 सदस्यों को 10-10 साल कैद

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को पंजाब प्रांत में नौ मई, 2023 को आईएसआई भवन और अन्य सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमले के सिलसिले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के कुछ सांसदों सहित 166 सदस्यों को 10-10 साल की सजा सुनाई।

खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं को सजा सुनाए जाने की खबर देश भर में पांच अगस्त से प्रस्तावित 'फ्री इमरान खान मूवमेंट' के शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले आई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं को सजा सुनाए जाने की खबर देश भर में पांच अगस्त से प्रस्तावित 'फ्री इमरान खान मूवमेंट' के शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले आई है। पाकिस्तान तहरीक-

● आईएसआई भवन और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले का मामला

ए-इंसाफ ने फैसलाबाद आतंकवाद निरोधक अदालत के फैसले की कड़ी निंदा की है और इसे संसद से उसके सांसदों को अयोग्य ठहराने तथा पार्टी को शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने से रोकने की साजिश का हिस्सा बताया है। अदालत ने बृहस्पतिवार को फैसलाबाद में आईएसआई भवन पर हमले के मामले में 185 आरोपियों में से 108 को दोषी ठहराया और शेष 77 को बरी कर दिया।

पाकिस्तान के साथ विशाल तेल भंडार विकसित करेगा अमेरिका

समझौते पर हस्ताक्षर कर ट्रंप ने की घोषणा, शगूफा भी छोड़ा- क्या कभी भारत को तेल बेचेगा पाकिस्तान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा करते हु कहा कि अमेरिका विशाल तेल भंडार विकसित करने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करेगा। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि ट्रंप पाकिस्तान में किस विशाल तेल भंडार की बात कर रहे थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर यह भी सवाल उठाया कि क्या पाकिस्तान कभी भारत को तेल बेच सकता है। ट्रंप ने बुधवार को 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, "हमने अभी-अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत अमेरिका पाकिस्तान के विशाल तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेगा। उन्होंने कहा, हम उस तेल कंपनी को चुनने की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। कौन जानता है, शायद वे किसी दिन भारत को तेल बेचेंगे। पाकिस्तान लंबे समय से अपने अपतटीय क्षेत्र पर बड़े तेल भंडार होने का दावा करता रहा है, लेकिन इन भंडारों का दोहन करने में कोई प्रगति नहीं हुई है। वह इन भंडारों का दोहन करने के लिए निवेश आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। देश फिलहाल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पश्चिम एशिया से तेल आयात करता है।

पाकिस्तान के पीएम शरीफ ने ट्रंप को कहा शुक्रिया

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को बृहस्पतिवार को ऐतिहासिक बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा किया और इससे दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ने की उम्मीद जाहिर की। शरीफ ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह ऐतिहासिक समझौता हमारे बढ़ते सहयोग को और मजबूत करेगा ताकि आने वाले दिनों में हमारी स्थायी साझेदारी की सीमाओं का विस्तार हो सके।

चीन से प्रक्षेपित किया रिमोट सेंसिंग उपग्रह

इस्लामाबाद/बीजिंग। पाकिस्तान ने जलवायु परिवर्तन संबंधी खतरों की निगरानी और प्रतिक्रिया की क्षमता बढ़ाने के लिए चीन के सिचुआन प्रांत से एक नए रिमोट सेंसिंग उपग्रह का बृहस्पतिवार को प्रक्षेपण किया। पाकिस्तान के अंतरिक्ष एवं ऊपरी वायुमंडल अनुसंधान आयोग के तकनीकी सहयोग से शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र पर कुआइझोउ-1ए (केजेड-1ए) रॉकेट के जरिये पाकिस्तान रिमोट-सेंसिंग सैटेलाइट (पीआरएसएस-1) को प्रक्षेपित किया गया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 अगस्त, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी पूर्ण रात्रि तक।

आज का पंचांग

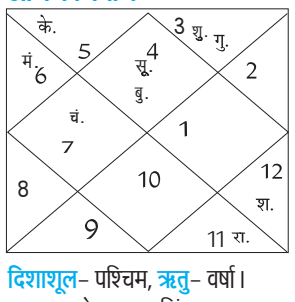

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र-स्वाती 02 अगस्त 03.40 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष — आज बच्चों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से प्रसन्नता होगी। उच्चाधिकारियों से आपको सहायता मिल सकती है। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को शानदार परिणाम मिल सकते हैं।

वृष — आज विदेश से जुड़े लोगों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे। गले में खराश जैसी समस्या हो सकती है। परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। धार्मिक कार्यों में आप रुचि लेंगे। कारोबार को बढ़ाने के नए तरीके अपनायेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिये दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

मिथुन — आज अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में मधुरता आयेगी। पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक कार्यों में आप सहयोग देंगे। प्रेम संबंधों से जुड़ी परेशानियां कम होंगी।

कर्क — आज बड़े निर्णय लेते समय आपको व्यवहारिक रहना होगा। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर करेंगे। अधिक मसालेदार भोजन करने से बचें। त्वचा में एलर्जी जैसी परेशानी हो सकती है। किसी मूल्यवान वस्तु के गुम होने की आशंका है।

सिंह — आज समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पुराने मित्रों के साथ मिलने का अवसर मिलेगा। बदनदर्द की शिकायत हो सकती है। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपकी प्रतिभा उभरकर सामने आयेगी। बुद्धिमान लोगों के बीच आपका उठना-बैठना होगा।

कन्या — आज कारोबार में नई डील कर सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य की कुछ चिंता हो सकती है। आपको भरपूर नींद लेनी चाहिए। किसी व्यक्ति से थोड़ी बहस हो सकती है। बड़े-बुजुर्गों से मार्गदर्शन लेते रहें। नौकरीपेशा लोग नयी जॉब का विचार बनायेंगे।

तुला — आज घर में मेहमान आ सकते हैं। यात्रा सामान्य रूप से काफी अच्छी रहेगी। कानूनी मामलों में आपको विजय प्राप्त हो सकती है। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को शानदार लाभ होगा। अच्छे कार्यों में आप रुचि लेंगे। तकनीकी संबंधी कार्यों में रुचि लेंगे।

वृश्चिक — आज आपको अपनी वर्तमान परियोजनाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। परिवार की जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें। मेहमानों पर आप धन खर्च करेंगे। आपको नया काम शुरू करने में काफी मेहनत करनी पड़ेगी। सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

धनु — आत धार्मिक कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। विद्यार्थियों को कम मेहनत से ही सफलता मिल जायेगी। पुराने मामलों में आपको बेहतरीन सफलता मिलेगी। जूनियर्स के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। कोई बड़ा लक्ष्य आप प्राप्त कर लेंगे।

मकर — आज भूमि-संपत्ति से जुड़े व्यवसाय में उत्तम लाभ प्राप्त होगा। नवविवाहित लोग आज किसी उत्सव समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं। आर्थिक समस्याओं का समाधान मिलेगा। रेस्टोरेन्ट के व्यवसाय को बढ़ा सकते हैं।

कुंभ — आज विवाह से जुड़े मामलों का समाधान प्राप्त होगा। शरीर में ऊर्जा की कमी रहेगी। सन्तान की शिक्षा में उल्लेखनीय प्रगति होगी। विश्वासपात्र लोगों की सलाह आपको बहुत काम आयेगी। लवमेट के साथ रिश्तों में गहराई आयेगी। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में पूंजी निवेश से आपको लाभ प्राप्त होगा। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करें। पर्याप्त मात्रा में जल पियें। दांपत्य संबंधों में परेशानी आ सकती है। एक से ज्यादा काम हाथ में न लें। किसी प्रियजन से आपकी बहस हो सकती है।

सुडोकू-56

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	5	6		1		8		7
			7				3	
	3					5		2
		7		9	4			
1								5
			8	2		4		
9		5			6		8	
	4				3			
8		3				2	1	

सुडोकू - 55 का हल

6	1	7	3	2	4	9	8	5
2	9	8	5	6	1	3	4	7
5	3	4	9	8	7	1	2	6
9	8	5	4	1	3	6	7	2
1	7	2	8	9	6	4	5	3
4	6	3	7	5	2	8	9	1
3	2	9	1	4	5	7	6	8
8	5	1	6	7	9	2	3	4
7	4	6	2	3	8	5	1	9

विदेश की चुनौतियों से पार पाना हमेशा विशेष होता है। अगर आप विदेश में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो लोग आपको ऊंचा दर्जा देंगे, इसलिए मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं बस मैदान पर खुद को अभिव्यक्त करना चाहता हूं।
–ध्रुव जुरेल, विकेटकीपर-बल्लेबाज

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेस्सी के करिश्मे से जीता इंटर मियामी

मियामी। लियोनेल मेस्सी ने मैच के अंतिम पलों में दिखाए गए करिश्मे से इंटर मियामी ने लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में एटलस को 2-1 से हरा दिया। मेजर लीग सॉकर द्वारा ऑल-स्टार भाग नहीं देने से एक मैच के लिए निलंबित किए जाने के बाद मेस्सी और उनके साथी जोर्डी अल्बा का यह पहला मैच था। उन्होंने स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में मार्सेलो वीगन्ड्र की विजयी गोल करने में मदद की। वीडियो समीक्षा प्रणाली के बाद ही यह गोल मान्य माना गया। मेस्सी ने इससे पहले 58वें मिनट में टेलास्को सेगोविया के गोल में भी मदद की थी।

राष्ट्रमंडल खेलों की माल्टा करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। माल्टा 2027 में राष्ट्रमंडल युवा खेलों के आठवें चरण की मेजबानी करेगा, जिसमें 74 देशों के 14 से 18 वर्ष के खिलाड़ी आठ खेलों में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों की संचालन संस्था ने गुरुवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रमंडल खेलों की संस्था ने हालांकि इनकी तारीखों की घोषणा नहीं की कि लेकिन कहा कि यह 2027 के अंत में आयोजित होंगे। राष्ट्रमंडल खेल के अनुसार, माल्टा 2027 में 74 देशों और क्षेत्रों के 14 से 18 वर्ष के 1150 खिलाड़ियों का स्वागत करेगा।

स्क्वाश चैंपियनशिप नई दिल्ली में 23 अगस्त से

नई दिल्ली। सीनियर राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियनशिप 23 से 28 अगस्त तक नई दिल्ली में होगा। भारतीय स्क्वाश रैकेट महासंघ (एसआरएफआई) ने गुरुवार को यह घोषणा की। एसआरएफआई के महासचिव साइरस पोंचा ने कहा, सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप तीन हफ्ते बाद दिल्ली के ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित होगी। एसआरएफआई ने टेक दिग्गज एचसीएल के साथ मिलकर एचसीएल इंडिया स्क्वाश टूर 2025-26 का भी शुभारंभ किया। पेशेवर स्क्वाश संघ (पीएसए) टूर का भारत के छह शहरों में विस्तार हो चुका है और पीएसए देश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा लाएगा।

चार शहरों में खेली जाएगी प्रो कबड्डी लीग

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का 12वां सत्र 29 अगस्त से शुरू होगा और इसे चार शहरों विशाखापट्टनम, जयपुर, चेन्नई और नई दिल्ली में खेला जाएगा। आयोजकों ने गुरुवार को बताया कि नए सत्र के पहले दिन विशाखापतनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में तेलुगू टाइटन्स का सामना तमिल थलाइवाज से और बेंगलुरु बुल्स का पुनेरी पल्टन से होगा। विशाखापट्टनम में 2018 के बाद पहली बार पीकेएल के मैच खेले जाएंगे। पीकेएल का दूसरा चरण 12 सितंबर से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर हॉल में होगा, जहां टूर्नामेंट ने 2023-24 के सत्र में अपने 1,000 मैच पूरे किए थे।

जू. महिला राष्ट्रीय हॉकी में 30 टीमें लेंगी भाग

काकीनाडा। हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप शुक्रवार से शुरू होगी, जिसमें कल 30 टीम भाग लेंगी। इस बार यह प्रतियोगिता डिवीजन आधारित प्रारूप में खेली जाएगी, जिसमें टीमों को तीन डिवीजन ए, बी और सी में बांटा गया है। ए व बी डिवीजन में नीचे की दो टीमें अगले वर्ष बी व सी में रेलीगेट होंगी जबकि बी व सी डिवीजन की शीर्ष दो टीमें ए और बी डिवीजन में जगह मिलेगी। डिवीजन ए में देश की शीर्ष 12 टीमें शामिल हैं।

रचना-अश्विनी अंडर-17 विश्व चैंपियन

एथेंस। भारतीय पहलवान रचना (43 किग्रा) और अश्विनी विश्नोई (65 किग्रा) गुरुवार को अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में चैंपियन बनीं जबकि मोनी महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक से चूक गईं। रचना ने फाइनल में चीन की शिन हुआंग को 3-0 से हराया जबकि अश्विनी ने उज्बेकिस्तान की मुखय्यो राखिमजोनोवा को इसी अंतर से मात दी। मोनी को कजाकिस्तान की मदखिया उस्मानोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 5-6 से मिली हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कोमल वर्मा ने 49 किग्रा वर्ग में देश को कांस्य पदक दिलाया।

नायर का अर्धशतक, भारत के छह विकेट पर 204 रन

अंतिम टेस्ट के पहले दिन एटकिंसन-टंग की गेंदबाजी से इंग्लैंड का पलड़ा रहा भारी

लंदन, एजेंसी

भारतीय टीम में वापसी कर रहे करुण नायर ने अर्धशतक जड़ा, लेकिन गस एटकिंसन और जोश टंग की धारदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित पहले दिन गुरुवार को मेहमान टीम का पहली पारी में स्कोर छह विकेट पर 204 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा। एटकिंसन (31 रन पर दो विकेट) और टंग (47 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने भारत ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और गेंदबाजी की अनुकूल परिस्थितियों में नायर के अलावा उसका कोई अन्य बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। बारिश के कारण पहले दिन 64 ओवर का ही खेल संभव हो पाया।

भारत ने 153 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद नायर (नाबाद 52 रन) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 19 रन) ने सातवें विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी कर टीम को वापसी दिलाने का प्रयास किया। भारत के लिए पहले दो सत्र की तरह तीसरे सत्र में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक छोर पर टिककर खेल रहे साई सुदर्शन (38) टंग की आउटस्विंगर पर विकेटकीपर जेमी स्मिथ के हाथों लपके गए, जिससे भारत का स्कोर चार विकेट पर 101 रन हो गया। नायर ने टंग के अगले ओवर में दो चौके मारे लेकिन इस गेंदबाज ने रविंद्र जडेजा (9) को स्मिथ के हाथों कैच कराके भारत को पांचवां झटका दिया।

जडेजा ने चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद शतक जड़कर वाशिंगटन के साथ मिलकर भारत को हार से बचाया था। ध्रुव जुरेल (19 रन) अच्छी लय में दिखे। वह गस एटकिंसन की अंदर आती गेंद पर पगबाधा होने से बचे, लेकिन अगली गेंद पर दूसरी स्लिप में हैरी ब्रूक को कैच दे बैठे। नायर ने जेमी ओवरटन पर लगातार दो चौकों के साथ दबाव कम करने का प्रयास किया। नायर और वाशिंगटन ने इंग्लैंड के गेंदबाजों का डटकर सामना किया। नायर ने 62वें ओवर में जैकब बेथेल की गेंद पर दो रन के साथ 89 गेंद में अपने करियर का पहला अर्धशतक पूरा किया और साथ ही टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया।

इससे पहले बारिश के कारण लंच और चाय के बीच सिर्फ छह ओवर का खेल हो गया, जिसमें भारत ने कप्तान शुभमन गिल (21) का विकेट गंवाकर 13 रन बनाए। लंच से पहले अचानक आई बारिश से दूसरे सत्र का खेल स्थानीय समयानुसार दोपहर तीन बजे शुरू हुआ। क्रीज पर नजर जमाने के बाद गिल ने एटकिंसन की गेंद पर गैर जरूरी रन लेने का प्रयास किया और इस गेंदबाज ने उन्हें रन आउट कर दिया। इसके कुछ देकर बाद फिर बारिश होने लगी और खिलाड़ियों को वापस लौटना पड़ा, जिसके कुछ देकर बाद चाय का ब्रेक लिया गया।

भारत ने घास वाली पिच पर सुबह के सत्र में अपने सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और लोकेश राहुल के विकेट गंवाए, लेकिन लंच तक दो विकेट पर 72 रन बनाकर अच्छा प्रदर्शन किया। श्रृंखला में सबसे अधिक घास वाली पिच पर इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गिल ने मौजूदा श्रृंखला में पांचों बार टॉस गंवाया। गेंद उम्मीद के मुताबिक सीम तो कर रही थी लेकिन बहुत ज्यादा स्विंग नहीं कर रही थी। श्रृंखला का अपना पहला मैच खेल रहे एटकिंसन ने अपने दूसरे ओवर में जायसवाल (2) को आउट किया। मैदानी अंपायर ने आउट नहीं दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें फैसला बदलना पड़ा क्योंकि अंदर आती गेंद स्टंप्स पर लगती। अन्य तेज गेंदबाजों जोश टंग और जेमी ओवरटन को नियंत्रण बनाए रखने में दिक्कत हुई। टंग ने अपने पहले ओवर में 12 रन दिए, जिसमें स्टंप के दोनों ओर दो वाइड के जरिए 10 रन शामिल थे।

खेल के पहले घंटे में भारत का स्कोर एक विकेट पर 36 रन हो गया। अच्छी फॉर्म में चल रहे राहुल (14 रन) आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। क्रिस वोक्स की शॉर्ट गेंद को कट करने की कोशिश में वह विकेटों पर खेल गए। सुदर्शन ने टंग और वोक्स की गेंदों पर चौके जड़े जबकि मौजूदा श्रृंखला के सबसे सफल बल्लेबाज गिल ने ओवरटन की गेंद को कवर के ऊपर से चार रन के लिए भेजा और फिर पुल करके दोनों ओर बाउंड्री लगाई।

भारत ने एकादश में चार बदलाव करते हुए जसप्रीत बुमराह, अंशुल कंबोज, शारदुल ठाकुर और चोटिल ऋषभ पंत की जगह फिट हो चुके आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, करुण नायर और ध्रुव जुरेल को शामिल किया। इंग्लैंड ने भी चार बदलाव किए। टीम ने बुधवार को ही इसकी घोषणा कर दी थी क्योंकि चोटिल कप्तान बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

भारत-इंग्लैंड के बीच द ओवल में खेले जा रहे पांचवें टेस्ट मैच के पहले दिन विकेटों के बीच दौड़ते भारतीय बल्लेबाज। एजेंसी

भारत की पहली पारी में बारिश से पहले बल्लेबाजी करते कप्तान शुभमन गिल।

भारत पहली पारी

204/6 (64 ओवर)

यशस्वी पगबधा को एटकिंसन	02
लोकेश राहुल बो वोक्स	14
साई सुदर्शन का स्मिथ बो टंग	38
शुभमन गिल रन आउट	21
करुण नायर खेल रहे हैं	52
रविंद्र जडेजा का स्मिथ बो टंग	09
ध्रुव जुरेल का ब्रूक बो एटकिंसन	19
वाशिंगटन सुंदर खेल रहे हैं	19

अतिरिक्त: 30, **गेंदबाजी:** वोक्स 14-1-46-1, एटकिंसन 19-7-31-2, टंग 13-3-47-2, ओवरटन 16-0-66-0, बेथेल 2-1-4-0

शुभमन गिल ने गावस्कर को पछाड़ा

लंदन। कप्तान शुभमन गिल वर्षा से प्रभावित पांचवें टेस्ट मैच के पहले दिन महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पछाड़कर एक टेस्ट श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। गिल इस श्रृंखला में अब तक 743 रन बना चुके हैं और उन्होंने गावस्कर को पछाड़ा जिन्होंने 1978-79 की टेस्ट श्रृंखला में वेस्टइंडीज के खिलाफ 732 रन बनाए थे। गिल को पांचवें टेस्ट से पूर्व गावस्कर के 47 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए सिर्फ 11 रन की दरकार थी। भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन की गेंद को कवर क्षेत्र में चौके के लिए खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। भारतीय कप्तान हालांकि 21 रन बनाने के बाद तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की गेंद पर गैरजरूरी रन लेने की कोशिश में रन आउट हो गए। गिल ने इस श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में 269 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी भी खेली थी।

कुलदीप को लॉर्ड्स और मैनचेस्टर में खेलना चाहिए था : गांगुली

कोलकाता। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि कुलदीप यादव को लॉर्ड्स और मैनचेस्टर में नहीं खिलाकर भारत बड़े मौके से चूक गया क्योंकि टेस्ट मैच के आखिरी दो दिन यह स्पिनर अहम भूमिका निभा सकता था। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप को इंग्लैंड के खिलाफ चल रही पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। गांगुली ने गुरुवार को कहा, काश कुलदीप मैनचेस्टर में, लॉर्ड्स में और बर्मिंघम में भी खेलते क्योंकि बेहतरीन स्पिन गेंदबाजी के बिना टेस्ट के चौथे और पांचवें दिन टीमों को आउट करना मुश्किल होता। गांगुली ने मैनचेस्टर में हुए चौथे टेस्ट का उदाहरण दिया जहां भारत के निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को निराश किया और पांचवें दिन की पिच पर 143 ओवर खेलकर मैच ड्रॉ करा दिया। उन्होंने कहा कि आपने देखा कि इंग्लैंड के साथ क्या हुआ जब भारत ने एक ऐसी पिच पर बल्लेबाजी की जो थोड़ी टूट चुकी थी और थोड़ा टर्न भी मिल रहा था लेकिन एक भी अच्छा स्पिनर नहीं था इसलिए इंग्लैंड 20 विकेट नहीं ले सका। गांगुली ने कहा कि अतीत में महान टीमों के पास बेहतरीन स्पिनर होते थे, चाहे वह शेन वॉर्न हों, मुरलीधरन हों, इंग्लैंड के ग्रीम स्वान हों, मोंटी पनेसर हों, भारत के अनिल कुंबले हों, हरभजन सिंह हों या रविचंद्रन अश्विन हों। इसलिए मुझे लगता है कि कुलदीप ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें भारत भविष्य में खिलाने पर विचार करता रहेगा। गांगुली का मानना है कि भारत का पांचवें टेस्ट के लिए कुलदीप को बाहर रखना ठीक है क्योंकि विकेट से तेज गेंदबाजों को अधिक मदद मिल सकती है।

क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित

- छह से 10 अगस्त तक म्यांमार के यांगून में आयोजित की जाएगी प्रतियोगिता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने गुरुवार को 2026 एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की जो छह से 10 अगस्त तक म्यांमार के यांगून में होगा। भारतीय टीम ग्रुप डी में है। उसका सामना छह को इंडोनेशिया, 8 को तुर्कमेनिस्तान और 10 अगस्त को मेजबान म्यांमा से होगा।

ग्रुप विजेता व सभी आठ ग्रुप में से तीन सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान की टीम अगले साल अप्रैल में थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत क्वालीफायर के लिए बेंगलुरु स्थित पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में ट्रेनिंग ले रहा था और अपनी तैयारियों के तहत इस महीने की शुरुआत में उज्बेकिस्तान अंडर-20 के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलने के लिए ताशकंद गया था। भारत ने पहले मैच में 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद दूसरे मैच में 4-1 से जीत हासिल की। खिलाड़ियों ने लौटने के बाद बेंगलुरु में शिविर जारी रखा।

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप

भारतीय टीम

गोलकीपर: मेलोडी चानू कीशम, मोनालिशा देवी मोइरंगथेम, रिबांसी जामू। **डिफेंडर:** एलिना चिंगखम, सिंडी रेमरूअटपुई कोल्नी, जूही सिंह, निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, साहेना टीएच, शुभांगी सिंह, थोईबिसाना चानू तोइजाम, विक्सित बारा। **मिडफील्डर:** अंजू चानू कायेनपाइबम, अरीना देवी नामीराकपम, भूमिका देवी खुमुकचम, मोनिशा सिंघा, नेहा, पूजा। **फॉरवर्ड:** बबीता कुमारी, दीपिका पाल, खुशबू काशीराम सरोज, सिबानी देवी नोंगमेइकापम, सुलंजना राउल।

मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

- महिला एकल में रक्षिता व मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो हारीं

मकाऊ, एजेंसी

भारत के तरुण मन्नेपल्ली शीर्ष वरीयता प्राप्त हांगकांग के ली चियुक यू को हराकर मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। वहीं लक्ष्य सेन ने भी जीत के साथ अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली है।

तरुण ने दुनिया के 15वीं रैंकिंग वाले ली को 19-21, 21-14, 22-40 से हराया। इससे पहले वह फरवरी में जर्मन ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंचे थे। अब उनका सामना चीन के हू झे अन से होगा। राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य सेन ने इंडोनेशिया के चिको औरा द्वि वार्डोयो को 21-14, 14-21, 21-17 से मात दी। वहीं आयुष शेट्टी को मलेशिया के जस्टिन होह ने 21-18, 21-16 से हरा दिया।

महिला एकल में रक्षिता रामराज को थाईलैंड की बुसानन आंगबामरूंगफान ने 14-21, 21-10, 21-10 से मात दी। मिश्रित युगल में पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को मलेशिया के जिम्मी वोंग और लेइ पेइ जिंग की जोड़ी ने 19-21, 21-13, 21-18 से हराया। पुरुष युगल में पृथ्वी रॉय और के साइ प्रतीक को मलेशिया के चौथी वरीयता प्राप्त जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप ने 21-18, 21-18 से मात दी।

मैं दबाव के बारे में अधिक नहीं सोचती : दिव्या

नागपुर, एजेंसी

फिडे महिला शतरंज विश्व कप चैंपियन दिव्या देशमुख ने गुरुवार को कहा कि वह एक आक्रामक खिलाड़ी हैं और उनके लिए दबाव अधिक मायने नहीं रखता। 19 वर्षीय दिव्या 28 जुलाई को जॉर्जिया के बातुमी में महिला विश्व कप जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं। उन्होंने दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए फाइनल में टाईब्रेकर में कोनेरू हम्पी को हराया। इस जीत ने ना केवल उन्हें प्रतिष्ठित खिताब दिलाया, बल्कि उन्हें ग्रैंडमास्टर भी बना दिया।

दिव्या ने कहा कि उनके लिए रणनीति व आक्रामक पोजिशन में जाना आसान है। दबाव मेरे लिए अधिक मायने नहीं रखता। जो मायने रखता है वह है मेरी अपनी उम्मीदें और लक्ष्य। अपनी आक्रामकता और मानसिक दृढ़ता के लिए पहचाने जाने वाले भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से अक्सर होने वाली तुलना पर दिव्या ने कहा, मुझे लगता है कि आक्रामकता हमेशा से मेरे खेल का हिस्सा रही है। मेरे लिए रणनीति व आक्रामक पोजिशन अपनाना आसान है। दिसंबर में चीन के डिंग लिरेन हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने 18 साल के डी गुकेश के साथ समानताओं पर दिव्या ने कहा, मुझे लगता है कि हम दोनों का अंत तक लड़ना सबसे बड़ी समानता है।

ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख।

- कोनेरू हम्पी को हराकर बनीं हैं सबसे कम उम्र की ग्रैंडमास्टर

न्यूजीलैंड को मिली पहली पारी में बढ़त

बुलावायो (जिम्बाब्वे)। डेवोन कॉनवे और डेरिल मिचेल गुरुवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन शतक से चूक गए, लेकिन न्यूजीलैंड ने शिकंजा कसे रखा। कॉनवे ने 88 और मिचेल 80 रन पर आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे, जिससे न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में 307 रन पर सिमट गई।

न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाजों ने इसके बाद बेन कुरेन (11) और ब्रायन बेनेट (18) को आउट करके स्टंप तक जिम्बाब्वे का स्कोर दो विकेट पर 31 रन कर दिया। जिम्बाब्वे अब भी 127 रन से पीछे है। जिम्बाब्वे पहली पारी में 149 रन पर सिमट गया था। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी जिम्बाब्वे के बेहतरीन गेंदबाज रहे, जिन्होंने 73 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि तनाका चिवांगा ने 51 रन देकर दो विकेट चटकाए। बाद में मिचेल ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ मिलकर बल्लेबाजी की और न्यूजीलैंड को बढ़त दिलाई। नौवें नंबर के बल्लेबाज नाथन स्मिथ पेट में चोट से 22 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए।

नेशनल बैंक ओपन | इगा स्वियातेक ने विजय अभियान 24 मैचों तक पहुंचाया

तीसरे दौर में पहुंचीं विंबलडन चैंपियन इगा

मॉन्ट्रियल, एजेंसी

विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन की गुओ हान्यू को 6-3, 6-1 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। विंबलडन के फाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से हराने के बाद पहली बार कोई मैच खेल रही स्वियातेक ने 4-0 की बढ़त बना ली और फिर अपने विजय अभियान को 24 मैच तक पहुंचा दिया।

पोलैंड की विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी स्वियातेक का अगला मुकाबला जर्मनी की ईवा लिस से होगा, जिन्होंने रूस की अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा को 6-3, 6-4 से हराया। अमेरिका की दो बार की गत विजेता जेसिका पेगुला ने भी यूनान की मारिया सक्कारी को 7-5, 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अमेरिका की पांचवीं वरीयता प्राप्त अनिसिमोवा ने न्यूज़ीलैंड की लुलु सुन को 6-4, 7-6 (5) से हराया। अमेरिका की ही छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ ने जर्मनी की लॉरा सीगेमंड को 6-2, 6-1 से और जापान की नाओमी ओसाका ने रूस की लियुडमिला सैमसोनोवा को 4-6, 7-6 (6), 6-3 से हराया।

- पोलैंड की स्वियातेक का अगला मुकाबला जर्मनी की ईवा लिस से होगा

कनाडा के गैब्रियल डायलो भी आगे बढ़े

टोरंटो। कनाडा के लंबे कद के खिलाड़ी गैब्रियल डायलो ने इटली के माटेओ गिगांटे को 6-3, 7-6 (5) से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। मॉन्ट्रियल के रहने वाले छह फुट आठ इंच लंबे दाएं हाथ के खिलाड़ी डायलो ने बारिश से प्रभावित मैच में एक घंटे 46 मिनट में जीत दर्ज की। डायलो ने पिछले महीने नीदरलैंड में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था। अब उनका सामना अमेरिका के दूसरे वरीय टेलर फ्रिट्ज़ से होगा, जिन्होंने स्पेन के रॉबर्टो कार्बालेस बाएना को 7-5, 7-6 (1) से हराया। दूसरे दौर के अन्य मैचों में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने फ्रांस के क्वालीफायर एड्रियन मन्नारिनो को 6-2, 6-3 से और रूस के छठी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन को 6-2, 6-3 से हराया।